जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 343 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 4 जुलाई, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

भारी बारिश के बाद जयपुर की सड़कों पर पानी भर गया। यह नज़ारा निवारु रोड का है जहां पानी भरने के कारण पहले से टूटी सड़क ने समस्या और ज्यादा बढ़ा दी। अनेक दुपहिया व चौपहिया वाहन गड्ढों में फंस गए। राहगीरों को देर तक अपने वाहनों को सुरक्षित निकालने के लिए मशक्कत करते देखा गया। पूरे शहर भर की मुख्य सड़कों पर यही हालात देखे गए। (विस्तृत समाचार अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यसभा व लोकसभा का सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुआ

राहुल गाँधी ने अपने आक्रामक भाषण से सत्र की लगभग शुरुआत की थी, तथा उतनी ही आक्रामक शैली से प्रधानमंत्री मोदी ने पलटवार किया कांग्रेस पर, पहले लोकसभा में फिर राज्यसभा में

-रेण मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जुलाई। अठारहवीं लोकसभा का प्रथम सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया तथा राज्यसभा भी स्थगित हो गई।

ससंद के दोनों सदनों में काफी हंगामा हुआ। आक्रामकता, वैमनस्यता, तीखे कटाक्ष, वैल में आकर विरोध प्रदर्शन, उग्रता, वैरभाव, विपक्ष का बहिर्गमन, दोनों सदनों के आसनों आपत्तिजनक व्यवहार देखा गया। लोकसभा में राहुल गांधी ने आक्रामक शुरुआत की तथा प्रधानमंत्री पूरी तरह से लड़ाकू मुद्रा में दिखे और अपनी सरकार की उपलब्धियां बताने से कहीं ज्यादा समय तक कांग्रेस की चर्चा करते रहे।

विशेषज्ञों का मानना है कि 18वीं लोकसभा के तौर-तरीके और तेवर ऐसे ही रहेंगे। मोदी की भाजपा अल्पमत में जो है।

राहुल इण्डिया गठबन्धन, जो 10 साल की लम्बी अवधि तक उपेक्षित, मजबूर, अपमानित रहा तथा हाशिये पर पड़ा रहा, अब उत्साहित है तथा मोदी का मुकाबला करने के लिये उद्यत है।

राहुल गांधी विपक्ष के नेता बन गये तथा जब मोदी टकराव पैदा करने के उद्देश्य से सत्र के पहले ही दिन आपातकाल पर बरसने लगे, तो लोकसभा में राहुल गांधी ने तथा राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी का मुकाबला करते हुये, उनके सामने असुविधाजनक प्रश्न रख दिये।

नीट पर, मणिपुर पर, अग्निवीर पर तथा जिस तरह भाजपा ने द्वेष का वातावरण पैदा करते हुये, समाज को हिन्दू-मुस्लिम के मुद्दे पर बाँट दिया है, न तौर-तरीकों का उल्लेख करते हुये राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी पर जबरदस्त बरसे तथा जमकर प्रहार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पुराने पत्रकारों, जो वर्षों से संसद की कार्यवाही कवर कर रहे हैं, का मानना है कि, अठारहवीं लोकसभा में भविष्य में भी यही माहौल रहने वाला हैः आक्रामक, निम्न स्तर के शब्दों का प्रयोग व हंगामापूर्ण वॉकआउट की परम्परा।
- इण्डिया गठबंधन काफी उत्साह में है, लोकसभा चुनाव के परिणाम के कारण तथा एन.डी.ए. व प्रधानमंत्री मोदी भी आमने-सामने की मुद्रा में, इण्डिया गठबंधन के हर आरोप व आलोचना का जमकर जवाब देने को तैयार हैं।
- पर एक बात समझ में नहीं आ रही, राज्यसभा में अपने ढाई घंटे के भाषण में प्रधानमंत्री मोदी ने डेढ़ घंटा केवल कांग्रेस को नीचा दिखाने में ही क्यों लगाया।
- आज संसद टी.वी. ने पूरा फोकस प्रधानमंत्री के राज्यसभा के भाषण पर रखा तथा राहुल गाँधी के, अपने इण्डिया गठबंधन के साथी सांसदों को विरोध करने के लिए उकसाने के प्रयासों को एकदम ''ब्लॉक'' सा कर दिया, पर फिर राहुल गाँधी की इस गतिविधि का वीडियो संसद टी.वी. के प्रशंसक ने लीक किया। ऐसा करने से लाभ हुआ कि नुकसान, यह तो बहस का विषय हो सकता है, साथ ही विचारणीय है कि ऐसा करने की नौबत क्यों महसूस हुई।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवन्त रेड्डी व आंध्र के चीफ मिनिस्टर हैदराबाद में मिलेंगे

हालांकि, दोनों मुख्यमंत्री अलग-अलग पार्टी के हैं, रेड्डी कांग्रेस पार्टी के साथ हैं तथा आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू एन.डी.ए. गठबंधन के सदस्य हैं, इसलिए इस मुलाकात को बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जुलाई। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में शनिवार को एक बहुत दिलचस्प मीटिंग है। इसमें राज्य कांग्रेस के एक शीर्ष नेता की एन.डी.ए. के एक अन्य शीर्ष नेता से मुलाकात होगी जिसमें तेलुगू भाषी दोनों राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच लम्बित मुद्दों के समाधान पर चर्चा होगी।

हालांकि, मीटिंग के आयोजन का उद्देश्य आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद संसाधनों के बंटवारे से सम्बंधित मुद्दों का समाधान करना है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों एन. चन्द्रबाबू नायडू और रैवन्त रेड्डी के बीच राष्ट्रीय राजनीतिक पर भी चर्चा हो सकती है। वर्ष 2014 में आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद तेलंगाना का निर्माण किया गया था।

- जैसा कि विदित ही है, पुराने आंध्र प्रदेश का विभाजन करके आंध्र व तेलंगाना का जन्म हुआ है।
- अतः सभी दोनों नए राज्यों के बीच सम्पत्ति व अन्य एसैट्स के बंटवारे का मामला उलझा हुआ है तथा अनिर्णित है।
- आशा की जा रही है कि दोनों मुख्यमंत्री की बैठक में इन अनिर्णितत मसलों का समाधान निकलेगा।
- रेवन्त रेड्डी बहुत पहले तेलुगू देशम पार्टी के सदस्य रहे हैं तथा फिर तेलुगू देशम को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे तथा प्रदेशाध्यक्ष के रूप में बड़ी होशियारी से चुनाव लड़ा और पार्टी को जिताकर लाए और अब तेलंगाना के मु.मंत्री हैं।

संयोगवश, रैवन्त रेड्डी कांग्रेस में शामिल होने से पूर्व कुछ समय के लिए तेलुगूदेसम पार्टी में थे, उन्होंने नायडू के साथ भी काम किया था। उसके बाद दोनों के रास्ते अलग हो गए। उसके बाद रैवन्त रेड्डी तेलंगाना के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बने और गत वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने के. चन्द्रशेखर राव से सत्ता हथिया ली।

अपनी पुरानी पार्टी के ये दोनों साथी आज राष्ट्रीय राजनीति के परस्पर विपरीत पक्षों में है। रेड्डी कांग्रेस के नेता हैं और उनकी पार्टी संसद में विपक्ष में बैठी है, जबकि नायडू सत्तारुढ़ एन.डी.ए. गठबंधन का हिस्सा है और उनकी पार्टी की केन्द्रीय कैबिनेट में भी भागीदारी है।

आंध्र प्रदेश के विभाजन के दस वर्ष बाद नायडू की पहल पर दोनों की मुलाकात हो रही है। रेड्डी ने बिना कोई समय गंवाए शनिवार की मीटिंग तय कर ली। दोनों राज्यों के बीच लम्बित मुद्दों का अत्यंत गंभीरता और संकल्प के साथ समाधान करने के लिए रैवन्त रेड्डी अपने पुराने बॉस की मेजबानी करेंगे।

उम्मीद है कि दोनों नेताओं के बीच होने जा रही मीटिंग में कई ऐसे लम्बित मतभेदों का समाधान होगा जो अधिकारिक स्तर पर वर्षों की बातचीत के बावजूद विद्यमान थे।

रैवन्त रेड्डी ने अपने जवाब में कहा कि वह ''नायडू से पूर्णतया सहमत है।'' मीटिंग प्रगति भवन में होगी, जिसका निर्माण पूर्व मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने करवाया था। हालांकि रेड्डी ने मुख्यमंत्री बनने के बाद इस बिल्डिंग का नाम ''महात्मा ज्योति राव फुले भवन'' रख दिया है। पांच वर्ष पूर्व ऐसी ही एक मीटिंग दो पूर्व मुख्यमंत्रियों वाय.एस. जगनमोहन रेड्डी और के.चन्द्रशेखर राव के बीच हुई थी, जो निरर्थक रही एवं इसमें कोई भी अर्थपूर्ण समाधान नहीं खोजा जा सका। अब दोनों की ही पार्टियां विधानसभा चुनाव हार चुकी हैं। दोनों की मीटिंग के दौरान के. चन्द्रशेखर राव ने नदी-जल बंटवारे को लेकर एक प्रैजेन्टेशन दिया था। तब कुछ अन्य निर्णय भी लिए गए थे, लेकिन तेलंगाना सरकार के मुकर जाने पर ये मुद्दे अब भी बने हुए हैं।

बी.आर.एस. के राज्यसभा सांसद केशव राव कांग्रेस में शामिल

नयी दिल्ली, 3 जुलाई (वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.) के राज्य सभा सांसद केशव राव बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गये। राज्यसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राव को अंग वस्त्र ओढ़ा कर पार्टी में शामिल किया। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल तथा पार्टी के प्रदेश प्रभारी दीपादास मुंशी भी मौजूद थीं।

- राज्यसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केशव राव को अंग वस्त्र ओढ़ा कर पार्टी में शामिल किया। राव तेलंगाना के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं। वे बी.आर.एस. से तीन बार राज्यसभा सदस्य बन चुके हैं।

खड़गे ने कहा कि राव का सार्वजनिक जीवन में काम करने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फास्टैग में बैलेंस के बाद भी दुगनी राशि वसूलने पर टोल कंपनी पर हर्जाना

जयपुर, 3 जुलाई (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, ने टोल प्लाजा पर लगी मशीन के फास्टैग रीड नहीं करने और दुगनी राशि नगद वसूलने को सेवा दोष माना है। इसके साथ ही आयोग ने अखैपुरा टोल प्लाजा पर 12 हजार रुपए हर्जाना लगाते हुए उसे निर्देश दिए हैं कि वह परिवादी से वसूले गए 90 रुपए भी लौटाए। आयोग के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर व सदस्य सीमा शर्मा ने यह आदेश मंजीत सिंह तंवर के परिवाद पर दिए। आयोग ने कहा कि फास्टैग होने के बाद भी यदि टोल कर्मचारियों की ओर से बहस कर यात्रा में देरी की जाती है तो इसे टोल प्लाजा की सेवाओं में कमी व लापरवाही माना जाएगा।

- जिला उपभोक्ता आयोग, ने टोल प्लाजा पर लगी मशीन के फास्टैग रीड नहीं करने और दुगनी राशि नगद वसूलने को सेवा दोष माना है।

मामले के अनुसार परिवादी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गाँधी महाराष्ट्र में पुणे से पंढरपुर तीर्थ यात्रा में भाग लेंगे

संसद में उनके पहले धुआंधार भाषण के बाद राहुल पर ''हिन्दू विरोधी'' होने का आरोप लगाया गया था, इस आरोप को धोने के लिए वे इस धार्मिक यात्रा में शामिल होंगे

- श्रीनंद झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 जुलाई। लोकसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर दिए गए अपने शुरुआती भाषण के बाद भाजपा द्वारा ''हिन्दू विरोधी'' बताए जाने पर पलटवार करते हुए राहुल ने एन.सी.पी. (एस.पी.) नेता शरद पवार का एक तीर्थयात्रा पर आने का आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। राहुल गांधी आगामी 13-14 जुलाई को पुणे से पंढ़रपुर की वार्षिक वारी तीर्थयात्रा में शरद पवार के साथ शामिल होंगे।

हाल ही सम्पन्न लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के थोड़ा-बहुत पुनर्जीवित होने के बाद इण्डिया गठबन्धन के स्टार प्रचारक के रूप में राहुल गांधी की छवि में इजाफा हुआ है और चार बार मुख्यमंत्री रह चुके पवार आशांवित हैं कि वार्षिक पंढ़रपुर तीर्थयात्रा में राहुल की भागीदारी महाराष्ट्र में हाल साल के अंत में होने जा रहे विधानसभा चुनावों में महाविकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) की संभावनाओं में वृद्धि होगी। लोकसभा चुनावों में एम.वी.ए. के महाराष्ट्र की कुल 48 में से 31 सीटें जीतने के बाद इण्डिया गठबंधन के सहयोगियों को अपना प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद है।

राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जिन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का भ्रमण किया था वहां चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- शरद पवार व इस बैल्ट से जीते एम.वी.ए. गठबंधन के सांसदों ने राहुल गाँधी से मिलकर उनको इस यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण दिया था।
- इस निमंत्रण से यह भी स्थापित हुआ कि, महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के नेता भी अब स्वीकार कर रहे हैं कि राहुल गाँधी इस गठबंधन के सबसे प्रभावी कैम्पेनर हैं।
- जैसा कि, विदित ही है, महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 31 पर एम.वी.ए. गठबंधन जीता है तथा इन सीटों में अधिकांश सीटें वो हैं जिन पर राहुल गाँधी ने सघन चुनाव अभियान चलाया था।

इण्डिया गठबंधन के वॉकआउट के बाद राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुई

वॉकआउट की विशेष बात यह थी कि नवीन पटनायक की पार्टी (बी.जे.डी.) के नौ राज्यसभा सदस्य भी विपक्ष के वॉकआउट में शामिल हुए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जुलाई। अठारहवीं लोकसभा के गठन का संसद का उद्घाटन सत्र बुधवार को कटुता के साथ खत्म हुआ और कांग्रेस के नेतृत्व में समूचे विपक्ष ने राज्यसभा से वॉकआउट किया क्योंकि नरेन्द्र मोदी के भाषण के बीच में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने की अनुमति नहीं दी गई।

राज्यसभा आज स्थगित कर दी गई जबकि लोकसभा कल ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री मोदी के जवाब के बाद।

दोनों सदनों के सत्र में जो कुछ भी कहा गया उससे यह तो स्पष्ट हो गया है कि मोदी सरकार ने विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक के साथ टकराव का रास्ता चुना है। उद्घाटन सत्र में उग्र व्यवहार और आक्रामकता देखी गई।

लगता है कि, मोदी सरकार ने विपक्ष के साथ तालमेल और सहयोग नीति को लगता है अलविदा कह दिया है। शानदार जनादेश से उत्साहित विपक्ष के पास अब इतना संख्याबल है कि सरकार के सामने जनता की समस्याओं को पुरजोर तरीके से उठा सकता है और अपनी बात सुनने के लिए मजबूर कर सकता है।

- इससे पहले बी.जे.डी. राज्यसभा में अपना समर्थन सदा भाजपा को ही देती आई थी, तथा कई अति महत्वपूर्ण विधेयक राज्यसभा में पारित ही बी.जे.डी. के समर्थन के कारण हुए।
- पहली बार बी.जे.डी. ने सरकार विरोधी गतिविधि में विपक्ष के साथ वॉकआउट में शामिल होकर अपनी बदली हुई भूमिका दिखाई।
- वॉकआउट का तत्कालिक कारण था, प्रधानमंत्री द्वारा कांग्रेस पर कटाक्ष कि ये लोग सदा ऑटो पायलट व रिमोट से सरकार चलाते आए हैं।
- मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री के आरोप व कटाक्ष पर अपना, कांग्रेस का पक्ष रखने के लिए बोलने की इजाज़त मांगी, पर उन्हें इजाज़त नहीं मिली तो, इसके विरोध में विपक्ष ने वॉकआउट का निर्णय लिया।

सोनिया गांधी पर प्रधानमंत्री के कटाक्ष के बाद विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन कर दिया। मोदी ने कहा कि लोग ऑटो पायलट व रिमोट पायलट पर सरकार चलाने के आदी हैं वे काम में यकीन नहीं करते हैं व सिर्फ यह जानते हैं कि कैसे इंतजार किया जाए इस पर सदन में भारी विरोध हुआ। खड़गे के नेतृत्व में विपक्ष के सांसदों ने हस्तक्षेप की अनुमति मांगी पर सभापति ने कहा, उनका आचरण अनुचित है।

विपक्ष के सदस्यों के वॉकआउट में बीजू जनता दल के सदस्य भी शामिल हुए।

बीजू जनता दल कभी भाजपा की सहयोगी पार्टी थी तथा राज्यसभा में कई विधेयकों को मंजूरी दिलाने में बीजू जनता दल ने भाजपा को समर्थन दिया था। पार्टी के सभी नौ सांसद मोदी के भाषण के दौरान विपक्ष के साथ वॉकआउट कर गए।

नवीन पटनायक की बीजू जनता दल जो राज्यसभा में विवादास्पद बिलों को पास करवाने में भाजपा की मददगार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालकृष्ण आडवानी फिर अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली, 3 जुलाई। भाजपा के सीनियर नेता नेता लालकृष्ण आडवानी को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में एडमिट कराया गया है। बुधवार देर शाम उन्हें मथुरा रोड स्थित अपोलो अस्पताल इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक लालकृष्ण आडवाणी को रात 9 बजे अपोलो अस्पताल में डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और वे निगरानी में हैं।

- आडवानी की दोबारा तबियत बिगड़ने के बाद दिल्ली के मथुरा रोड स्थित अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

इससे पहले 26 जून को भी तबीयत बिगड़ने पर लालकृष्ण आडवानी को देर रात एम्स में भर्ती कराया गया था। लालकृष्ण आडवाणी की मूत्रविज्ञान, हृदयरोग विज्ञान और जेरिएट्रिक मेडिसिन सहित विभिन्न

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

चरित्र के बिना ज्ञान बुराई की ताकत बन जाता है। जैसे कि दुनिया के कितने ही चालाक चोरों और भले मानुष बदमाशों के उदाहरण से स्पष्ट है।

–महात्मा गाँधी

ड्राइंग रुम तक पहुंच बनाती डिजिटल ड्रग्स

बहुत कम समय में ड्रांइंग रुम से बेड रुम और बच्चे से बुजुर्ग तक डिजिटल ड्रग्स ने अपनी पहुंच बना ली है। देखा जाए तो आज डिजिटल ड्रग्स यानी बिंज वाचिंग यानी साइकोसोमैटिक डिसआर्डर से कोई अछूता नहीं रहा है। दरअसल जिसके पास भी एंड्रोइड फोन है उनमें से माइनस प्वाइंट 1 प्रतिशत को अपवाद स्वरुप छोड़ दिया जाए तो बाकी कमोबेस इसके बुरी तरह से शिकार हो चुके हैं। कोई रील्स में व्यस्त है, तो कोई फेसबुक, एक्स या टेलीग्राम या इससे मिलते-जुलते किसी लत से ग्रस्त है तो कोई वीडियो गेम सहित तरह-तरह के गेमों या फिर यू ट्यूब की लत से ग्रस्त हो चुका है। ओटीटी प्लेटफार्म ने भी इसे विस्तारित किया है। सोशियल मीडिया से जुड कर इस लत से प्रभावित हो रहे हैं। देखा जाए तो अब तो एक कमरे में बैठे हुए परिजनों के बीच संवाद भी दूर की बात होती जा रही है। इसे एक नए तरह का नशा कहा जा सकता है। मजे की बात यह है कि यह नशा किसी दूसरे नशे से कमतर नहीं है। अपितु कुंठा, तनाव, त्रास, डिप्रेशन, अनिद्रा और ना जाने इसी तरह की कई प्रकार की मनोविकारों बीमारी से लोग ग्रसित हो रहे हैं। सभी लोगों के स्वभाव में अजीब तरह का बदलाव देखने को मिल रहा है।

नशे के इतिहास में इतने कम समय में घर-घर तक पंहुच बनाने वाला संभवत: यह पहला नशा है। केवल और केवल 21 साल में ही बिंज वाचिंग देश-दुनिया में घर-घर में अपनी जगह बना चुका है। यह नए जमाने का नए तरह का नशा है। ड्रग्स की भाषा में यह डिजिटल ड्रग्स है और मेडिकल की भाषा में कहा जाएं तो यह एक तरह की वो बीमारी है जिसे मनोचिकित्सक साइकोसोमैटिक डिसआर्डर कह कर पुकारने लगे हैं। सबसे मजे की बात यह है कि इसके किसी ना किसी रुप से क्या युवा-क्या बुजुर्ग और क्या पुरुष और क्या महिलाएं, यहां तक कि बच्चे तक इसकी जद में आते जा रहे हैं। यह नए जमाने का नशा कहें या जुनून, सीधे दिमाग पर असर डालता है। आम बोलचाल की भाषा में बात करें तो डिजिटल ड्रग्स या बिंज वाचिंग का सीधा-सीधा अर्थ है किसी सीरिज या इसी तरह के कार्यक्रम, गेम आदि को एक ही सीटिंग में पूरा करने की जिद या सीरियल या वेब सीरिज के उपलब्ध सारे एपिसोड देखने का जुनून है। यह एक प्रकार की लत है और ओटीटी प्लेटफार्म के आने के बाद इसका प्रभाव अधिक ही हो गया है। वेब सीरिज ने इसे और अधिक लोकप्रिय बना दिया है तो वीडियो गेम खासतौर से मोबाईल के गेम और इसी तरह के कार्यक्रम, सोशियल मीडिया जिसमें सेल्पी लेने की लत तो रील्स बनाने, फेसबुक, इंस्टाग्राम में अपलोड करने और उन पर आने वाले रिएक्सन्स को लेकर तनाव में रहना एक तरह से इसी श्रेणी में रखा जा सकता है।

ड्रग्स की भाषा में यह डिजिटल ड्रग्स है और मेडिकल की भाषा में कहा जाएं तो यह एक तरह की वो बीमारी है जिसे मनोचिकित्सक साइकोसोमैटिक डिसआर्डर कह कर पुकारने लगे हैं। सबसे मजे की बात यह है कि इसके किसी ना किसी रुप से क्या युवा-क्या बुजुर्ग और क्या पुरुष और क्या महिलाएं, यहां तक कि बच्चे तक इसकी जद में आते जा रहे हैं। यह नए जमाने का नशा कहें या जुनून, सीधे दिमाग पर असर डालता है।

बिंज वाचिंग शब्द पहली बार 2003 में चलन में आया, पर 2013 में यह अधिक लोकप्रिय हुआ। नेटफ्लेक्स व इसी तरह के ओटीटी आधारित प्लेटफार्म ने घर घर में इसे पहुंचा दिया और आज तो जिस तरह से वेब सीरिज का मार्केट उछल रहा है उसी तरह से वेब सीरिज के उपलब्ध एपिसोड को एक ही सीटिंग में देखने का नशा चढने लगा है। दूसरे नशों की तरह ही इस तरह की लत व्यक्ति के दिमाग पर सीधा असर करती है। इसके चलते व्यक्ति में एकाकीपन, चिडचिडापन, अनिद्रा, दैनिक व्यवहार में बदलाव यहां तक कि डिप्रेशन के हालात तक होने लगे हैं। जवाहर लाल नेहरु मेडिकल कॉलेज मायागंज अस्पताल के मनोरोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक भगत के अनुसार अब तो सप्ताह में सात से आठ नए मरीज आने लगे हैं। साइकोसोमैटिक डिसआर्डर के मरीजों की संख्या तेजी से बढने लगी है।

दरअसल वेबसीरिज का जिस तरह से प्रचार केंपेन चलता है उससे एक तो वेबसीरिज रीलिज होने की तिथि तक लंबी प्रतीक्षा चलती है और प्रोमोज देखकर लोगों में सस्पेंस बन जाता है और फिर सीरिज के रीलिज होते ही व्यक्ति सोचता है कि मैं तो अभी और इसी समय इसके उपलब्ध सभी एपिसोड को देखकर ही कोई दूसरा काम करुं। यह एक तरह का डिजिटल नशा हो जाता है। महिलाओं में जिस तरह से टीवी सीरियल्स के प्रति जिज्ञासा हो जाती है और फिर एक भी एपिसोड नहीं देख पाने पर समय मिलते ही उस एपिसोड को देखने लगती हैं वैसे ही वेबसीरिज की लत हो जाती है। दरअसल टीवी सीरियल्स हो या वेबसीरिज बात एक ही हो जाती है। वीडियो गेम्स व इसी तरह के अन्य प्लेटफार्मों पर भी सब कुछ भुलाकर टास्क पूरा करने में जुट जाते हैं। यह सब बींज वाचिंग की श्रेणी में ही आती है।

इसका सबसे बड़ा असर जहां व्यक्ति के स्वयं के स्वास्थ्य पर, आंखों पर, दिमाग पर पड़ता है वहीं इसका असर सामाजिक ताने-बाने पर भी देखा जा सकता है। बिंज वांचंग के शिकार लोगों में डिप्रेशन, एंजाइटी, मानसिक विकार, अनिद्रा, चिडचिडापन, बात बात पर आपा खोना आदि आम हो जाता है। मनोविकार तो होता ही होता है। मजे की बात यह है कि अपनी पंसद के कार्यक्रम, सीरिज या एपिसोड के चलते व्यक्ति सबकुछ भूल जाता है और उसे दीन दुनिया से उस समय तो कोई मतलब ही नहीं रहता। ऐसे में सौ टके का सवाल यही है कि नये जमाने के इस नए नशे से छुटकारा कैसे पाया जाएं? हांलाकि मनोविज्ञानी और मनोचिकित्सक अपने स्तर पर समाधान खोज रहे हैं और समाज विज्ञानियों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। बिंज वाचिंग या यों कहें कि डिजिटल ड्रग्स की समस्या को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। यह जिस तरह से व्यक्ति के दिलों-दिमाग को प्रभावित कर रही हैं वह अपने आप में गंभीर है। आज के बच्चे जिस तेजी से इसके शिकार हो रहे हैं वह और भी गंभीर और चिंतनीय हो जाती है। सामाजिक संबंध इससे प्रभावित हो रहे हैं तो सबसे अधिक चिंतनीय यह हो जाती है कि व्यक्ति इस कदर खो जाता है कि उसे दूसरा कुछ दिखता ही नहीं। ऐसे में समय रहते कोई समाधान खोजना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

जैसा तुम सोच रहे साथी, वैसे आबाद नहीं हैं हम

डॉ. रामावतार शर्मा

वर्तमान समय में भारत की आबादी में 10-11 करोड़ लोग 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के हैं। एक गणना के अनुसार सन् 2026 के बाद 60 वर्ष की उम्र के लोगों की संख्या 17-18 करोड़ के बीच हो जायेगी। एक हिसाब से तो देश के लिए यह एक गर्व की बात है क्योंकि हमारे यहां लोगों की उम्र में बढ़ोतरी हो रही है। यहां यह भी महत्वपूर्ण बात है कि इन साठ की उम्र के पार लोगों में अधिकतर लोग कुछ अपने घर पर आर्थिक सहयोग भी दे रहे होते हैं। प्रथम दृष्टि से देखेंगे तो लगेगा कि भारत में सब ठीक-ठाक है परंतु क्या वास्तव में सब कुछ ठीक है? हालांकि हमारे यहां बड़े रूप में मौलिक अनुसंधान की व्यापकता तो नहीं नजर आती पर फिर भी कुछ आंकड़े परेशान करने वाले हैं।

इन आंकड़ों के अनुसार देश में कोई 70 प्रतिशत बुजुर्गों के साथ परिजनों द्वारा सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जा रहा है। इस व्यवहार में अनदेखा करना, डांटना-डपटना, पर्याप्त भोजन न देना और कुछ मामलों में तो गाली-गलोच करना या शारीरिक यातना देना भी पाया गया है। अब यदि सामान्य समझ से देखा जाए तो वृद्धावस्था जीवन का सबसे बेहतर समय होना चाहिए। एक व्यक्ति ने जीवनपर्यंत काम किया, घर बसाया और अपनी संतानों को स्थापित किया। इस सब के बाद एक सुविधाजनक वृद्धावस्था की उम्मीद कोई बड़ी बात नहीं होनी चाहिए। परंतु क्या वास्तविकता में ऐसा होता है?

समाज पर एक सरसरी नजर बता सकती है कि आबादी के एक अच्छे खासे प्रतिशत लोगों की वृद्धावस्था काफी कठिन होती है और कुछ की तो नारकीय भी होती है। कहीं पर तो आर्थिक कारण होते हैं, कहीं सामाजिक और कुछ लोगों में सब सुविधाओं के बावजूद बड़ा कष्टदायक अकेलापन पाया जाता है। भारत में असहाय बुजुर्गों की कोई व्यवहारिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली नहीं है। सरकारी योजनाओं का उद्देश्य जीवन के आखिरी सालों को सार्थक बनाने की बजाय वोट खरीदना स्पष्ट नजर आता है। इतने विशाल और इतनी आबादी वाले देश में सरकार के लिए संभव भी नहीं है कि वह हर नागरिक तक पहुंच सके। बात व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर होनी चाहिए। सर्वप्रथम बात तो हर व्यक्ति को स्वयं की वृद्धावस्था के बारे में योजना बनाने की है।

एक बेहतर जीवन जीने के लिए आपको कोई न कोई कुशलता सीखनी होगी और जीवन की आवश्यकताओं को अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार ढालना होगा। आर्थिक स्वास्थ्य को सही बनाए रखने के लिए अर्थहीन सामाजिक रीति रिवाज को त्यागने की हिम्मत जुटानी होगी।

वस्तु के पीछे दौड़ने की बजाय 30-32 साल की उम्र से ही वृद्धावस्था की आवश्यकताओं के लिए म्यूचुअल फंड जैसी योजनाओं में नियमित राशि जमा करवानी होगी। जिंदगी में एक कड़वे सच को स्वीकार कीजिए कि आपका स्वास्थ्य और आपका धन ही आखिरी समय तक आपका साथ देते हैं, बाकी सब सहयोग संयोग से ही होते हैं। अपना रिटायरमेंट फंड किसी को भी मत दीजिए। ये एक कड़ा निर्णय है पर यदि आप सम्मान के साथ जीना चाहते हो ऐसा करना होगा। याद रखिए परजीवी सदा असुरक्षित ही अनुभव करता रहता है।

अपनी संतान पर भरोसा रखिए पर जीवन में बदलती परिस्थितियों को भी ध्यान में रखिए। वानप्रस्थ व्यवहार में लाना अब संभव नहीं है पर विचारों में तो लाइए। 60 वर्ष की उम्र प्राप्त करते ही अपने बच्चों के जीवन में हर वक्त अपने को थोपना बंद कर स्वयं अपना स्वतंत्र अस्तित्व बनाइए। जीवन का हर स्वरूप डिजिटल होता जा रहा है और साइबर ठग बुजुर्ग लोगों पर गिद्ध दृष्टि लगाए बैठे हैं तो उनसे सावधान रहिए। जीवन के इस पड़ाव पर मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। जीवन की आखिरी पारी यदि आनंद के साथ नहीं गुजरी तो पूरा जीवन व्यर्थ ही गया। सरकार की तरफ टकटकी लगा कर रखने से आपका जीवन नहीं सुधरने वाला है। अपनी प्राथमिकताएं आपको खुद निर्धारित करनी होंगी। 60 की उम्र पार करते ही कुछ नया कीजिए ताकि उम्र आधारिक मस्तिष्क रोगों से आजाद रहें। इन रोगों में पार्किनसन और अल्जाइमर विशेष होते हैं। शतरंज, कैरम, स्नूकर, सांप सीढी जैसे खेल खेलिए, बच्चों की मंडली का हिस्सा बनिए, कोई नई भाषा सीखिए। जीवन में जितना महत्वपूर्ण बचपन और जवानी है उतना ही वृद्धावस्था का भी महत्व है। जीवन आखिरी क्षण तक जीने के लिए सब मोह त्याग कर सिर्फ अपने पर ध्यान देकर अपने अनुभव को किसी न किसी माध्यम से बांटिए। इसी में जीवन की सार्थकता है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

विशेष आवश्यकता वाले सरकारी स्कूल के बच्चों को परिवहन भत्ता देगी सरकार

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने सभी संस्था प्रधानों को निर्देश जारी किए

श्रीगंगानगर, (निसं)। सरकारी स्कूलों में पढ़ाई करने वाले विशेष आवश्यकता वाले बच्चे, जो खुद चलकर स्कूल नहीं आ सकते और जिनको स्कूल तक लाने व ले जाने के लिए किसी व्यक्ति की जरूरत होती है, ऐसे छात्र-छात्राओं के अभिभावकों को शिक्षण सत्र 2024-25 में परिवहन भत्ता दिया जाएगा। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने सभी संस्था प्रधानों को इस बारे में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को हर तीन माह में परिवहन भत्ता दिया जाएगा, जो सीधे उनके बैंक खाते में जमा होगा।

एडीपीसी समसा के अनुसार पहली से 12वीं तक के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और उनके अभिभावकों को यह भत्ता स्वीकृत किया जाएगा। ऐसे विद्यार्थी जो डिसेबिलिटी एक्ट 2016 में निर्धारित 21 श्रेणियों में आते हैं, वे इस भत्ते को पाने के पात्र होंगे। उन 24 श्रेणियों में अस्थिदोष, दृष्टिदोष, श्रवण दोष, मानसिक विमंदित, सेरेब्रल पाल्सी तथा आटिज्म आदि शामिल हैं। इस

■ योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को हर तीन माह में परिवहन भत्ता दिया जाएगा

श्रेणी में आने वाले सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थी, जो 40 फीसदी या इससे ज्यादा दोष से प्रभावित हैं, उन्हें ये भत्ता स्वीकृत किया जाएगा। इसके लिए सक्षम चिकित्सा अधिकारी का दिव्यांगता प्रमाण पत्र होना जरूरी होगा। जिन विशेष आवश्यकता वाले छात्र-छात्राओं को सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग या अन्य किसी योजना से परिवहन भत्ते की राशि मिल रही है, उन्हें यह भत्ता नहीं मिलेगा। पात्र छात्र-छात्राओं को अधिकतम 450 रुपए प्रतिमाह से 10 माह के लिए तीन किश्तों में परिवहन भत्ता दिया जाएगा। पहली किश्त जुलाई माह में सितंबर तक की सीधे ही छात्र-छात्रा तथा उसके अभिभावक के संयुक्त बैंक खाते में जमा कराई जाएगी। इसी तरह अक्टूबर में दूसरी तथा जनवरी में तीसरी किश्त दी जाएगी, जो अप्रेल तक होगी। ये भुगतान विद्यार्थी की शाला में उपस्थिति के आधार पर देय होगा।

समग्र शिक्षा अभियान के अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक अरविंद्र सिंह ने बताया कि इस योजना में पात्र बच्चों के आवेदन पत्र संबंधित विद्यालय के संस्था प्रधान की ओर से भरवाए जाएंगे। पीइइओ व यूसीइइओ के माध्यम से इन आवेदन पत्रों को प्रमाणीकरण के बाद संबंधित ब्लॉक के सीबीईओ कार्यालय में जमा करवना होगा।

गंगनहर में पानी में उतार-चढ़ाव के चलते खरीफ की बुवाई प्रभावित

गंगनहर में पूरे पानी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन धरना जारी

श्रीगंगानगर, (निसं)। गंगनहर में सोमवार शाम को 239 और सिंचाई पानी कम होकर खखां हैड पर 1389 क्यूसेक पानी प्रवाहित किया जा रहा था, जबकि रविवार को खखां हैड पर 1628 क्यूसेक सिंचाई पानी प्रवाहित किया जा रहा था। पंजाब क्षेत्र में 45 आरडी बीकानेर कैनाल पर सुबह 529 क्यूसेक पानी कम होकर सुबह 1752 क्यूसेक प्रवाहित किया जा रहा था जबकि शाम को 550 क्यूसेक सिंचाई पानी बढकर॰ 2302 क्यूसेक हो गया। हालांकि रविवार को सुबह 2348 क्यूसेक सिंचाई पानी प्रवाहित किया रहा था जो शाम को घटकर 1956 क्यूसेक हो गया। गंगनहर का माह जून 2024 के लिए 2500 क्यूसेक शेयर निर्धारित किया हुआ था।

अधीक्षण अभियंता धीरज चावला ने बताया कि पंजाब में धान की बिजाई होने के कारण फिरोजपुर फीडर से निकलने वाली पंजाब की नहरों में पानी पूरा कर कमी को बीकानेर कैनाल में डाल देते हैं। इससे पानी की मात्रा घट जाती है। मुख्य अभियंता हनुमानगढ़ ने प्रमुख शासन सचिव जल संसाधन पंजाब चंडीगढ़ से गंगकैनाल क्षेत्र में सूख रही फसलों के बचाव के लिए पानी बढ़ाने का अनुरोध किया था। इसके सकारात्मक परिणाम आए और पानी की मात्रा 2169 क्यूसेक प्रवाह रहा। पंजाब भाग में स्थित बीकानेर कैनाल पर इस अवधि के दौरान काफी संख्या में अवैध पाइपें लगाकर पंजाब के किसानों की ओर से अपने खेतों में पानी का उपयोग करने के कारण गंगनहर प्रणाली में रेग्यूलेशन प्रभावित होता है। इसके लिए गश्ती दलों का गठन किया गया है। राजस्थान क्षेत्र में बीकानेर कैनाल में पूर्व में ही गश्ती दल बनाए हुए हैं।

धरना स्थल पर मौजूद किसानों ने बताया कि बारिश नहीं होने व नहरों की लगातार डबल, ट्रिपल बारियां सूखी जाने के कारण खरीफ फसलों की बुवाई पर गहरा संकट मंडरा रहा है। किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पानी पूरा नहीं हुआ तो 5 जुलाई को किसान जिला मुख्यालय को ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से घेरकर जाम कर देंगे। वहीं, गंगनहर में पानी कम होने की सूचना मिलने पर जीकेएस प्रदेश महासचिव संतवीर सिंह मोहनपुरा ने पंजाब पहुंचकर वहां के सिंचाई विभाग के अधिकारियों से वार्ता कर पानी बढ़ाने की मांग की। परियोजना अध्यक्ष हरविन्द्र सिंह गिल ने रेग्यूलेशन के कनिष्ठ अभियंता विनोद भैरवा के एचनहर का निरीक्षण किया।

जानकारी के अनुसार ग्रामीण किसान मजदूर समिति गंगनहर में पूरे पानी की मांग को लेकर जल संसाधन विभाग कार्यालय के सामने सांकेतिक रूप से अनिश्चितकालीन धरना दिया जा रहा है।

धरनास्थल पर उपस्थित ग्रामीण किसान मजदूर समिति के प्रदेशाध्यक्ष रणजीत सिंह राजू ने बताया कि गंगनहर में पानी का उतार-चढ़ाव जारी है। इससे वरीयता में चल रही बीबी नहर को बंद करना पड़ा। राजू ने बताया कि गंगनहर की सभी नहरों पर दो तीन बारियां खाली जा रही है जिससे ग्वार, मूंग की बिजाई प्रभावित हो रही है। आज धरना स्थल पर परियोजना अध्यक्ष गंगनहर हरविन्द्र सिंह गिल, जीकेएस प्रदेश सह संयोजक विक्रमजीत सिंह शेरगिल कई किसान उपस्थित रहे।

राशिफल गुरूवार 4 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 3:55 तक, गंड योग प्रात: 6:59 तक, वणिज करण प्रात: 5:55 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:58 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मेष, बुध-कर्क, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा प्रात: 5:55 से सांय 5:26 तक रहेगी। आज मास शिवरात्रि है। आज चतुरदशी तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:24 तक, चर 10:49 से 12:31 तक, लाभ-अमृत 12:31 से 3:56 तक, शुभ 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:20

मेष

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु

स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक तनाव दूर होने लगेगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृष

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन

आर्थिक/वित्तिय मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धन हानि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में परेशानी अभी यथावत बनी रहेगी।

कुंभ

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा है।

कर्क

आर्थिक मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

मीन

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सरकार की "हर घर नल से जल योजना" में खैरथल-तिजारा जिला राजस्थान में तीसरे स्थान पर

वहीं भिवाड़ी को सड़कों पर बहने वाले काले व प्रदूषित पानी से मिली निजात

खैरथल, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला के निरंतर प्रयासों के चलते खैरथल तिजारा जिले में सरकार की जल जीवन मिशन योजना के तहत हर घर नल से जल उपलब्ध कराने में खैरथल- तिजारा जिला राजस्थान में तीसरे स्थान पर आ गया है।

खैरथल-तिजारा जिले में सरकार की मंशा अनुसार जिला कलेक्टर डॉ.आर्तिका शुक्ला ने कुछ ही महीनों में जल जीवन मिशन के कार्यों की नियमित समीक्षा एवं मार्गदर्शन के चलते कार्य की प्रगति में पंख लग गए और जो जिला राजस्थान में जल 33 वें स्थान से 9 वें पायदान पर और 9 वें पायदान से तीसरे पायदान पर पहुंच गया है। अब जिला कलेक्टर और विभाग के प्रयास रहेंगे कि जिला पहले स्थान पर आये। कार्य की प्रगति को देखते हुए जिला कलेक्टर ने विभाग के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा कर बधाई दी है।

अधीक्षण अभियंता स्वास्थ्य एवं जलदाय विभाग धर्मेंद्र यादव ने बताया कि विभाग द्वारा दिए गए मासिक लक्ष्य को 77.44 प्रतिशत पूरा करते हुए खैरथल-तिजारा राजस्थान में तृतीय स्थान पर रहा। जिले में 130425 कनेक्शन में से अब तक 81095 कनेक्शन किए जा चुके है। इसी प्रकार दिसंबर तक जिले में शत प्रतिशत कनेक्शन किए जा चुके गांव की संख्या 45 थी जो की बढ कर 195 हो गई है। वर्तमान में जल जीवन मिशन के कार्य 90 प्रतिशत से 100 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुके गांव की संख्या 23,80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुके गांव की संख्या 29, 70 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुके गांव की संख्या 45, 50 प्रतिशत से 70 प्रतिशत तक कार्य पूर्ण हो चुके गांव की संख्या 36 एवं 50 प्रतिशत से कम कार्य पूर्ण हो चुके गांव की संख्या 75 है। यही नहीं काले और प्रदूषित सड़क पर बहने वाले पानी की समस्या से भिवाड़ी को निजात दिलाने में जिला कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला का निरंतर प्रयास बारिश में सड़कों पर काला व फैक्ट्री से निकलने वाला प्रदूषित पानी दिखाई नहीं दिया।

जिला कलेक्टर शुक्ला ने बताया कि पूरे प्रशासन ने एक दूसरे से समन्वय रखते हुए भिवाड़ी जल भराव से निपटने के लिए बनाए गए प्लान पर कार्य करने एवं औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों व आमजन के सहयोग से भिवाड़ी के काले पानी की समस्या से निपटने में सहयोग मिला है।

भिवाड़ी के ड्रेनेज सिस्टम की युद्ध स्तर पर सफाई कर ड्रेजिंग की गई जिससे कि नालों में औद्योगिक इकाइयों से निकले हुए प्रदूषित पानी के हुए जमाव को हटाया गया एवं औद्योगिक इकाइयों पर बीडा, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, रीको व राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा लगातार किए गए सर्वे एवं निगरानी का परिणाम है मानसून की बारिश में प्रदूषित पानी देखने को नहीं मिला है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि सभी विभागों के अधिकारी औद्योगिक इकाइयों से निकले हुए प्रदूषित पानी को ड्रेनेज में मिलने से रोकने के साथ-साथ बारिश के पानी को सड़कों पर ना बहने देने व हरियाणा द्वारा लगाए रैंप के चलते अलवर भिवाड़ी बाईपास पर इकट्ठा वर्षा जल को निकालने को लेकर किए गए प्लान पर कार्य कर भरे हुए पानी को जल्द से जल्द पंपसेट के माध्यम से निकाल रास्ते को सुचारु रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। भिवाड़ी की जल भराव की समस्या के स्थाई निवारण के लिए विभागों द्वारा प्लान तैयार कर राज्य स्तर पर भेजा गया है।

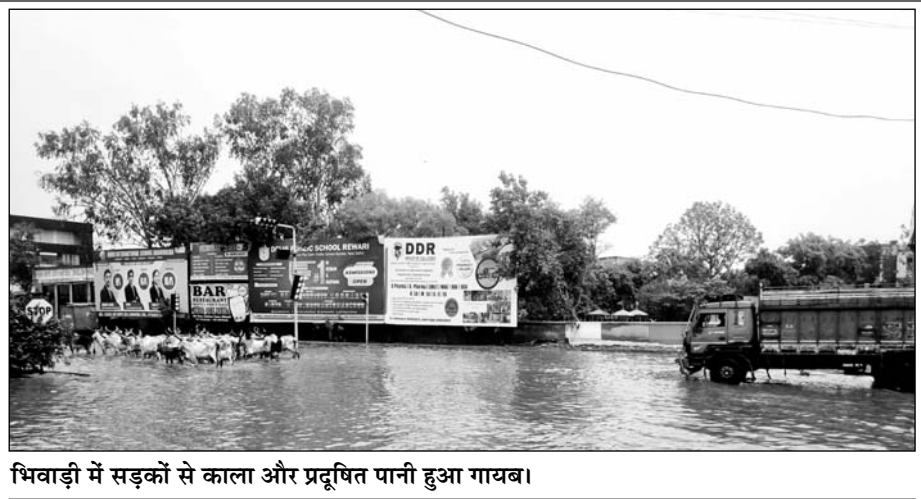

भिवाड़ी में सड़कों से काला और प्रदूषित पानी हुआ गायब।

■ कार्य की प्रगति को देखते हुए जिला कलेक्टर ने विभाग के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा कर बधाई दी है

विधायक व्यास होंगे प्रबंध मंडल सदस्य

बीकानेर, 3 जुलाई। बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल का सदस्य नियुक्त करने संबंधी आदेश जारी किए गए हैं।

तकनीकी शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव डॉ. हरि शंकर मेवाड़ा ने यह आदेश जारी किए हैं। बोम सदस्य के रूप में विधायक व्यास का कार्यकाल मनोनयन तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिए होगा। आदेश के अनुसार बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय अधिनियम 2017 की धारा 22 की उपधारा के तहत यह मनोनयन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी के निर्देश अनुसार विधानसभा सचिवालय ने गत 15 मार्च को प्रदेश के 12 विश्वविद्यालयों के लिए प्रबंध मंडल, सीनेट और कार्य परिषद में विभिन्न विधायकों की नियुक्ति की थी। इसमें व्यास को बीटीयू का प्रबंध मंडल सदस्य बनाया गया था। जिसके आदेश अब जारी हो गए हैं।

विधायक व्यास ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रबंध मंडल सदस्य के रूप में बेहतर कार्य करने के प्रयास किए जाएंगे। वहीं विश्वविद्यालय हित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता से राज्य सरकार तक पहुंचाया जाएगा।

प्रत्येक सी.एच.सी. पर मिले एक्स-रे की सुविधा : जिला कलेक्टर

बीकानेर, 3 जुलाई। जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एक्स रे जांच सुविधा सुनिश्चित रूप से मिले, जहां मशीन नहीं है वहां उपलब्ध करवाई जाए

- **जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में सुदृढ़ व उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर हुआ मंथन**

और जहां रेडियोग्राफर नहीं है यूटीबी आधार पर भर्ती करें। यह कहना था जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि का, वे बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि हर अस्पताल की मेडिकल रिलीफ सोसायटी की बैठक प्रति माह सुनिश्चित हो और अस्पताल को आवश्यक साधन और मानव संसाधन का उपलब्ध फंड से प्रबंधन करते हुए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं आमजन को उपलब्ध करवाई जाए। टीकाकरण सेवा सुदृढ़ करने हेतु बीकानेर शहरी स्तर पर मॉडल टीकाकरण केंद्र स्थापित करने पर चर्चा हुई। इस दौरान जिला कलेक्टर ने

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने ली।

पीबीएम अस्पताल परिसर में ही स्वास्थ्य विभाग को स्थान उपलब्ध करवाने के निर्देश डॉ गौरी शंकर जोशी को दिए। उन्होंने कायाकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त स्वास्थ्य केंद्रों का प्रथम मूल्यांकन अगली बैठक तक पूर्ण करवाने के निर्देश दिए तथा स्पष्ट किया कि जिस ब्लॉक सीएमओ के क्षेत्र में शत प्रतिशत से कम उपलब्धि होगी वे सख्त कार्यवाही के लिए तैयार रहें। जिला कलेक्टर ने बारिश के मौसम को देखते हुए डेंगू मलेरिया रोकथाम के लिए युद्ध स्तर पर एंटी लारवा, एंटी एडल्ट व जन जागरण गतिविधियां करने के निर्देश दिए। बेटी बचाओ अभियान के अंतर्गत मिसिंग डिलीवरी की पड़ताल करने तथा मुखबिर योजना का आधिकाधिक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने नॉन कोल्ड चेन पॉइंट वाले डिलीवरी प्वाइंट पर टीकाकरण सुविधा हेतु रेफ्रिजरेटर जिला प्रशासन स्तर से उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना की समीक्षा के दौरान सीईओ जिला परिषद सोहनलाल ने पीएमजय ई केवाईसी तथा आयुष्मान कार्ड वितरण में आ रही समस्याओं को जल्द निपटाते हुए शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना तथा राजश्री योजना के भुगतानों को समय पर निपटाने के लिए पीबीएम अस्पताल व स्वास्थ्य विभाग को बेहतर समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश कुमार गुप्ता ने प्रसव, टीकाकरण, एएनसी सेवाओं तथा फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति प्रस्तुत कर बिंदुवार समीक्षा की। डिप्टी सीएमएचओ परिवार कल्याण डॉ योगेंद्र तनेजा द्वारा स्टॉप डायरिया अभियान, परिवार कल्याण पखवाड़ा, एनीमिया मुक्त बीकानेर, कायाकल्प तथा परिवार कल्याण सेवाओं पर चर्चा की गई। जिला क्षय रोग निवारण अधिकारी डॉ चंद्रशेखर मोदी ने निःशुल्क जांच योजना तथा टीबी मुक्त पंचायत कार्यक्रम की प्रगति व लक्ष्यों के बारे में बताया। डिप्टी सीएमएचओ स्वास्थ्य डॉ लोकेश गुप्ता ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना तथा एपिडेमियो लॉजिस्ट नीलम प्रताप सिंह राठौड़ ने मौसमी बीमारियों के नियंत्रण की कायर्योजना प्रस्तुत की। इस अवसर पर डॉ नवल किशोर गुप्ता, जिला अस्पताल अधीक्षक डॉ सुनील हर्ष, समस्त ब्लॉक सीएमओ, बीपीओ सहित जिला व खंड स्तरीय अधिकारी तथा विभिन्न अस्पतालों के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी मौजूद रहे।

सार-समाचार

ग्राम पंचायतों में होगी जनसुनवाई

हनुमानगढ़, 3 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश में आमजन को त्वरित राहत प्रदान करने के लिए जनसुनवाई को सवोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं, ताकि समस्याओं का प्रभावी व समयबद्ध समाधान हो सके और राहत मिले। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं/समस्याओं की सुनवाई एवं समाधान के लिए त्रिस्तरीय जनसुनवाई व्यवस्था की गई है। इसी दिशा में अब जिले में जुलाई के प्रथम गुरुवार (4 जुलाई) को समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई होगी। इनमें मुख्य सचिव व राज्य सरकार के उच्च स्तरीय अधिकारी वीसी से जुड़ेंगे। वहीं, माह के द्वितीय गुरुवार (11 जुलाई) को समस्त उपखंडों में उपखंड स्तरीय जनसुनवाई की जाएगी। अतिरिक्त जिला कलेक्टर उम्मेदी लाल मीना ने सभी उपखंड और विकास अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए है। इसमें जनसुनवाई को लेकर क्षेत्र में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। प्राप्त प्रकरणों पर आवेदकों को रसीद दी जाए। साथ ही, प्रकरणों को राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर तीन दिन में दर्ज कराकर गुणवत्तापूर्वक निस्तारित कराएं।

कर्मचारियों के अवकाश रद्द

बीकानेर, 3 जुलाई। राजस्थान विधानसभा के सत्र के चलते शिक्षा विभाग के तमाम अधिकारियों और कर्मचारियों का अवकाश रद्द कर दिया गया है। ऐसे में अगर किसी अधिकारी या कर्मचारी ने पूर्व में अवकाश स्वीकृत करा रखा है तो उसे भी निरस्त कर दिया गया है। ब्लॉक लेवल से शिक्षा निदेशालय तक के सभी अधिकारियों को हर हाल में उपस्थित रहने के आदेश दिए गए हैं। दरअसल, विधानसभा के चलते कभी भी कोई सवाल आ सकता है, जिसका जवाब देने के लिए अधिकारियों को पाबंद किया जाता है। ब्लॉक ऑफिस से लेकर शिक्षा निदेशालय तक के सवाल विधायक पूछते हैं, जिनका त्वरित जवाब देने के लिए ऑफिस भी खुले रहेंगे। जिला व निदेशालय स्तर पर विधानसभा के लिए कंट्रोल रूम भी बनाए गए हैं ताकि सवालों का जवाब तुरंत मिल सके। ऑफिस समय के बाद भी नियंत्रण कक्ष आमतौर पर खुले रहते हैं। अगर किसी शिक्षा अधिकारी ने पूर्व में अवकाश स्वीकृत करा रखा है तो उसे भी निरस्त कर दिया गया है। ऐसे में हर हाल में सभी अधिकारी व कर्मचारी ऑफिस में रहेंगे।

छात्रावास के लिए आवेदन आमंत्रित

बीकानेर, 3 जुलाई। राजकीय अल्पसंख्यक बालक छात्रावास खाजूवाला एवं बीकानेर में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी राजेश कुमार कालवा ने बताया कि ऐसे अल्पसंख्यक छात्र जो कक्षा 9 से उच्चतर कक्षाओं, पाठ्यक्रमों एवं कोचिंग संस्थानों में अध्यनरत हैं, वे अल्पसंख्यक बालक छात्रावास के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन संबंधी विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन पत्र मय वांछित दस्तावेज जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में डाक द्वारा, ई–मेल आईडी अथवा व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जमा करवा सकते हैं।

दवा योजना में पहले स्थान पर बीकानेर

बीकानेर। मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना के क्रियान्वयन में बीकानेर जिला लगातार 26 महीनो से पूरे राज्य में पहले स्थान पर बना हुआ है। इसके लिए जिला कलेक्टर ने योजना प्रभारी डॉ. नवल किशोर गुप्ता व चिकित्सा अधिकारियों को बधाई दी। जिला स्तर पर प्रथम स्थान पर रहने पर जिला टीबी क्लिनिक प्रभारी डॉ सीएस मोदी को, दूसरे स्थान पर यूपीएचसी फोर्ट के लिए डॉ रेखा रस्तोगी को तथा तीसरे स्थान के लिए सीएचसी नापासर के डॉ दीपक मीणा को शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

ई-गवर्नेन्स सोसायटी की बैठक 15 को

बीकानेर, 3 जुलाई। जिला ई–गर्वनेन्स सोसायटी की बैठक जिला कलेक्टर एवं सोसायटी अध्यक्ष नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में 15 जुलाई को दोपहर 12:30 बजे कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जाएगी। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग संयुक्त निदेशक सत्येंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बैठक में जिला ई–गवर्नेस सोसायटी की वार्षिक आय–व्यय रिपोर्ट एवं विभिन्न ई–गवर्नेस परियोजनाओं के प्रभावी संचालन के संबंध में चर्चा की जाएगी।

आधार केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया

श्रीगंगानगर, 3 जुलाई। जिले में आधार संचालकों द्वारा फर्जी दस्तावेज/गलत बायोमैट्रिक/निर्धारित शुल्क से अधिक राशि वसूलना आदि बरती जा रही अनियमितताओं की रोकथाम एवं शिकायत विषयों की जांच के लिए जिला कलक्टर लोकबंधु द्वारा औचक निरीक्षण के निर्देश प्रदान किये गये थे। इसकी पालना में 25 जून से 28 जून के दौरान समस्त उपखण्ड के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग श्रीगंगानगर के अधीन कार्यरत आधार नामांकन केन्द्रों का औचक निरीक्षण प्रशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की टीम द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

विभाग की संयुक्त निदेशक रूचि गोयल बताया कि टीम द्वारा कुल 37 आधार केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान लगभग सभी आधार सुविधा केन्द्रों पर यूआईडीएआई द्वारा जारी गाइडलाइन के अनूरूप ही कार्य किया जा रहा था। केसरीसिंहपुर में संचालित बाल आधार नामांकन केन्द्र आधार पर रेट लिस्ट बाहर सदृश्य स्थान पर नहीं लगी हुई थी। टीम द्वारा समस्त आधार सुविधा केन्द्रों को आमजन की सुविधा हेतु टोकन व्यवस्था अनुसार कार्य करने, पानी एवं बैठने की पर्याप्त व्यवस्थायें करवाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने बताया कि आधार कार्य हेतु निर्धारित दरों में सभी आयु वर्ग का नवीन आधार नामांकन निःशुल्क, 5 से 7 व 15 से 17 आयु वर्ग के बच्चों का अनिवार्य बायोमैट्रिक अद्यतन निःशुल्क, 7 से 14 व 17 से अधिक आयु वर्ग के बच्चों का अनिवार्य बायोमैट्रिक अद्यतन के 100 रूपये, आधार में नाम, पता, लिंग, जन्म दिनांक, मोबाइल न. एवं ईमेल आईडी अद्यतन के 50 रूपये, आधार में फोटो, अंगुलियों के निशान व आंखो की पुतली अद्यतन के 100 रूपये है।

युवा कविता कार्यक्रम 7 को

बीकानेर। सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट बीकानेर के तत्वावधान 7 जुलाई को युवा कवियों के लिए समकालीन राजस्थानी युवा कविता के स्वर कार्यक्रम आयोजित होगा। सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट के सचिव कवि–कथाकार राजेन्द्र जोशी एवं कार्यक्रम प्रभारी राजाराम स्वर्णकार ने बताया कि पहलीबार नगर में राजस्थानी युवा कवि सम्मेलन युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से युवा कवियों की प्रस्तुति रखी गई है।

जोशी एवं स्वर्णकार ने बताया कि इस कार्यक्रम में लगभग तीन से चार युवा कवि प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि प्रत्येक युवा कवि के लिए पन्द्रह मिनट का समय निर्धारित किया गया है और यह कार्यक्रम प्रत्येक माह के पहले रविवार को राजकीय संग्रहालय परिसर स्थित सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट के सभागार में सुबह सवा दस बजे आयोजित होगा।

दीक्षार्थी बहन मीनाक्षी सामसुखा का किया अभिनंदन

बीकानेर। तेरापंथ महिला मंडल गंगाशहर के द्वारा दीक्षार्थी बहन मीनाक्षी सामसुखा के अभिनंदन में बरनोला व भजन का कार्यक्रम महिला मंडल भवन में आयोजित किया गया । साध्वी चरितार्थ प्रभा ने मंगलपाथेय प्रदान करते हुए संयम पथ पर बढ़ने के लिए प्रेरित किया और साध्वी श्री प्रांजल प्रभा जी ने चौमासा में जप ,तपस्या आदि आध्यात्मिक प्रवृतियां करते हुए कर्म निर्जरा कर आत्मा को निर्मल बनाने की प्रेरणा दी।

अध्यक्षा संजू लालाणी ने बताया कि सभी बहनों ने आगामी 19 तारीख को दीक्षार्थी बहन के दीक्षा दिवस पर यथा संभव त्याग जैसे माला, नवकारसी, पोरसी, उपवास, स्वाध्याय , मौन आदि त्याग मय भेंट दीक्षार्थी बहिन को समर्पित किए। दीक्षार्थी बहन मीनाक्षी सामसुखा ने कम से कम परिग्रह रखते

दीक्षार्थी बहन मीनाक्षी सामसुखा का अभिनंदन किया।

हुए सभी को संयमित जीवन शैली अपनाने की प्रेरणा दी । उन्होंने बताया संयम ही जीवन का सबसे कीमती आभूषण है,इस आभूषण के आगे सभी भौतिक आभूषणों की कीमत शून्य है । उन्होंने बहनों को यथाशक्य त्याग भी करवाएं। मंत्री मीनाक्षी आंचलिया ने बताया कुल 40 बहिनों की उपस्थिति में भजनों व आध्यात्मिक गेम्स द्वारा सुंदर कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

'डेंगू रोकथाम माह', 31 तक

श्रीगंगानगर। मौसमी बीमारियों और डेंगू रोकथाम को लेकर जिले में 'डेंगू रोकथाम अभियान' शुरू किया गया है। एक जुलाई से शुरू हुआ यह अभियान 31 जुलाई तक चलेगा ताकि डेंगू फैलने से रोका जा सके। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि राज्यस्तरीय निर्देशानुसार जिले में एक जुलाई से डेंगू रोकथाम माह मनाया जा रहा है। इस दौरान मानसून एवं प्री मानसून में फैलने वाले डेंगू को रोकथाम के लिए व्यापक गतिविधियां की जाएंगी। इसके लिए सामान्य जन को जागरूक करने के साथ ही बच्चों को स्कूलों में जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही अन्य विभागों के साथ समन्वय कर डेंगू रोकथाम के हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए सभी खंड को पाबंद किया गया है।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट 31 तक लगवाएं

श्रीगंगानगर । पुराने वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट अनिवार्यता को वाहन मालिक गंभीरता से नहीं ले रहे। एचएसआरपी लगवाने के लिए 30 जून अंतिम तिथि निर्धारित थी,लेकिन अब तक जिले में हजारों वाहन बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) के दौड़ रहे हैं। इसी बीच सरकार ने नबर प्लेट बदलवाने की तारीख एक माह बढ़ाकर 31 जुलाई कर दी है। राज्य सरकार की ओर से एक अप्रेल 2019 से पूर्व पंजीकृत वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू हुई थी, जिसके तहत वाहन मालिक को अपने पुराने वाहनों पर एचएसआरपी लगवाने के लिए परिवहन विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना था। श्रीगंगानगर जिले में पुराने वाहनों पर एचएसआरपी लगवाने की प्रक्रिया काफी धीमी रही। ज्यादातर लोगों ने अपने वाहनों पर एचएसआरपी लगवाने में रुचि नहीं ली। श्रीगंगानगर जिले में अब तक 50 हजार वाहनों पर एचएसआरपी लगवाई गई है।

परिवहन विभाग के अनुसार 15 साल से अधिक पुराने वाहनों का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रिन्यू कराना होगा। इसके लिए वे विभाग की वेबसाइट पर जाकर या कार्यालय में उपिस्थत होकर आवेदन कर सकते हैं। 15 साल पुराने वाहन का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रिन्यू नहीं होने पर चलता पाए जाने पर सीज व जुर्माने की कार्रवाई होगी। साथ ही इस अवधि के बाद प्रतिमाह सौ रुपए जुर्माना लगाया जाएगा।

जिले में कई वाहनों पर मनमर्जी की स्टाइलिश नंबर प्लेट लगी हुई है। काफी वाहन मालिकों ने अपने वाहनों पर इस तरह से नंबर लिखवाए हैं,जो आसानी से पढन॰ में ही नहीं आते। कई लोगों ने अपने वाहनों पर फर्जी हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाई हुई है।

आज झमाझम होने की संभावना

बीकानेर। लम्बे समय से उमस वाली गर्मी का दंश झेल रहे बीकाणा के लोगों का इंतजार अब खत्म होने को है। आज यानी बुधवार को बीकानेर में मानसून के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि उसको बरसने में कुछ घंटे जरूर लग सकते है। सूत्रों के मुताबिक गुरुवार को बीकानेर में बरसात होने की संभावना है।

बुधवार यानी आज बीकाणा के आसमां में बादल जरूर नजर आएंगे, किंतु इनके बरसने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। मौसम विभाग का भी मानना है कि इस बार बीकानेर में मानसून समय पर आ रहा है और अच्छी बारिश रहने की भी उम्मीद है। अगर बरसात समय पर हो जाती है, तो दो माह से बुरी तरह तप रहे लोगों को राहत मिलेगी।

डकैती के आरोपी रिमांड पर

हनुमानगढ़ । डबलीराठान में दुकानदार पर हमला कर डकैती मामले में सदर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को सोमवार को कोर्ट में पेश कर उनका रिमांड मंजूर कराया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी जसविन्द्र सिंह (20) पुत्र वीरसिंह बावरी निवासी वार्ड 22 डबली राठान मोलवीबास तथा सुखवीर सिंह (19) पुत्र दर्शनसिंह बावरी निवासी वार्ड 21 डबलीराठान मोलवीबास का रिमांड मंजूर करवा कर उनसे पूछताछ की जा रही है। वारदात में संलिप्त अन्य लोगों की जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में 28 जून को सदर थाने में नरेश

- **स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक में जिला कलक्टर ने दिए निर्देश**

कुमार पुत्र रौनकराम अरोड़ा निवासी वार्ड 12 डबलीबास मौलवी ने सदर थाने में मामला दर्ज कराया था। उसने रिपोर्ट दी थी कि उसके भाई टेकचन्द की अरोडवंश धर्मशाला डबलीराठान के सामने छाबड़ा वैरायटी स्टोर के नाम से दुकान है। उसका भाई 27 जून की रात करीब 11 बजे अपनी दुकान बंद कर बिक्री राशि 30,500 रुपए साथ लेकर घर के लिए रवाना हुआ। रास्ते में दो–तीन अज्ञात लोगों ने लूटपाट करने के इरादे से टेकचंद पर लाठियों व धारधार हथियारों से अचानक हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर घायल हो गया।

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 31 तक

बीकानेर । शैक्षणिक सत्र 2023–24 के लिए उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों द्वारा पेपरलेस ऑनलाइन आवेदन पत्र पंजीकरण करए आवेदन पत्र भरने तथा शिक्षण संस्थाओं द्वारा नवीन पंजीयन या पूर्व पंजीकृत की मान्यता एवं पाठ्यक्रमवार फीस स्ट्रक्चर अपडेट करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एलडी पंवार ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2023–24 में राजस्थान के मूल निवासियों के लिए अनुसूचित जातिए अनुसूचित जनजातिए विशेष समूह योजना पूर्व में विशेष पिछड़ा वर्ग अन्य पिछडा वर्ग आर्थिक पिछडा वर्ग विमुक्त घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं में राज्य की राजकीय एवं निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं की वेबसाईट अथवा एसएसओ पोर्टल पर अथवा मोबाईल के माध्यम से अब 31 जुलाई तक ऑनलाईन आवेदन किया जा सकता है।

'नशा मुक्त गंगानगर अभियान में सभी विभाग भागीदारी निभाएं'

श्रीगंगानगर, 3 जुलाई। जिला कलक्टर श्री लोक बंधु ने बुधवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में विभागीय अधिकारियों से अब तक हुई प्रगति की जानकारी लेते हुए जिला कलक्टर ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से नशा मुक्त गंगानगर के लिए जिले में शुरू किए गए ऑपरेशन सीमा की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि इस अभियान में सभी विभाग अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। जो दायित्व उन्हें अभियान के तहत सौंपे गए हैं, उसके तहत नियमित गतिविधियां की जाए और विभागीय अधिकारी अपने स्तर पर मॉनिटरिंग भी करें।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से शारीरिक शिक्षकों को काउंसलिंग के लिए प्रशिक्षित करने के साथ–साथ छात्रवृत्ति प्रकरणों का विभाग द्वारा समयबद्ध रूप से निस्तारण किया जाए। सामाजिक सुरक्षा पेंशन के भौतिक सत्यापन में एसडीएम और बीडीओ से समन्वय कर कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि जिले में ''मिशन सम्बल'' अभियान का शत–प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से कोई भी पात्र वंचित नहीं रहना चाहिए।

- **स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक में जिला कलक्टर ने दिए निर्देश**

उन्होंने उपखंड स्तर पर नुक्कड़ नाटक मंचन के लिए टीमें गठित करने के निर्देश देते हुए कहा कि कलाकारों के माध्यम से आमजन को जागरूक करने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जाएं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक श्री विक्रम सिंह ने विभाग योजनाओं की प्रगति से अवगत करवाया

बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने टीकाकरण और एएनसी के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत राज्य सरकार से प्राप्त निर्देशों की पालना में कार्यवाही की जाए। मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए जिला कलक्टर ने कहा कि जिले के समस्त क्षेत्रों में एंटी लार्वा गतिविधियों की नियमित समीक्षा करते हुए फॉगिंग करवाई जाए। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने जिला कलक्टर को स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की प्रगति से अवगत करवाया।

नीति आयोग का संपूर्णता अभियान आज से: कोलायत में होगा उपखंड स्तरीय समारोह

तैयारियों को बुधवार को अंतिम रूप दिया

कोलायत, 3 जुलाई। छह सूचकांकों में शत–प्रतिशत लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए नीति आयोग द्वारा संपूर्णता अभियान चलाया जाएगा।

इसकी शुरूआत गुरुवार को कोलायत में आयोजित उपखंड स्तरीय समारोह से होगी। प्रातः 10 बजे कोलायत के तहसील कार्यालय प्रांगण में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के लिए केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और कोलायत विधायक अंशुमानसिंह भाटी को आमंत्रित किया गया है।

वहीं जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि, नीति आयोग के उप सलाहकार मनोज कुमार उपाध्याय सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी इस दौरान मौजूद रहेंगे। इसकी तैयारियों को बुधवार को अंतिम रूप दिया गया।

उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि अभियान के प्रथम चरण में चुने गए छह सूचकांक पहली तिमाही के दौरान प्रसव पूर्व देखभाल के लिए पंजीकृत गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत, लक्षित जनसंख्या के विरूद्ध उच्च रक्तचाप

नीति आयोग का संपूर्णता अभियान के कोलायत में ड स्तरीय समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

एवं मधुमेह के लिए जांच किए गए व्यक्तियों का प्रतिशत, आईसीडीएस कार्यक्रम के तहत नियमित रूप से पोषण ले रही गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत, मृदा नमूना संग्रह लक्ष्य के विरूद्ध सृजित मृदा स्वास्थ्य कार्डों का प्रतिशत एवं ब्लॉक में कुल एसएचजी का प्रतिशत आदि सम्मिलित हैं। कोलायत एसडीएम राजेन्द्र कुमार ने बताया कि अभियान 30 सितम्बर तक चलेगा। बुधवार को विकास अधिकारी वीरपाल सिंह, आकांक्षी ब्लॉक फेलो योगिता व्यास आदि ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया।

परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल ने बताया कि मुख्य आयोजना अधिकारी धर्मपाल सिंह खींचड़ से इसके समन्वयक होंगे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर टेंट, स्टेज, माइक, बैठक, पेयजल, साफ–सफाई, नीति आयोग से प्राप्त सामग्री के अनुसार आईईसी, जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्धजनों को आमंत्रित करने, विभिन्न विभागों की प्रदर्शनियां लगाने सहित विभिन्न कार्यों के लिए अधिकारियों को अधिकृत किया है।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

क्रमांक :- LU2012/SGN/2024-25/101061 — **लोक सूचना** — दिनांक : 02.07.2024

श्री मुरली मनोहर पुत्र श्री बृज लाल निवासी 3-बी-14, जवाहर नगर, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का औद्योगिक (कृषि आधारित) प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र.सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 10 जैड तहसील व जिला श्रीगंगानगर	श्री मुरली मनोहर पुत्र श्री बृज लाल	चक 10 जैड मुरब्बा नं. 12 के किला नं. 5/2 में 0.1570 है. में से 0.038 है. किला नं. 6 में 0.253 है. में से 0.113 है. किला नं. 7 में 0.253 है. में से 0.069 है. किला नं. 14 में 0.253 है. किला नं. 15/2 में 0.024 है. किला नं. 17 में 0.253 है. यथाकुल 0.750 है.	कुल 0.750 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 02.07.2024 को जारी की गयी।

- प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

क्रमांक :- LU2012/SGN/2024-25/101060 — **लोक सूचना** — दिनांक : 28.06.2024

श्री अशोक गुप्ता पुत्र श्री मुरली मनोहर निवासी 3-बी-14, जवाहर नगर, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का औद्योगिक (कृषि आधारित) प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र.सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 10 जैड तहसील व जिला श्रीगंगानगर	श्री अशोक गुप्ता पुत्र श्री मुरली मनोहर	चक 10 जैड मुरब्बा नं. 10 के किला नं. 25 में 0.1770 है. में से 0.045 है. कुल 0.045 है. एवं मुरब्बा नं. 12 के किला नं. 5/1 में 0.0960 है. में से 0.025 है. कुल 0.025 है. यथाकुल 0.070 हैक्टेयर	कुल 0.070 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 28.06.2024 को जारी की गयी।

- प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगरपालिका मंडल पीलीबंगा

क्रमांक-3976-78

लोक सूचना

श्री महेन्द्र कुमार पुत्र श्री बीरबल सिंह, जाति जाट निवासी अमरपुरा राठान हाल वार्ड नम्बर 02 लखुवाली मंडी पीलीबंगा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् -

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्र
हनुमानगढ़/ पीलीबंगा	चक 13 पीबीएन पीलीबंगा	चक 13 पीबीएन के खाता संख्या 85/73 पत्थर नम्बर 31/313, मुरब्बा नं. 45 किला नंबर 1 ता 3, 8/1, 8/2, 9 ता 14, 16 ता 25 कुल आराजी 5.060 हैक्टयर यानि 50604 वर्गमीटर	5.060 हैक्टयर यानि 50604 वर्गमीटर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय [illegible]

- प्राधिकृत अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका मंडल पीलीबंगा

सड़क हादसे में बालिका सहित तीन लोगों की मौत, 13 जने घायल

हादसे का शिकार हुए मैजिक टेंपो में सवार लोग यूपी के हापुड और मुरादाबाद के निवासी थे, जो खाटूश्याम के दर्शन कर वापस अपने घर जा रहे थे

दौसा, (निसं)। जिले से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग जयपुर-आगरा रोड पर बीती रात करीब 12.30 बजे के करीब एक भीषण सड़क हादसे में एक बालिका सहित तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं वाहन सवार 13 लोग गंभीर घायल हो गए, जिनका जिला अस्पताल दौसा और जयपुर में इलाज जारी है।

पुलिस के अनुसार हादसे का शिकार हुए मैजिक टेंपो में सवार लोग यूपी के हापुड और मुरादाबाद के निवासी थे, जो खाटूश्याम के दर्शन कर वापस अपने घर जा रहे थे। मैजिक टेंपो में सवार हिमांशु ने बताया कि खाटूश्याम के दर्शन कर वो लोग वापस यूपी जा रहे थे। इस दौरान दौसा से आगे निकलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग जयपुर आगरा रोड पर स्थित गिर्राज धरण मंदिर के समीप आगे चल रहे कैंटर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। ऐसे में कैंटर को बचाने के चक्कर में उन्होंने उनका वाहन धीरे कर लिया लेकिन तभी पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने मैजिक टेंपो को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे टेंपो आगे चल रहे दूसरे वाहन में घुस गया। इसके बाद आगे और पीछे चल रहे दोनों वाहन फरार हो गए। वहीं मैजिक टेंपो में सवार महिला व बच्चों सहित करीब 17 लोग टेंपो में फंस गए। हादसे के दौरान टेंपो में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। ऐसे में किसी ने हादसे की सूचना कंट्रोल रूम को दी। इसके बाद सदर थाना पुलिस जाब्ते के साथ

- **अज्ञात वाहन ने मैजिक टेंपो को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे टेंपो आगे चल रहे दूसरे वाहन में घुस गया था**

घटनास्थल पर पहुंची। इस दौरान हादसे में घायल हुए सभी लोगों को पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में घायल समंत्रा पत्नी ओमप्रकाश, छोटूलाल पुत्र जयपाल जाटव, टीटू पुत्र ओमप्रकाश जाटव, हिमांशु पुत्र मोनू जाटव, मचला पत्नी टीटू जाटव, दिव्या पुत्री टीटू जाटव, सोनाली पुत्री टीटू जाटव, सोनिया पत्नी राजकुमार जाटव, अतर सिंह, ओमप्रकाश, लवीश, राजकुमार, राधा और विद्या पुत्री वीरेंद्र कुमार सहित 16 घायलों का इलाज शुरू कर दिया गया। इस दौरान छोटू पुत्र जयपाल और समंत्रा पत्नी ओमप्रकाश की मौत हो गई। इसके बाद डॉक्टरों ने गंभीर घायल चार लोगों को जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया जहां इलाज के दौरान घायल विद्या की भी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार हादसा इतना भीषण था कि मैजिक टेंपो का केबिन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस के डूयूटी आफिसर ओमप्रकाश ने मौके पर पहुंचकर घायलों को कड़ी मशक्कत के बाद केबिन से बाहर निकाला गया। सदर थाना के डूयूटी आफिसर ओमप्रकाश ने बताया कि हादसे का शिकार हुए सभी लोग उत्तर प्रदेश के हापुड और मुरादाबाद के रहने वाले हैं और सभी लोग आपस में रिश्तेदार है। थानाधिकारी सोहनलाल ने बताया कि हादसे में जान गवाने वाले मृतकों के शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं, जिनका परिजनों को आने के पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द किया। फिलहाल मैजिक टेंपो को टक्कर मारकर फरार हुए दोनों अज्ञात वाहनों की तलाश की जा रही है। वहीं दुर्घटनाग्रस्त टेंपो को थाने में खड़ा किया गया है।

तालाब में गिरा बालक, डूबने से हुई मौत

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के सदर थाना क्षेत्र के मिराजपुर गांव में बुधवार को बच्चे की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना से बाद परिजनों में मातम छा गया। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल धौलपुर की मोर्चरी में रखवाया है, जिसका पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। घटना को लेकर बच्चे के चाचा पप्पू सिंह ने बताया कि उसका 8 वर्षीय भतीजा विपिन पुत्र तुलाराम तालाब के पास शौच के लिए गया था।

तालाब के किनारे चलते समय मासूम का अचानक पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया। घटना की जानकारी परिजनों को काफी देर बाद मिली। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। जिसके बाद स्थानीय गोताखोरों ने शव को एक घंटे बाद रेस्क्यू कर बाहर निकाला। मामले की सूचना सदर थाना पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया। सदर थाना प्रभारी रामनरेश मीणा ने बताया कि तालाब में डूबने से बच्चे की मौत हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटनास्थल का पुलिस ने मौका मुआयना भी किया है। हादसे के कारणों की पुलिस जांच कर रही है।

Office of the Project Director Rajasthan Forestry and Biodiversity Development Project
Aravalli Bhawan, Jhalana Institutional Area, Jaipur-302004, Rajasthan

Notification

The Project Management Unit, RFBDP, Jaipur proposes to procure Consultancy Services under Rajasthan Forestry and Biodiversity Development Project as per the following:

UBN No.	Consultancy Service
FOR2425SLOB00419	Hiring of Project Facilitation Team (PFT)

The detailed advertisement, scope of work, eligibility/qualifications, and prescribed application format may be downloaded from http://sppp.rajasthan.gov.in or http://forest.rajasthan.gov.in or http://afd.dgmarket.com
Telephone - +91-141-2709101/5199654
Email: rfbdp.afd@gmail.com
Raj.Samwad/C/24/1681 Project Director, RFBDP

कार्यालय नगरपरिषद झालावाड़ (राज.)
क्रमांक : न.परि.झा./लाईट/2024/2099 दिनांक: 02.07.2024
-: ई-निविदा :-
(Nit No. 01 /2024-25)
UBN No. DLB2425WSOB02095
नगरपरिषद झालावाड द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु विभिन्न अभियांत्रिकी विभागो में उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से नगरीय क्षेत्र झालावाड में सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था संधारण कार्य O&M 2024-25 हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है संवेदक निविदा प्रपत्र को वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व प्राप्त किये जा सकेंगे।
आयुक्त
राज.संवाद/सी/24/1627 नगरपरिषद् झालावाड़

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No.:F-2(01)Acct/Contract/2024-25/31-33 Date: 01-07-2024
ई-निविदा सूचना संख्या: 09/2024-25
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 444.97 लाख (14 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	:	05-07-2024 को प्रातः 10.00 बजे से 18-07-2024 को सायः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	05-07-2024 को प्रातः 10.00 बजे से 18-07-2024 को सायः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	19-07-2024 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN : ITU2425WSOB00076 TO ITU2425WSOB00089
राज.संवाद/सी/24/1664 अधिशाषी अभियन्ता-तृतीय उदयपुर विकास प्राधिकरण

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No.:F-2(01)Acct/Contract/2024-25/28-30 Date: 01-07-2024
ई-निविदा सूचना संख्या: 08/2024-25
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 1207.53 लाख (21 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	:	03-07-2024 को प्रातः 10.00 बजे से 15-07-2024 को सायः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	03-07-2024 को प्रातः 10.00 बजे से 15-07-2024 को सायः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	16-07-2024 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN :ITU2425WSOB00054 TO ITU2425WSOB00074
राज.संवाद/सी/24/1667 अधिशाषी अभियन्ता-प्रथम उदयपुर विकास प्राधिकरण

बजरी माफिया ने हेड कांस्टेबल पर बजरी भरा ट्रैक्टर चढ़ाया, मौत

घायल हेड कांस्टेबल खुशीराम बैरवा को जयपुर रैफर किया था, देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई

टोंक, (निसं)। पुलिस थाना कोतवाली क्षेत्र के सिंधी श्मशान के पास मंगलवार देर शाम बजरी माफिया ने कोतवाली थाने में तैनात हेड कांस्टेबल खुशीराम बैरवा पर बजरी से भरा ट्रैक्टर चढ़ा दिया। इस पर उन्हें गम्भीर घायल अवस्था में जयपुर रैफर किया गया, जहां देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। जिससे पुलिस विभाग में शोक की लहर फैल गई।

वहीं परिजनों व सजातिय बन्धुओं द्वारा जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर हेड कांस्टेबल खुशीराम बैरवा की हत्या की उच्च स्तरीय जांच करने की मांग की है। उन्होंने ज्ञापन में बताया कि दो जुलाई को सिंधी श्मशान घाट पास के पास तैनात पुलिस प्रशासन की गाड़ी को बजरी से भरे ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी, जिससे वहां

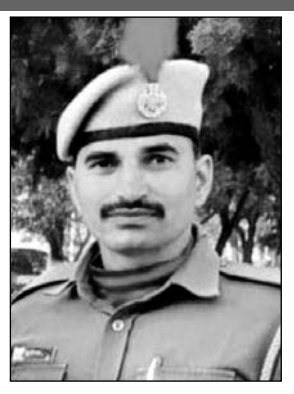

हेडकांस्टेबल खुशीराम बैरवा।

तैनात हेड कांस्टेबल खुशीराम बैरवा को गंभीर टक्कर लग गई तथा उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। ज्ञापन में परिवारजनों व समाज बन्धुओं ने सरकार से मांग की है कि हेड कांस्टेबल खुशीराम बैरवा की बजरी

- **कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर हेड कांस्टेबल की हत्या की उच्च स्तरीय जांच करने की मांग की**

माफिया द्वारा मिलीभगत कर हत्या करने की उच्च स्तरीय जांच हो तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाये। वहीं उन्होंने खुशीराम की ऑनड्यूटी पर हुई मृत्यु होने पर राजकीय शहीद का दर्जा दिया जाने तथा उनकी तीन संतानों को उनकी योग्यता के अनुसार रेपूटेड विद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जाने, साथ ही परिवार को एक करोड़ रूपये की नगद राशि देने व स्मारक का निर्माण किये जाने की मांग की।

उक्त प्रकरण पर पुलिस अधीक्षक संजीव नैन ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाया जाएगा तथा हमारे परिवार का सदस्य कम हो गया है, इसका दुख है। वही बात रही अवैध बजरी खनन की तो इस पर लगातार पुलिस कार्रवाई कर रही है। हेड कॉन्स्टेबल की ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर मारकर हत्या करने वाले के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी तथा बजरी माफिया के खिलाफ और सख्ती की जाएगी। हेड कॉन्स्टेबल खुशीराम बैरवा का उनके पैतृक गांव देवली भांची में राजकीय सम्मान से अंतिम संस्कार किया जाएगा। वहीं जिला कलेक्टर सौम्या झां ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा पीड़ित परिवार को नियमानुसार हर मदद की जायेगी।

राजस्थान में पेपर लीक का आरोपी भोले बाबा का भक्त

दौसा, (निसं)। हाथरस में जिस बाबा के सत्संग के दौरान भगदड़ में 121 लोग मारे गए उस बाबा का भक्त राजस्थान में पेपर लीक का आरोपी है। दौसा में जिस मकान में बाबा का आश्रम था, उसको सरकार ने सीज किया हुआ है। इस मकान के बाहर बाबा के नाम से बोर्ड भी लगा हुआ है, जहां पहले सत्संग हुआ था और काफी लोग शामिल हुए थे।

हाथरस में भगदड़ से पहले सत्संग करने वाले बाबा नारायण हरि साकार, उर्फ सूरजपाल उर्फ भोले बाबा का दौसा में आगरा रोड पर गोविंद देवजी मंदिर के सामने कॉलोनी में बाबा का आश्रम बना हुआ है। यह मकान पटवारी हर्षवर्धन का है जो जेईएन भर्ती परीक्षा के पेपर लीक प्रकरण में आरोपी है। इसी साल जनवरी में एसओजी ने इस मकान पर रेड डाली थी। आश्रम को राजस्थान एसओजी ने पेपर लीक मामले में सीज कर रखा है। कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा वर्ष 2020 के पेपर लीक प्रकरण में दौसा के हर्षवर्धन मीणा पुत्र मुरारीलाल निवासी सालमपुर थाना महुआ का यह मकान है। इसमें एसओजी की कार्यवाही के बाद से बाबा दौसा नहीं आए। भक्तों के लिए आश्रम के बाहर एक बोर्ड लगाया था। जिस पर लिखा था बाबा डॉक्टरों की सलाह पर ग्रामीण आबोहवा लेने व स्वास्थ्य लाभ

- **दौसा में आरोपी के मकान में है बाबा का आश्रम**

के लिए निज प्रवास पर हैं। वर्तमान में यहां कोई समागम नहीं चल रहा है। अत: प्रार्थना है नारायण हरि आवास पर आने का कष्ट नहीं करें। हाथरस हादसे के बाद दौसा में बाबा का यह आश्रम फिर सुर्खियों में है। इस मकान का मालिक पेपर लीक का आरोपी होने से मामला संगीन माना जा रहा है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय जिला परिषद, कोटा
(ग्रामीण विकास प्रकोष्ठ)
सीएडी सर्किल, कोटा (राजस्थान) दूरभाष सं. 0744-2500508 ई-मेल aceo.kot@rajasthan.gov.in
क्रमांक : माडा/छात्रावास टेण्डर पत्रावली/2024-25/188 दिनांक :- 01.07.2024
जॉब बेसिस पर संविदा कार्मिकों हेतु बोली सूचना संख्या 01/2024-25
UBN NO ZKT202425SLOB00091 NIB ZKT2425A0016
राजकीय जनजाति बहुउद्धेशीय बालिका छात्रावास, कोटा में चौकीदार, चतुर्थश्रेणी, सफाईकर्मी, सहायिका, रसोईया आदि सेवाएं तथा कार्यालय जिला परिषद, कोटा हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर जॉब बेसिस पर कार्य करने के लिये एवं कार्यालय जिला परिषद, कोटा की अन्य योजनाओं में आवश्यकतानुसार संबंधित अकुशल/कुशल/अर्द्धकुशल/उच्चकुशल कार्मिक उपलब्ध करवाने हेतु वर्ष 2024-25 के लिए निम्नानुसार निविदाएं आमंत्रित की जाती है-

क्र. सं.	जिला	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	बोली प्रतिभूति राशि	ई-टेण्डरिंग प्रोसेसिंग शुल्क	बोली दस्तावेज डाउनलोड प्रारम्भ तिथि एवं समय	बोली दस्तावेज eproc पोर्टल पर अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	तकनीकी बोली खोलने की तिथि, समय एवं कार्यालय/स्थान
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	कोटा	माडा योजना अन्तर्गत संचालित राजकीय जनजाति बालिका बहुउद्देशीय छात्रावास, कोटा एवं कार्यालय जिला परिषद कोटा एवं कार्यालय की अन्य योजनाओं में आवश्यकतानुसार अकुशल/अर्द्धकुशल कुशल/उच्चकुशल कार्मिक उपलब्ध करवाना	20.00	रू0 500	रू0 40000	रू0 500	दिनांक 02.07.2024 दोपहर 12.30 PM बजे से दिनांक 11.07.2024 को सायः 5.00 PM बजे तक	दिनांक 11.07.2024 को दोपहर सायं 6.00 PM बजे तक	दिनांक 12.07.2024 को सायः 11.00 AM बजे जिला परिषद कोटा

निविदा की विस्तृत जानकारी "https://sppp.rajasthan.gov.in" एवं "https://eproc.rajasthan.gov.in" वेबसाईट से प्राप्त की जा सकती है। अन्य शर्तें RTPP Act 2012 Rule 2013 एवं सामान्य वित्तिय लेखा नियम के अनुसार होगी।
मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी, (माडा), जिला परिषद, कोटा
राज.संवाद/सी/24/1680

चाचा-भतीजी का रिश्ता शर्मसार हुआ

अजमेर, (कासं)। जिले के रूपनगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाली एक बच्ची के साथ गैंगरेप होने का मामला सामने आया है। पीड़िता के चाचा ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर बच्ची के साथ गैंगरेप कर चाचा-भतीजी के रिश्ते को शर्मसार किया।

नाबालिग की तबीयत खराब होने पर अस्पताल में इलाज के दौरान प्रेग्नेंट होने पर वारदात का पता चला, परिजन ने पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले एक नामजद आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामले की जांच किशनगढ़ ग्रामीण सीओ कर रहे हैं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि पीड़िता के परिजन ने अपने रिश्तेदार सहित तीन लोगों के खिलाफ गैंगरेप का मुकदमा दर्ज कराया है। मासूम का अजमेर के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने गंभीर प्रवृत्ति के अपराध के प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ गैंगरेप की धारा सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच सीओ किशनगढ़ सत्यनारायण को सौंपी है। घटना का

- **चाचा ने अपने साथियों के साथ मिलकर भतीजी से किया दुष्कर्म, मामला दर्ज**
- **रूपनगढ़ थाना पुलिस ने एक नामजद आरोपी को हिरासत में लिया**

खुलासा तब हुआ जब बच्ची को पेट में लगातार दर्द हो रहा था और उसकी स्थिति बिगड़ती जा रही थी।

परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल में लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि बच्ची गर्भवती है। यह सुनकर परिवार वालों के होश उड़ गए और जब बच्ची से पूछताछ की गई तो उसने रोते हुए अपने चाचा और उसके साथियों द्वारा किए गए अत्याचार की पूरी जानकारी दी। परिजन ने तुरंत ही थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने एक आरोपी को डिटेन कर लिया है।

उपनिदेशक ने अपने ही विभाग के अधिकारी पर हमला किया

घायल अधिकारी का करौली अस्पताल में उपचार किया

करौली, (नि.सं.)। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उपनिदेशक ने अपने ही विभाग के एक ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी पर नुकीली धारदार वस्तु से हमला कर घायल कर दिया, जिसका करौली अस्पताल में उपचार किया गया। वहीं दोनों पक्षों की ओर से कोतवाली थाने पर अलग-अलग मामले दर्ज कराए गए हैं।

करौली पंचायत समिति के ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी नरोत्तम लाल मीणा पुत्र हरी लाल मीणा निवासी परिता ने कोतवाली थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उदयभान मीणा के द्वारा धारदार नुकीले हथियार से ऑफिस में आकर मारपीट की गई। उन्होंने बताया कि मे ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी पंचायत समिति करौली में कार्यरत हूं। प्रात 9:30 बजे ऑफिस में आकर अपना काम कर रहा था। थोड़ी देर बाद मेरे पास उदयभान मीना आया और मारपीट करने लगा। किसी धारदार नुकीले हथियार से मेरे सिर पर चोट मारी और मारपीट के दौरान मेरे हाथ,

- **दोनों पक्षों ने कोतवाली थाने पर अलग-अलग मामले दर्ज कराए**

नाक, कंधा तथा सिर में गंभीर चोट आई है और सिर से खून निकलने लगा। इस दौरान वह मारपीट करके भाग गया। कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

इसके अलावा आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उपनिदेशक उदयभान मीणा पुत्र रामराज मीना निवासी ढहरिया थाना नादौती ने कोतवाली थाने पर मामला दर्ज कराते हुए बताया कि मैं अपने अधीनस्थ कार्यालय ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी पंचायत समिति करौली का प्रात: 9:55 बजे पर आकस्मिक निरीक्षण करने हेतु स्टाफ कक्ष में जाकर बैठा। मैंने पाया कि एक कार्मिक अनुपस्थित है। जब मैंने ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी नरोत्तम लाल मीणा से स्टाफ उपस्थिति पंजिका व मूवमेंट रजिस्टर का अवलोकन करवाने को कहा जिसकी प्रतिक्रिया में उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन करवाने से मना कर दिया। उसके उपरांत अन्य कार्मिक ने उपस्थिति रजिस्टर निरीक्षण हेतु मुझे उपलब्ध करवाया। उसके उपरांत में उपस्थिति रजिस्टर को लेकर अन्य कक्ष ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी कार्यालय में चला गया।

उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन भी कर रहा था कि पीछे से नरोत्तम लाल मीणा आया उन्होंने राजकार्य में बाधा डालने का प्रयास किया और उन्होंने मेरी गर्दन पकड़ ली, जिससे मेरी शर्ट के बटन टूट गए और मेरे मुंह को नोच दिया। उसके उपरांत मैने बचाव किया और उक्त प्रकरण को उच्च अधिकारियों को अवगत करवाने को कहा तो इन्होंने मेरे ऊपर दबाव बनाने के लिए अपना सर लोहे की रोड पर मार दिया, इसके उपरांत में वहां से वापस अपने कार्यालय में आ गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

Jodhpur Development Authority, Jodhpur
E-Auction Programme of Residential, Commercial, MultistoryResidential Plots in Jodhpur:-(July-December 2024)
क्रमांक :-एफ46/नीलामी/2024/जुलाई/129 दिनांक :-01.07.2024
भूखण्डों की भव्य ई-नीलामी
दिनांक 15.07.2024 से 06.12.2024 तक
180 आवासीय, व्यावसायिक एवं मल्टी स्टोरी रहवासीय भूखण्ड

गंगा विहार योजना में कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 256.51 वर्ग मीटर)	राज्य कर्मचारी आवासीय योजना ग्राम मोगड़ा कलां योजनामें कुल भूखण्ड (41.82 वर्ग मीटर से 360.28 वर्ग मीटर)	व्यावसायिक खसरा नं. 269 कुड़ी भगतासनी मैन पाली रोड़ में कुल भूखण्ड (418.22 वर्ग मीटर)	राजीव गांधी नगर चौखा आवासीय योजनामें कुल भूखण्ड (216.45 वर्ग मीटर से 401.28 वर्ग मीटर)
12	38	01	49
मल्टीस्टोरी रहवासीय भूखण्ड राजीव गांधी नगर चौखा योजनामें कुल भूखण्ड (2464 वर्ग मीटर)	आनन्द विहार योजना ग्राम-मोकलावास में कुल भूखण्ड (270 वर्ग मीटर से 412.05 वर्ग मीटर	व्यावसायिक खसरा नं. 701 ग्राम चौखा में कुल भूखण्ड (72 वर्ग मीटर से 324 वर्ग मीटर)	अरणा विहार योजना ग्राम-बड़ली में कुल भूखण्ड (120 वर्ग मीटर से 450 वर्ग मीटर)
02	05	07	18
झरणा विहार योजना ग्राम-बड़ली में कुल भूखण्ड (61.2 वर्ग मीटर से 216 वर्ग मीटर	पण्डित दीनदयाल उपाध्याय विहार आवास योजना में कुल भूखण्ड (38.33 वर्ग मीटर से 199.07 वर्ग मीटर)	व्यावसायिक परिवहन नगर आंगणवा ट्रांसपोर्ट/ऑटोमोबाइल नगर योजना में कुल भूखण्ड (334.57 वर्ग मीटर से 501.86 वर्ग मीटर)	मण्डोर एफ एस एल खसरा नं. 388 ग्राम मण्डोर आवासीय योजना में कुल भूखण्ड (260.22 वर्ग मीटर से 344.44 वर्ग मीटर)
03	34	03	02

मण्डलनाथ आवास योजना में कुल भूखण्ड (223.05 वर्ग मीटर से 507.43 वर्ग मीटर)
08

ईएमडी जमा दिनांक: 15 जुलाई 2024 से प्रारम्भ
ऑनलाईन बिड: प्रारम्भ तिथि: 15 जुलाई 2024; अंतिम तिथि: 06 दिसम्बर 2024

प्रभारी अधिकारी (नीलामी शाखा) वित्त, जोधपुर विकास प्राधिकरण जोधपुर
फोनः- 0291-2656355, 2656356
मोबाईल नं.- 96723-54150, 96364-12457
निदेशक वित्त, जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
नीलामी के समस्त भूखण्डों की विस्तृत जानकारी एंव नीलामी की शर्ते जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट : joda.rajasthan.gov.in पर देखें या कार्यालय में सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/24/1658

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर
क्रमांकःअअ/सांचोर/2024-25/439 दिनांकः 27/06/24
निविदा सूचना संख्या : 03 वर्ष 2024-25
NIB No.: PWD2425A0442
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से Mtc of various BT roads under Risk & Cost व अन्य सड़क मरम्मत कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 128.08 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	01 जुलाई 2024, 9:30 बजे से 10 जूलाई 2024, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http:// eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http:// eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवष्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।
UBN No. 1.UBN No.PWD2425W/SOB01639. 2.UBN No.PWD2425WSOB01641
3.UBN No.PWD2425WSOB01642, 4.UBN No.PWD2425WSOB01643
5.UBN No.PWD2425WSOB01644, 6.UBN No.PWD2425WSOB01645
7.UBN No.PWD2425WSOB01646, 8.UBN No.PWD2425WSOB01647
9.UBN No.PWD2425WSOB01648, 10.UBN No.PWD2425WSOB01649
(ओम प्रकाश) अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड सांचौर
DIPR/C/5228/2024

बालिका की पानी में डूबने से मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जहाजपुर थाना क्षेत्र के बोराणी गाव में आज खेत पर बकरियां चराने गई युवती की खाल में डूबने से मौत हो गई। वहीं सूचना पर पुलिस व परिजन मौके पर पहुंचे और बालिका के शव को पानी से बाहर निकाल कर जहाजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे और पुलिस ने मृतक बालिका के शव को मोर्चरी में रखवाया और बालिका के शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सुपूर्द किया। जहाजपुर थाने के एएसआई शंकर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीणों से सूचना मिली कि खेत पर बकरियां चराने गई युवती दिव्यांशी पिता शीशपाल मीणा निवासी बोराणी की खाल में डूबने से मौत हो गई।

श्रीगंगानगर में तूफानी बारिश से भारी नुकसान

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर में मंगलवार को हुई तूफानी बारिश ने भारी नुकसान पहुंचाया। तूफानी बारिश से दर्जनों विद्युत पोल धराशायी हो गए। हनुमानगढ़ रोड पर चहल चौक के पास 33 हजार केवी की विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। इसी इलाके में दो मोबाइल टावर और दो दर्जन से अधिक विद्युत पोल टूट कर गिर गए। श्रीगंगानगर में बारिश के बीच चलती कार पर अचानक बिजली पोल आ गिरा। जिससे हड़कंप मच गया। हालांकि, गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। विद्युत पोल गिरने से हनुमानगढ़ रोड पर जाम लग गया। विद्युत विभाग से मिली जानकारी के अनुसार विद्युत पोल गिरने और विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त होने से शहर के बड़े हिस्से में विद्युत आपूर्ति बाधित हुई है। बड़ी संख्या में पेड़ भी धराशायी हुए हैं। जोधपुर डिस्कॉम के अनुसार शहर के सद्भावना नगर स्थित 33 केवी जीएसएस से सहयोग नगर मार्ग पर एक दर्जन से अधिक विद्युत पोल और कुछ विद्युत ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गए। जोधपुर डिस्कॉम शहर प्रथम के सहायक अभियंता ने बताया कि शहर प्रथम में तेज तूफान से यूआईटी रोड, जिला अस्पताल के सामने, सुदामा नगर, मान सरोवर कॉलोनी सहित अन्य क्षेत्र में 15 से 20 विद्युत पोल क्षतिग्रस्त हो गए।

हंगामे के साथ शुरू हुई विधानसभा के दूसरे सत्र के पहले दिन की कार्यवाही

विपक्ष ने सत्र की शुरूआत राज्यपाल के अभिभाषण से कराने की मांग की

- **विपक्ष ने कहा कि संविधान के अनुसार साल का पहला सत्र राज्यपाल से कराने की परंपरा रही है**
- **इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण आम चुनाव के बाद सत्र शुरु होने पर एक बार ही होता है। उन्होंने कहा कि यह दूसरा सत्र है और पहला सत्र इससे पहले हो चुका। ऐसे में हर बार राज्यपाल का अभिभाषण नहीं होता।**

जयपुर, (वि.सं.)। सोलहवीं विधानसभा के दूसरे सत्र की बुधवार को शुरुआत हुई। पहले दिन ही सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण के साथ होने की मांग को लेकर विपक्ष के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया।

सत्र पूर्वाह्न 11 बजे शुरु होते ही नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण के साथ होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि यह संविधान के नियमों का उल्लंघन है। साल के पहले सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से कराने का नियम है। विपक्ष के सदस्यों के हंगामा करने पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि सत्र की शुरुआत नियमों के तहत ही हुई है।

पटेल ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण आम चुनाव के बाद सत्र शुरु होने पर एक बार ही होता है। उन्होंने कहा कि यह दूसरा सत्र है और पहला सत्र इससे पहले हो चुका। ऐसे में हर बार राज्यपाल का अभिभाषण नहीं होता। इस पर जूली ने कहा कि इस साल का पहला सत्र अब शुरु हुआ है और इसकी शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होनी चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने व्यवस्था देकर सदन को सुचारू करने की कोशिश की लेकिन विपक्ष के सदस्य हंगामा करते रहे। इस पर देवनानी ने कहा कि पहला सत्र गत दिसंबर में शुरू हुआ था जो कि जनवरी तक चला और पहले सत्र में राज्यपाल का अभिभाषण हो गया और अब दूसरे सत्र में अभिभाषण की कोई जरुरत नहीं है।

इस दौरान जूली ने उनका माइक बंद करने का आरोप लगाते हुए कहा कि संसद के बाद अब विधानसभा में भी विपक्ष के नेताओं की आवाज दबाने के लिए माइक बंद किए जा रहे हैं।

बाद में देवनानी ने कहा कि सबकी बात सुनी जायेगी। अभी सत्र शुरु हुआ है, इसे सुचारु रुप से चलने दें और सभी सदस्य अपनी जगहों पर जाये। इसके बाद विपक्ष के सदस्य अपनी जगह पर आ गये। सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही शुरु होने के बाद करीब 25 मिनट तक विपक्ष ने हंगामा किया और नारेबाजी की।

राज्यपाल से अशोक गुप्ता की भेंट

राज्यपाल कलराज मिश्र से बुधवार को राजभवन में राज्य मानवाधिकार आयोग के नवनियुक्त सदस्य, भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत अधिकारी अशोक कुमार गुप्ता ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। राज्यपाल ने गुप्ता को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कल करेंगे जस-2024 का उद्घाटन

जयपुर,(का.सं.)। ज्वैलर्स एसोसिएशन जयपुर की ओर से 5 से 7 जुलाई तक सीतापुरा के जेईसीसी में जस- 2024 में जयपुर के जड़ाऊ गहनों और रंगीन रत्नों का का भव्य संसार सजेगा। देश के सबसे बड़े 2 शो में से एक है। यह ग्लोबल ज्वैलरी ट्रेड में 2024 अंतर्राष्ट्रीय स्तर का शीर्ष प्लेटफॉर्म है, जहां जयपुर के ज्वैलर्स और रत्न व्यवसायी अपनी ज्वैलरी के साथ प्रेसियस और सेमी प्रेसियस कलर स्टोन का प्रदर्शन करने वाले हैं। 2007 में ज्वैलरी शो-जस का सफर अनवरत रूप से आगे बढ़ रहा है। हमारे एग्जीबिटर्स और दुनियाभर से आने वाले ट्रेड बायर्स की डिमांड पर इसे 2021 से बीटूबी का स्वरूप दिया गया। यह प्रयोग सफल भी रहा और हमारे एग्जीबिटर्स को अपने ट्रेड बायर्स के साथ नेटवर्किंग के लिए बेहतर माहौल और ज्यादा समय मिल पाया। इसके बाद लगातार बीटूबी फॉर्मेट पर यह पांचवां शो है।

2024 का उद्घाटन 5 जुलाई को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे। इसमें उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ प्रेमचंद बैरवा, उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सहकारिता मंत्री गौतम दक, पीएचईडी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, सांसद मंजू शर्मा, सांसद दामोदर दास अग्रवाल, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, विधायक गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता, मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता, आयकर आयुक्त रोली अग्रवाल, पूर्व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, सी.पी. जोशी, पूर्व राजघराना कोटा की सदस्य और विधायक कल्पना देवी, कस्टम कमिश्नर सुग्रीव मीना, कालीचरण सराफ और भी शो की शोभा बढ़ाएंगे।

बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल को शपथ दिलाई

जयपुर, (वि.सं.)। बांसवाड़ा जिले के बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक जयकृष्ण पटेल को विधानसभा सदस्य पद की शपथ दिलाई गई। जयकृष्ण पटेल ने हिन्दी में शपथ ली। वहीं दूसरी ओर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को यहां विधानसभा में लगाई गई नई लिफ्टों का शुभारम्भ किया। देवनानी ने लिफ्टों का फीता खोलकर शुभारम्भ किया।

निम्स हार्ट एंड ब्रेन स्ट्रोक सेंटर में मात्र 20 मिनट में दिल में छेद का इलाज

जयपुर, (का.सं.) हार्ट एंड ब्रेन हॉस्पिटल ने एक नॉन इनवेसिव तकनीक तकनीक का उपयोग करके एट्रियल सेप्टल दोष से पीड़ित 20 वर्षीय रोगी का सफलतापूर्वक इलाज करके हृदय देखभाल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। हार्ट एंड ब्रेन अस्पताल में कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. अनिल चौधरी के नेतृत्व में यह प्रक्रिया हृदय उपचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है, जो अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवा समाधानों के लिए अस्पताल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

एक जन्मजात हृदय दोष है जो हृदय के दो ऊपरी कक्षों (एट्रिया) के बीच की दीवार (सेप्टम) में एक छेद की विशेषता है, जिसका इलाज ओपन-हार्ट सर्जरी के माध्यम से किया जाता है, जिसे साधारण शब्दों में दिल में छेद कहा जाता है और इसमें महत्वपूर्ण जोखिम, लंबे समय तक ठीक होने का समय और अस्पताल में काफी समय तक रहना शामिल है।

हालांकि, हार्ट एंड ब्रेन स्ट्रोक सेंटर में डॉ. चौधरी और उनकी टीम ने एक नया तरीका अपनाया है, जिससे इनवेसिव सर्जरी की जरूरत खत्म हो गई है। इस प्रक्रिया में सेप्टल ऑक्लुडर का इस्तेमाल किया गया, जो एक छोटा शर्ट बटन जैसा दिखने वाला उपकरण है, जिसे मरीज के पैर की नस में से गुजरने वाले कैथेटर के जरिए दिल में डाला जाता है। इस तकनीक ने सामान्य एनेस्थीसिया की आवश्यकता के बिना, केवल 20 मिनट में हृदय दोष को बंद करना शामिल है।

शिक्षक भर्ती के विवादित प्रश्नों को लेकर मांगा जवाब

जयपुर,(का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने तृतीय श्रेणी अध्यापक भर्ती 2022 लेवल प्रथम के विवादित प्रश्न उत्तर से जुड़े मामले में राज्य सरकार और कर्मचारी चयन बोर्ड को 2 सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश राजेश कुमार अन्य की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि विवादित प्रश्न उत्तर के मामले में दायर याचिका को एकलपीठ में गत 31 मई को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि प्रश्नों की जांच के लिए कर्मचारी चयन आयोग की ओर से पूर्व में कमेटी बनाई जा चुकी है। ऐसे में पुन: कमेटी नहीं बनाई जा सकती। अपील में कहा गया की एकलपीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश साक्ष्य का परीक्षण नहीं किया है। इसके अलावा पूर्व में भी कई भर्तियों में पुन: कमेटी बनाकर विवादित प्रश्न उत्तर की जांच की गई है और संशोधित परिणाम जारी किया गया है। अपीलार्थी के आरटीई कानून से जुड़े प्रश्नों सहित अन्य पूछे गए सवालों के जवाब सही थे, लेकिन कमेटी ने उन्हें सही नहीं माना और एकलपीठ ने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया। यदि अपीलार्थी के सवालों को सही माना जाता है तो उनका भर्ती में चयन हो जाएगा। याचिकाकर्ता की ओर से अपने सवालों में दिए जवाबों के समर्थन में मान्यता प्राप्त पुस्तकें भी पेश की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

मौसमी बीमारियों की समीक्षा

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने कहा कि अंतर्विभागीय समन्वय के साथ मौसमी बीमारियों पर रोकथाम का प्रभावी प्रबंधन किया जाए। इसमें किसी तरह की कमी नहीं रहे। उन्होंने अधिक प्रभावित जिलों में जिला कलैक्टरों के माध्यम से अन्तर्विभागीय समन्वय करते हुए बचाव एवं नियंत्रण के बेहतर इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिंह बुधवार को मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि ओडीके एप द्वारा मौसमी बीमारियों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग के नवाचार को और सुदृढ़ किया जाए। मच्छरों के प्रजनन स्थानों का उपचार स्वायत्त शासन विभाग एवं पंचायती राज विभाग के माध्यम से कराया जाए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जिलेवार डेंगू, मलेरिया व चिकुनगुनिया रोगों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में वर्तमान में मौसमी बीमारियों की स्थिति नियंत्रण में हैं। राज्य के 46 जिलों में डेंगू, मलेरिया पर नियंत्रण की स्थिति गत वर्ष से बेहतर है, लेकिन मानसून में सजग-सतर्क रहें।

हैदराबाद जाने से पहले पुलिस को मिले इंटरनेशनल कॉल के सबूत

- **सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 समेत छह से ज्यादा प्रतियोगी परीक्षा के पेपर लीक का मामला**
- **जालोर के लोग हैदराबाद में जिस जगह जा रहे हैं, उसके आस-पास इंटरनेशनल कॉल लगातार आ रहे थे।**

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 समेत छह से ज्यादा प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में आरोपी ओमप्रकाश ढाका और सुनील बेनीवाल की लगातार ट्रैकिंग के दौरान सामने आया कि जालोर के लोग हैदराबाद में जिस जगह जा रहे हैं, उसके आस-पास इंटरनेशनल कॉल लगातार आ रहे हैं। इन नंबर की डिटेल जुटाई तो पता चला कि पेपर लीक में फरार ये दूसरे आरोपी लगातार हैदराबाद में कॉल कर रहे थे।

जोधपुर रेंज आईजी विकास कुमार ने बताया कि इस पर तीन दिन पहले हैदराबाद की उस लोकेशन पर टीम को भेजा। हैदराबाद पुलिस की मदद से एचपी की एक गैस एजेंसी के 16 डिजिट के कंज्यूमर नंबर पता चले। टीम को बताया गया कि ये संदिग्ध नंबर हो सकते हैं। रात 3 बजे आईजी ने दिल्ली में एचपी ऑफिस के एक अधिकारी को कॉल उस कंज्यूमर नंबर की डिटेल पता करवाई। यहां से आरोपियों को जिस एजेंसी से गैस सिलेंडर सप्लाई हो रहा था, उसका नंबर मिला।

टीम अगले दिन हैदराबाद के विजया नगर स्थित एचपी गैस एजेंसी पहुंची और उस 16 डिजिट के नंबर के बारे में पता किया। इस दौरान मालूम चला कि ओमप्रकाश ढाका और सुनील बेनीवाल ने सरूर नगर, विजयापुरी कॉलोनी, रचकौंडा में फ्लैट ले रखा है। यहां से एड्रेस मिलने के बाद टीम ने गैस एजेंसी की मदद ली। पुलिस टीम गैस एजेंसी से उनके डिलीवरी बॉय की ड्रेस और सिलेंडर लेकर आरोपियों के फ्लैट तक पहुंची। टीम ने जब बताया कि वह गैस सप्लाई करने आए हैं तो आरोपियों ने गेट खोला। आईजी ने बताया कि दोनों आरोपी उस दौरान फ्लैट में ही थे। उनसे नाम और एड्रेस पूछा गया। डिटेन कर उन्हें सरूर नगर थाने में लेकर आए। पुष्टि होने पर टीम दोनों को लेकर जयपुर रवाना हुई। दोनों जिस फ्लैट में रहते थे, वहां 24 घंटे टीवी चलता था। इसमें अधिकांश राजस्थान के न्यूज चैनल चलते थे। फरारी के दौरान दोनों आरोपी अपने परिचितों के लगातार संपर्क में थे। जब जालोर के लोगों के हैदराबाद आने का कारण पूछा तो बताया कि जालोर से घी समेत किराने का दूसरा सामान इनके यहां आता था। उधर, जोधपुर की साइक्लोन टीम के रडार पर वांटेड सरकारी टीचर शम्मी भी थी। शम्मी खुद कई परीक्षा में डमी कैंडिडेट बन चुकी है। एसआई भर्ती परीक्षा में जब नाम आया तो पता चला कि वह बालोतरा थाने की भी वांटेड है। वह लगातार अपनी भतीजी से बात करती थी। बातचीत के दौरान अक्सर वह राधे-राधे कहती थी। टीम को भतीजी से केवल इतना इनपुट मिला कि वह पिछले कुछ महीनों से मीरा और राधा की भक्ति में लगी हुई है। आईजी ने बताया कि ये इनपुट मिलने के बाद राजस्थान के सभी कृष्ण और मीरा मंदिर में टीम को भेजा गया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इस बीच इनपुट मिला कि शम्मी यूपी के बरसाना में है और वहां दो महीने से कृष्ण भक्ति में लगी हुई है। इस पर एक टीम को बरसाना रवाना किया गया। यहां अलग-अलग मंदिर और आश्रमों को खंगाला, लेकिन शम्मी की लोकेशन के बारे में पता नहीं चला। एक दिन बरसाना की एक गोशाला के पास शम्मी की लोकेशन मिली। टीम वहां पहुंची तो शम्मी गोरक्षा शोभायात्रा में आरती करती हुई नजर आई। टीम ने वीडियो भी बनाया। इसी शोभायात्रा से शम्मी को डिटेन किया।

गोठवाल स्लोगन लिखा कुर्ता पहनकर पहुंचे विधानसभा

कुर्ते पर लिखा 'हिंदू हिंसक नहीं राहुल गांधी माफी मांगे'

- **'कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा के अंदर वक्तव्य दिया कि हिंदू हिंसक है**

जयपुर, (वि.सं.) संसद में राहुल गांधी द्वारा हिंदू को लेकर दिए गए बयान की गूंज आज विधानसभा में भी देखने को मिली। खंडार से भाजपा विधायक जितेन्द्र गोठवाल ने बुधवार को स्लोगन लिखा कुर्ता पहनकर विधानसभा पहुंचे। विधायक गोठवाल के कुर्ते पर लिखा था, "हिंदू हिंसक नहीं होता, राहुल गांधी माफी मांगे।"

उन्होने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा के अंदर जिस तरह का वक्तव्य दिया कि हिंदू हिंसक है। उनकी आंख खोलने के लिए, कांग्रेस नेताओं की आंख खोलने के लिए इस स्लोगन लिखा कुर्ता पहनकर आया हूं।

विधायक जितेन्द्र गोठवाल ने कहा कि हिंदू कभी भी हिंसक नहीं रहा। हिंदू धर्म हमेशा सर्वे भवन्तु सुखिन का संदेश देने वाला धर्म रहा है। हिंदू हमेशा दुखियों को सहारा देने वाला धर्म हैं। हिंदू देश हित के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाला धर्म है, लेकिन हिंदू धर्म के लिए राहल गांधीवाला धर्म है, लेकिन हिंदू धर्म के लिए राहुल गांधी ने जिस तरह के शब्दों का प्रयोग किया हैं। मैं अपने माध्यम से संदेश देने आया हूं कि उन्हें देश के हिंदू समाज से माफी मांगनी चाहिए।

आगरा रोड पर मिलावट के खिलाफ कार्रवाई

जयपुर। खाद्य विभाग की टीम ने मिलावट के खिलाफ अभियान के तहत बुधवार को आगरा रोड स्थित एक फर्म पर कार्रवाई की। अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पंकज ओझा के नेतृत्व में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के खाद्य सुरक्षा अधिकारियो के दल द्वारा शुभ एंटरप्राइजेज, पुरानी आगरा रोड का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हाइजीन एवं सेनिटेशन संतोषजनक नहीं पाया गया। वेयर हाउस में रखे कई खाद्य उत्पाद अवधि पार पाए गए, जिन्हे मौके पर ही नष्ट करवाया गया। शेष खाद्य उत्पादों में से आशीर्वाद आटे का नमूना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत लिया गया तथा जैम, सरसों तेल (फॉर्च्यून) व ब्रेकफास्ट सिरल्स के नमूने सर्विलांस जांच हेतु लिए गए, जिनकी जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी । पेस्ट कंट्रोल, स्वास्थ्य परीक्षण आदि से संबंधित मौके पर मिली कमियों को लेकर धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया जा रहा है।

अवैध पिस्टल व कारतूस के साथ शूटर गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत जवाहर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को गिरफ्तार किया है और उसके पास से अवैध हथियार पिस्टल मय दो कारतूस सहित देशी कट्टा जब्त किया है।

आरोपी हरलाल अवैध शराब की तस्करी पंजाब से गुजरात करता है और वापसी में मादक पदार्थ का परिवहन भी करता है। इसके अलावा दो मामलों में गुजरात से पांच साल से वांछित है। साथ ही जयपुर ग्रामीण गोविंदगढ़ और राज देलसर में वांरटी है।

कार्रवाई करते हुए हरलाल पुनिया उर्फ शूटर निवासी रतनगढ़ जिला झुंझुनू को गिरफ्तार किया है और उसके पास से अवैध हथियार पिस्टल मय दो कारतूस सहित देशी कट्टा जब्त किया है।

आरोपी हरलाल अवैध शराब की तस्करी पंजाब से गुजरात करता है और वापसी में मादक पदार्थ का परिवहन भी करता है। इसके अलावा दो मामलों में गुजरात से पांच साल से वांछित है। साथ ही जयपुर ग्रामीण गोविंदगढ़ और राज देलसर में वांरटी है।

2.5 लाख कार्मिकों को नहीं मिला वार्षिक वेतन वृद्धि लाभ

जयपुर (कासं)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत एवं राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ ने बुधवार को मुख्य सचिव से मिलकर कर्मचारियों द्वारा स्वयं की एसएसओ आईडी से राजकाज सॉफ्टवेयर में आईपीआर मॉड्यूल लॉगिन करके अपनी अचल संपत्तिका विवरण भरने की अवधि बढ़ाए जाने की मांग की है।अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि 15 मार्च 2024 को कार्मिक विभाग ने एक परिपत्र निकाल कर 31 मार्च 2024 तक राजकाज सॉफ्टवेयर में आईपीआर मॉड्यूल में अपनी अचल संपत्ति का विवरण दर्ज करने का आदेश निकाला था। राजकाज सॉफ्टवेयर बहुत समय बंद रहने एवं अधिकतर धीमे चलने एवं कर्मचारियों को समय रहते जानकारी नहीं मिलने के कारण वर्तमान में लगभग 2,44,992 कार्मिक आईपीआर भरने से वंचित रह गए हैं। आईपीआर नहीं भरे जाने के कारण जुलाई माह में दी जाने वाली वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ भी कर्मचारियों को नहीं मिल पाया है।

राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश पारीक एवं महामंत्री देवेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा पत्रावली अनुमोदित किए जाने के बावजूद लेखानुदान पारित करवाते समय 8 फरवरी को विधानसभा में की गई घोषणा के अनुरूप पदोन्नित के लिए आवश्यक अनुभव में 2 वर्ष की शिथिलता दिए जाने के आदेश अभी तक जारी नहीं किए गए। इससे विभागों में डीपीसी में विलंब के कारण कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान होने की बात बताते हुए आदेश शीघ्र निकाले जाने की भी मांग की है।

घर में घुसकर नाबालिग से दुष्कर्म

जयपुर । चित्रकूट इलाके में घर में घुसकर बालिका को अकेला पाकर एक युवक ने चाकू दिखाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने घटना के बारे में किसी को बताने पर पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी। घटना करीब 20 दिन पुरानी बताई जा रही है। बेटी के गुमसुम रहने पर पिता के कई बार पूछने पर उसने सारी आपबीती बताई। पुलिस ने बताया कि एक व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया कि उसकी नाबालिग बच्ची के साथ आदित्य नाम के आरोपी ने रेप किया है। मामले की गंभीरता देखते हुए बच्ची का मेडिकल करवाया। आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज की। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि एक जुलाई को शाम को जब वह काम से घर लौटा तो बच्ची गुमसुम थी। पिता ने चुपचाप होने का कारण पूछा तो बच्ची ने इनकार कर दिया। बाद में पिता ने बच्ची को प्यार से परेशानी का कारण पूछा तो बच्ची जोर-जोर से रोने लगी। उसने बताया कि 20 दिन पहले आदित्य दोपहर में घर आया था और गले पर चाकू लगाकर उसने दुष्कर्म किया।

निम्स हार्ट एंड ब्रेन हॉस्पिटल में "ब्रेन एन्यूरिज्म" के मरीज का इलाज किया

जयपुर, (का.सं.)। निम्स हार्ट एंड ब्रेन हॉस्पिटल जो राजस्थान का एकमात्र एक डेडिकेटेड स्ट्रोक केयर सेंटर है, ने एक बार 45 वर्षीय मरीज प्रकाश (बदला हुआ नाम) पर जीवन रक्षक न्यूरो-इंटरवेंशनल कोइलिंग प्रक्रिया की, जो गंभीर ब्रेन एन्यूरिज्म (दिमाग की नस फूलने से गुब्बारा फटना)से पीड़ित था और जान जाने का खतरा लगभग 70 प्रतिशत था। चीफ न्यूरो-इंटरवेंशनलिस्ट- डॉ. मदन मोहन गुप्ता ने इस स्थिति में अत्याधुनिक चिकित्सा प्रगति का प्रदर्शन किया। उत्तर भारत में अपनी तरह की सबसे तेज़ और सबसे गैर-आक्रामक प्रक्रियाओं में से एक के रूप में जानी जाने वाली इस प्रक्रिया ने प्रकाश को एक नया जीवन दिया।

प्रकाश ने शुरू में अचानक कमज़ोरी और गंभीर सिरदर्द की शिकायत की। नज़दीकी क्लिनिक में शुरुआती उपचार के बाद भी कोई सुधार नहीं होने पर, उन्हें आगे लिए निम्स हार्ट एंड ब्रेन हॉस्पिटल, जयपुर रेफ़र किया गया। समय पर सीटी स्कैन और ब्रेन एंजियोग्राफी से ब्रेन एन्यूरिज्म का पता चला, जिसमें रक्त वाहिकाओं में काफी सूजन देखी गई। पारंपरिक ओपन ब्रेन सर्जरी से जुड़े उच्च जोखिमों को देखते हुए, मेडिकल टीम ने न्यूरोइंटरवेंशनल कॉइलिंग प्रक्रिया का विकल्प चुना। इस दृष्टिकोण में सूजी हुई धमनी में छोटी ट्यूब डालना शामिल है, जिससे मस्तिष्क में कोई चीरा लगाए बिना सर्जरी की जा सकती है। इस न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया ने राजस्थान के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित किया, जिसने राज्य और की शीर्ष-स्तरीय चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने की प्रतिष्ठा को मजबूत किया। इस मामले में डॉ. गुप्ता और उनकी टीम की सफलता ने न केवल प्रकाश की जान बचाई बल्कि न्यूरोइंटरवेंशन के लिए एक नया मानक भी स्थापित किया। डॉ. मदन मोहन गुप्ता ने कैथ लैब में की जाने वाली डी.एस.ए कॉइलिंग प्रक्रिया के बारे में बताया।

डॉ. भार्गव की पुस्तक 'वेदान्तसार नवनीत भाष्य' का लोकार्पण

जयपुर। सीतापुरा स्थित महात्मा गांधी मेडिकल यूनिवर्सिटी में ख्यात नाम शिक्षक, विचारक एवं दर्शन शास्त्री आचार्य डॉ. दयानंद भार्गव की पुस्तक "वेदान्तसार नवनीत भाष्य" का लोकार्पण हुआ।

इस अवसर पर डॉ. नरेंद्र अवस्थी ने पुस्तक परिचय कराया। आचार्य दयानंद भार्गव ने विषय वस्तु को सार रूप में बताया है कि एक वेद है और एक वेदांत। वेद वो जिसे हम देख रहे है तो वेदांत वो जो हमें देखता है। वेद उपयोगी होते हैं तथा वेदांत योग होता है। यूनिवर्सिटी के एमेरिटस चेयरपर्सन डॉ एम एल स्वर्णकार के 69वें जन्मोत्सव पर आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ हनुमान सहाय शर्मा द्वारा भजन प्रस्तुति की गई।कार्यक्रम में आचार्य दयानंद भार्गव ने डॉ स्वर्णकार का जीवन परिचय कराते हुए कहा कि वे एक अद्वितीय चिकित्सक, दूरदर्शी, समाज सेवक, वेद वेदांग के ज्ञानी तथा कला मर्मज्ञ हैं। डॉ स्वर्णकार ने आध्यात्मिक ज्ञान को अपने आचरण में शामिल कर स्वयं को आदर्श व्यक्तित्व के रूप में प्रस्तुत किया है। डॉ. एम.एल.स्वर्णकार ने राम चरित मानस के बारे में बताया कि रामचरित मानस में सामाजिक समरसता, वसुधैव कुटुंबकम्, लोक कल्याण, मित्रता, नारी सम्मान, नवधा भक्ति, इंद्रिय दमन आदि के उपदेश समाहित हैं। कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन डॉ विकास चंद्र स्वर्णकार, वाइस चांसलर डॉ. अचल गुलाटी, सीईओ राम रटन सोनी, श्रीमती मीना स्वर्णकार, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन डॉ शोभित स्वर्णकार, हरमन स्वर्णकार तथा प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

13 किलो अफीम जब्त, केंटर सहित तस्कर गिरफ्तार

भानीपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक केंटर में से अवैध अफीम जब्त कर तस्कर को गिरफ्तार किया।

चूरू, (कासं.)। भानीपुरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक केंटर में से एक करोड़ रुपए की अवैध अफीम जब्त करके एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव ने बताया कि महानिरीक्षक सीकर रेंज सीकर द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत लोकेन्द्र दादरवाल अतिरिक्त

- **यह तस्कर पूर्व में भी 22 किलो अफीम सहित नागालैण्ड में पकड़ा जा चुका है**

पुलिस अधीक्षक चूरू, अनिल माहेश्वरी आरपीएस वृताधिकारी वृत सरदारशहर के निकट सुपरविजन में डीएसटी चूरू के सहयोग से रायसिह उनि. थानाधिकारी भानीपुरा मय टीम द्वारा गश्त के दौरान मेगा हाईवे मालसर फांटा रोही मालसर में नाकाबन्दी कर सघन चैकिंग कर रहे थे।

इस दौरान सरदारशहर की तरफ से आये टाटा केन्टर से अन्तर्राज्य तस्कर सवाई सिंह पडिहार पुत्र जवाहर सिंह पडिहार निवासी सुन्दरवास तहसील गिर्वा पुलिस थाना प्रतापनगर, उदयपुर के कब्जे से 13 किलो 715 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम जब्त की जाकर उसे गिरफ्तार किया गया है। जब्तशुदा अफीम की केंन्टर सहित अनुमानित कीमत करीबन एक करोड़ है। उक्त तस्कर, मादक पदार्थो की अन्तर्राज्यीय तस्करी करने का माहिर है। जिसने तस्करी करने के लिए अपने कैन्टर ट्रक को मॉडिफाई करवाकर अफीम छुपाने के लिए चैसिस में जुगाड़ बना रखा था। यह तस्कर पूर्व में भी 22 किलोग्राम अफीम सहित पुलिस थाना दीमापुर नागालैण्ड में पकड़ा जा चुका है।

चैकिंग अभियान से 7.6 करोड़ का राजस्व मिला

कोटा, (निसं)। मंडल के वाणिज्य विभाग ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के अप्रैल से जून तीन माह में टिकट जांच के दौरान बिना टिकट, अनुचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले एवं बिना बुक गये सामान सहित कुल 1,21,450 मामलों से 7.6 करोड़ रुपये अर्जित किये।

इसमें बिना टिकट के 48,592 मामले, अनुचित टिकट के 72,705 मामलें एवं 153 बिना बुक गये सामान के मामलें शामिल है। यदि केवल जून माह की बात करें तो 35,096 मामलों से 2.42 करोड़ का राजस्व मंडल को टिकट चैकिंग से मिला जिसमे 15,487 बिना टिकट के मामलों से 1.3 करोड़, 19,503 अनुचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले से 1.1 करोड़ एवं 106 बिना बुक गये सामान से 78,750 रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ। इससे कोटा रेल मंडल के आय में बढ़ोत्तरी हुई, जो कि वाणिज्य विभाग के टिकट चैकिंग कर्मचारियों द्वारा किया गया सराहनीय कार्य है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/जन सम्पर्क अधिकारी नें यात्रियों से अपील की है कि उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कॉम्पलेक्स की लिफ्ट में एक घंटे तक फंसे रहे दो लोग

आरके कॉलोनी स्थित गणेशम कॉम्पलेक्स की लिफ्ट सेकंड और थर्ड फ्लोर के बीच अटक गई थी

मेंटिनेंस विभाग और पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को बाहर निकाला।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना के आरके कॉलोनी स्थित गणेशम कॉम्पलेक्स की लिफ्ट सेकंड और थर्ड फ्लोर के बीच अटक गई। करीब एक घंटे तक लिफ्ट में दो लोग फंसे रहे। लिफ्ट में फोन के सिग्नल नहीं आने के कारण लोग अपने परिचितों को कॉल नहीं कर सके। जोर से चिल्लाने के बाद मेंटिनेंस विभाग और पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला गया।

आरके कॉलोनी स्थित गणेशम कॉम्पलेक्स की लिफ्ट में दो लोग मेट्रो फ्लेक्स जिम से ऊपर से नीचे की ओर आ रहे थे। अचानक सेकंड और थर्ड

- **लिफ्ट में फोन के सिग्नल नहीं आने के कारण दोनों लोग अपने परिचितों को कॉल नहीं कर सके**

मंजिल के बीच में लिफ्ट अटक गई। लिफ्ट में फंसे लोगों ने घटना के बारे में जानकारी देने के लिए फोन करना चाहा लेकिन सिग्नल नहीं आ रही थे। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस को सूचना दी गई, करीब एक घंटे तक लिफ्ट में फंसे होने के बाद उन्होंने चिल्लाना शुरू कर दिया। फ्लोर पर मौजूद लोगों ने जब आवाज सुनी तो मेंटिनेंस स्टाफ के साथ ही पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लोगों के साथ मिलकर लिफ्ट को खोलने का प्रयास किया। कड़ी मशक्कत के बाद लिफ्ट को खोल कर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

लिफ्ट में फंसे लोगों का कहना है कि वह करीब एक घंटे तक लिफ्ट में फंसे रहे। आरोप है कि लिफ्ट में कोई इमरजेंसी नंबर भी नहीं लिखा हुआ है। न ही कोई सिक्योरिटी अलार्म काम कर रहा है। ज्यादा देर तक फंसे होने के कारण उनका लिफ्ट में सांस लेना भी मुश्किल हो गया और गर्मी के कारण बुरा हाल हो गया।

दबंगों ने 11 किसानों के खेतों का रास्ता रोका

चूरू, (कासं.)। बारिश होते ही दबंगों ने लोहसना छोटा गांव के 11 किसानों के खेतों का रास्ता रोक दिया है। पीड़ित किसान चूरू के तहसीलदार से भी रास्ता खुलवाने की गुहार लगा चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। इस कारण से किसान बहुत परेशान हो रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार गांव लोहसना छोटा के जगदीश पुत्र चंद्रा राम जाट, सुरेश कुमार पुत्र भंवर सिंह जाट, कमल कंवर पत्नी भंवर सिंह राजपूत, कृष्ण सिंह पुत्र हनुमान सिंह राजपूत, राजेंद्र सिंह पुत्र हनुमान सिंह राजपूत, संतोष देवी पत्नी हनुमान दास स्वामी, शशि कुमार पुत्र बजरंग लाल जाट, अर्जुन राम पुत्र चंद्रा राम जाट, देवकरण पुत्र अर्जुन राम जाट, राजू सिंह पुत्र भानी सिंह राजपूत और कमल कंवर पत्नी कल्याण सिंह राजपूत ने तहसीलदार चूरू को ज्ञापन देकर बताया कि उनके खेतों में सदामत से जाने वाली पगडंडी का रास्ता उन्हीं के गांव के नरेंद्र सिंह पुत्र बजरंग सिंह राजपूत, संतोष पत्नी मदन सिंह राजपूत और सुरेश पुत्र मदन सिंह राजपूत ने बंद कर दिया है। इनको बार-बार समझाने पर भी खेतों का रास्ता नहीं खोला जा रहा है।

इसके अलावा उनका खेतों में जाने का कोई और रास्ता नहीं है। ऐसे में इस रास्ते को तुरंत खुलवाया जाए ताकि किसानों का आवागमन हो सके। वहीं तहसीलदार को अवगत करवाये जाने के तीन दिन बाद भी आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है और न ही रास्ता खोला गया है। इस कारण किसानों की समस्या दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है।

अधेड़ की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जहाजपुर उपखंड के शक्करगढ थाना क्षेत्र के अमरगढ़ ग्राम में खेत पर कार्य करने के दौरान जहरीले जानवर के काटने से एक अधेड़ की मौत हो गई। वहीं पुलिस ने मृतक को जहाजपुर मोर्चरी में रखवाकर शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सुपूर्द किया और मृग में मामला दर्ज कर जाच शुरू की। शक्करगढ़ थाने के हेड कांस्टेबल सीताराम ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के अमरगढ़ गांव में गोपाल लाल पिता नाथूलाल माली निवासी अमरगढ़ प्रतिदिन की तरह आज भी घर से खाना खाकर खेत पर कार्य करने के लिए गया जहां खेत पर कार्य कर रहा था। खेत पर कार्य करने के दौरान जहरीले जानवर ने काट लिया और काटते ही अधेड़ को उल्टियां होने लगी जिस पर परिजन इलाज के लिए शक्करगढ चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां से उसको बिजौलियां के लिए रेफर कर दिया, गोपाल ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

लाखों की चोरी का खुलासा, चौकीदार ही निकला चोर

हनुमानगढ़, (निसं)। टाउन की रामसिंह कॉलोनी स्थित सूने घर से लाखों रुपए की नकदी तथा जेवरात चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। कॉलोनी के सूने मकानों की सुरक्षा व संभाल का जिम्मा जिस चौकीदार रणजीतदास के पास था, वहीं चोरी की वारदात का मास्टरमाइंड निकला। उसने अन्य दो जनों को साथ लेकर सूने मकान से जेवरात व नकदी चुराए। पुलिस ने करीब एक माह पुराने इस प्रकरण में तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उनसे चुराई गई नकदी तथा जेवरात बरामदगी को लेकर पूछताछ कर रही है। साथ ही वारदात में अन्य की संलिप्तता की भी पड़ताल की जा रही है।

थाना प्रभारी रामचंद्र कस्वां ने बताया कि पांच जून को विकास जसूजा निवासी रामसिंह कॉलोनी ने मामला दर्ज कराया था कि वह परिवार सहित 27 जून को मकान के ताला लगाकर श्रीगंगानगर गया हुआ था। पीछे से किसी समय अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखे दो लाख तथा दो गुल्लक में जमा 50-50 हजार सहित कुल तीन लाख रुपए की नकदी चुरा ली। इसके अलावा चोर डेढ़ लाख रुपए कीमत की तीन सोने की अंगुठियां चुरा ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की जांच एचसी मनीष कुमार को सौंपी गई। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज आदि के आधार पर आरोपियों की पहचान की। इसके बाद आरोपी रणजीत उर्फ अलुवा, रोहित कुमार तथा अरुण कुमार को गिरफ्तार किया गया। रामसिंह कॉलोनी का चौकीदार रणजीत दास व उसके दोनों साथियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड मंजूर करवाया गया।

ज्वैलर्स के साथ लूट

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में बीती रात को एक ज्वैलर्स के साथ हुई लाखों की लूट के मामले में सीसीटीवी फुटैज के आधार पर पुलिस ने दो संदिग्धों को राउंडअप किया। कोटगेट पुलिस थाना क्षेत्र में मंगलवार रात को करीब नौ बजे एक युवक के साथ लूट की वारदात हुई थी। बताया जा रहा है कि 45 लाख रुपये के सोने-चांदी की लूट हुई है। रात को यह युवक अपने घर की ओर जा रहा था। उसी दरम्यान युवक के साथ लूट की वारदात हुई। इसकी सूचना मिलने के साथ चौखूंटी क्षेत्र में घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने सबसे पहले वहां लगे सीसीटीवी फुटैज खंगाले। एक लोहे के सरियों की दुकान में सीसीटीवी कैमरा लगा है, जिसमें बदमाशों के कैद होने की उम्मीद की जा रही है। इसके अलावा पुल के नीचे खड़ी एक कार पर भी शक जा रहा है। पता लगाया जा रहा है कि स्कूटी और कार का आपस में क्या संबंध है। लूट की सूचना मिलने के बाद एसपी के आदेश पर पूरे जिले की पुलिस इसमें जुट गई।

सोशल साइट पर धौलपुर के सैकड़ों लोगों से ठगी

धौलपुर, (निसं)। सोशल साइट पर लोगों को कंपनी में रुपए इन्वेस्ट करने और बाद में अच्छा रिटर्न देने का आश्वासन देकर धौलपुर जिले में सैकड़ो लोगों से ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। बताया जा रहा है

- **कंपनी में रुपए इन्वेस्ट करने और अच्छा रिटर्न देने का आश्वासन दिया था**

कि कंपनी लोगों से करीब डेढ़ करोड़ रुपए की ठगी कर चुकी है। जब लोगों को बुधवार दोपहर को ठगी के मामले का पता चला तो वे गुलाब बाग चौराहा स्थित एक कंप्यूटर सेंटर के पास एकत्रित हुए और यहां से पुलिस अधीक्षक कार्यालय धौलपुर पहुंचे।

पीड़ितों ने बताया कि टेलीग्राम पर ग्रुप बनाकर डीपी वर्ल्ड नाम से कंपनी का संचालन किया जा रहा था। इस कंपनी से धौलपुर जिले के सैकड़ों लोग जुड़े थे। कम्पनी के संचालकों ने भोले-भाले लोगों को लालच देकर कंपनी में रुपए इन्वेस्ट करवाए और अच्छा फायदा देने का लालच दिया, लेकिन किसी को भी फायदा नहीं दिया गया। जब इस फर्जीवाड़े का लोगों को पता लगा तो वे आक्रोशित होकर बुधवार दोपहर को गुलाब बाग चौराहा के पास एकत्रित हुए और यहां से पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। जहां लिखित में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पीड़ितों की ओर से शिकायती पत्र दिया गया है।

अधिकारियों की अनदेखी से लोगों को नर्सरी में पौधे नहीं मिल रहे!

पर्यावरण संरक्षण के नाम पर लीपापोती की जा रही है

चूरू, (कासं.)। जिला मुख्यालय पर वन विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के कारण लोगों को नर्सरी में पौधे ही नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में यहां पर्यावरण संरक्षण के नाम पर सिर्फ लीपापोती ही की जा रही है। यहां वन विभाग के उच्च अधिकारी एवं जिला प्रशासन पूरी तरह से बेखबर हैं। या जान-बूझकर अनजान बने हुए हैं, इस बात का पता नहीं।

- **लोगों के अनुसार भालेरी रोड पर आपणी योजना में स्थित नर्सरी में कार्यरत वन विभाग के कर्मचारी दिन में चार बजे ही पौधे देने से मना कर देते हैं**

जानकारी के अनुसार भालेरी रोड पर आपणी योजना में स्थित नर्सरी में कार्यरत वन विभाग के कर्मचारी दिन में चार बजे ही पौधे देने से मना कर देते हैं। इस कारण दूर-दराज से यहां पौधे लेने आने वालों को खाली हाथ ही वापस जाना पड़ता है। यहां चेतन प्रजापत ने बताया कि वे साढ़े चार बजे वन विभाग की नर्सरी में पौधे लेने गए थे, वहां मौजूद कर्मचारी ने पौधे देने से मना कर दिया और कहा कि कल ही आना।

इसी प्रकार सुरेन्द्र प्रजापत ने बताया कि वन विभाग वालों ने कहा कि तुलसी के पौधे नहीं हैं। वन विभाग के कर्मचारियों ने लोहे के गेट को अंदर से बंद कर लिया। बाहर लोगों की कतार लगी रही, परन्तु वन विभाग वालों ने किसी की भी सुनवाई नहीं की। इतना जरूर देखा गया कि वन विभाग के कर्मचारी के पास किसी तथाकथित बड़े व्यक्ति का फोन आने पर वे उन्हें पौधे बांटते हुए देखे गए। इस पर अन्य लोगों ने विरोध भी किया, जिसका उन कर्मचारियों पर कोई असर नहीं हुआ। वन विभाग एक तरफ तो पौधे लगाने के नाम पर अभियान चला रहा है, दूसरी ओर पौधे लेने के लिए आने वाले लोगों को पौधे तक नहीं मिल रहे हैं।

डॉ. पारस जैन को जान से मारने की धमकी देने के आरोपी से पूछताछ जारी

हनुमानगढ़, (निसं)। डॉक्टर पारस जैन को गैंगस्टर के नाम पर व्हाट्सएप कॉल व मैसेज कर जान से मारने की धमकी देकर फिरौती मांगने के मामले में गिरफ्तार आरोपी का अब से पहले का कोई अपराधिकफ्रकॉर्ड पुलिस जांच में सामने नहीं आया है। आरोपी से पूछताछ में पुलिस जुटी हुई है। वह दो जुलाई तक रिमांड पर है। टाउन थाना प्रभारी रामचन्द्र कस्वां ने बताया कि फिरौती मांगने के प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी हरीश (23) पुत्र हेतराम जाट निवासी वार्ड चार, खिलेरी बास फतेहगढ़ के किसी प्रकार से गैंगस्टरों के सम्पर्क में होने की बात सामने नहीं आई है। गैंगस्टरों के नाम से धमकी देने वाला आरोपी हरीश फिरौती के जरिए चिकित्सक से धन

- **गैंगस्टर के नाम पर डॉक्टर से फिरौती मांगने के आरोपी का पहले का नहीं है कोई आपराधिक रिकॉर्ड**
- **धमकी देने वाला आरोपी हरीश फिरौती के जरिए चिकित्सक से धन लेकर शीघ्र धनवान बनना चाहता था**

लेकर शीघ्र धनवान बनना चाहता था। पूर्व में हरीश के खिलाफ कोई आपराधिक प्रकरण भी दर्ज नहीं हैं।

गौरतलब है कि डॉ. पारस मल जैन (77) पुत्र दुलीचन्द जैन निवासी पूर्णनगर, टाउन ने 27 जून को मुकदमा दर्ज कराया था कि उसे पूर्व में 25 जनवरी 2023 से लगातार दो माह तक अनमोल बिश्नोई के नाम से व्हाट्सएप पर धमकी भरे मैसेज व वाइस कॉल प्राप्त हुई थी। इस संबंध में उसने टाउन पुलिस थाना में प्रकरण दर्ज करवाया था। उक्त प्रकरण में पुलिस की ओर से छह जनों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद से उसे धमकी भरे मैसेज, वाइस कॉल आनी बंद हो गए। अब 25 जून को उसके पास 1(778)748-1410 नम्बर से व्हाट्सएप पर कॉल आई। उक्त कॉल पर रोहित गोदारा का नाम लिखा हुआ था। इस कारण उसने कॉल रिसीव नहीं की। इसके बाद व्हाट्सएप नम्बर पर मैसेज आया जिसमें लिखा था कि अनमोल बिश्नोई बोलूं। इसके बाद दूसरा मैसेज आया जिसमें लिखा था कॉल उठा। अगले दिन 26 जून को उसी नम्बर से व्हाट्सएप पर कॉल आई जिसको उसने रिसीव नहीं किया। फिर व्हाट्सएप मैसेज आया जिसमें लिखा था जान प्यारी नहीं है क्या। फिर 27 जून को उसी नम्बर से पुन: व्हाट्सएप पर कॉल आई जिसको उसने रिसीव नहीं किया। डॉ. पारस मल जैन ने आरोप लगाया कि उसे रोहित गोदारा व अनमोल बिश्नोई के नाम से कॉल कर धमकी देकर पैसों की मांग की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था।

प्रेमी के साथ मिल पति की हत्या

बीकानेर, (निसं)। अवैध संबंधों के चलते महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति का गला दबाकर हत्या कर दी। यही नहीं वारदात को अंजाम देने के बाद महिला ने अपने ससुराल वालों को पति की तबीयत खराब होने का कहकर गुमराह किया। मामला अनूपगढ़ जिले के पुरानी घड़साना मंडी का है।

डीएसपी अमरजीत चावला ने बताया कि अवैध संबंधों के चलते कांता ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति विनोद कुमार पुत्र प्रहलाद की रस्सी से गला दबाकर हत्या कर दी। इस संबंध में मृतक के भाई दीपक कुमार ने हत्या का मामला थाने में दर्ज करवाया है। दूसरी ओर पुलिस ने आरोपी पत्नी कांता को डिटेन कर लिया है। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया कि गत मंगलवार को उसकी भाभी कांता उसके घर आई और बताया कि उसके भाई विनोद कुमार की तबीयत ज्यादा खराब हो रही है। विनोद कुमार को सांस लेने में तकलीफ हो रही है।

भाभी के कहने पर वह उनके घर गया और विनोद कुमार को घड़साना की अस्पताल लेकर आया। अस्पताल में चिकित्सकों ने बताया कि विनोद कुमार की मौत को हुए तीन-चार घंटे हो गए हैं और उसके गले पर रस्सी के निशान भी है। रिपोर्ट में बताया कि भाभी कांता के किसी व्यक्ति के साथ अवैध संबंध है। इन अवैध संबंधों के चलते पहले भी कई बार पंचायती हो चुकी है। इसी के कारण दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा होता था।

ससुर की हत्या करने वाले दामाद को उम्रकैद

बीकानेर, (निसं)। साढ़े सात साल पहले बीछवाल थाना क्षेत्र में हुई हत्या के मामले में न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश संख्या-1 की पीठासीन अधिकारी वमिता सिंह ने अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अभियुक्त को बीस हजार रुपए का अर्थदण्ड भी लगाया है। जुर्माना अदा नहीं करने पर अभियुक्त को छह महीने का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।

अपर लोक अभियोजक वाहिद अली सैयद के अनुसार अभियुक्त प्रेमप्रकाश पुत्र बृजलाल निवासी जांगलू ने करीब साढ़े सात साल पहले रामपुरा रेलवे फाटक के पास अपने ससुर भंवरलाल पर फायर करके उनकी हत्या कर दी थी। प्रकरण हत्या का था, इसलिए सेशन कोर्ट में विचाराणीय योग्य था। अभियुक्त के खिलाफ भारतीय दण्ड संहिता की धारा-302 और आयुध अधिनियम की धारा-3/25 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। इस प्रकरण में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 10 गवाहों के बयान करवाए गए। वहीं 34 दस्तावेज बतौर साक्ष्य पेश किए गए। न्यायालय ने समस्त गवाहों और साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए अभियुक्त प्रेमप्रकाश को दोषसिद्ध करार दिया। न्यायालय ने मृतक की पत्नी कमला देवी को पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत नियमानुसार प्रतिकर दिलाए जाने की अनुषंसा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पत्र प्रेषित करने के आदेश भी दिए।

- **साढ़े सात साल पहले बीछवाल थाना क्षेत्र में हुई भंवरलाल की हत्या का मामला**

प्रकरण के अनुसार 4 मई, 2016 को सतपाल की ओर से बीछवाल पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। जिसमें परिवादी की ओर से कहा गया था कि उसकी छोटी बहिन मंजू की शादी जांगलू निवासी प्रेमप्रकाश पुत्र बृजलाल के साथ की गई थी। मंजू के देहांत के बाद उससे छोटी बहिन राधा का विवाह प्रेमप्रकाश के साथ कर दिया गया था। शादी के दिन से प्रेमप्रकाश राधा को तंग परेशान करता था। जिस पर उसके पिता भंवरलाल और अन्य रिश्तेदारों ने समझाइश भी की लेकिन प्रेमप्रकाश नहीं माना। बाद में राधा की ओर से प्रेमप्रकाश पर दहेज के लिए तंग परेशान करने का मुकदमा दर्ज करवा दिया गया। जिससे प्रेमप्रकाश उसके परिवार से रंजिश रखने लगा था।

परिवादी के पिता भंवरलाल आरएसी में हवलदार पद पर थे और उस दौरान वे ट्रेनिंग सेन्टर में पदस्थापित थे। 4 मई, 2016 की शाम करीब सात बजे उसके पिता ड्यूटी पूरी कर अपने घर लौट रहे थे। वे रामपुरा रेलवे फाटक के पास पहुंचे ही थे कि वहां आए प्रेमप्रकाश ने उन पर देशी पिस्टल से दो-तीन फायर कर दिए। तब अस्पताल ले गए थे, जहां डॉक्टरों ने भंवरलाल को मृत घोषित कर दिया था।

कलेक्टर ने बनास नर्सरी का दौरा किया

शाहपुरा, (निसं)। जिला कलेक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत बुधवार को जहाजपुर उपखण्ड के दौरे पर रहे। ज़िला कलेक्टर शेखावत ने बनास नर्सरी पर पहुंच कर वहां तैयार हो रहे पौधों की समीक्षा की, जहां करीब 46 हज़ार पौधे पाये गये। शेखावत ने आठ जुलाई को आयोजित होने वाले वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत जहाजपुर क्षेत्र में अधिकाधिक पौधे लगवाने के संदर्भ में जहाजपुर एसडीएम से विस्तृत चर्चा की।

ज़िला कलेक्टर शेखावत इसके पश्चात पीपलूंद ग्राम पंचायत स्थित नर्सरी पहुंचे, जहां उन्होंने सरपंच वेदप्रकाश खटीक तथा वन विभाग द्वारा आठ जुलाई को 60 हज़ार पौधों को लगवाये जाने के संदर्भ में चल रहे पूर्व कार्यों को देखा तथा सरपंच की इस मुहीम की सराहना की। इस दौरान क्षेत्रीय वन अधिकारी जोगेंद्र सिंह शेखावत भी उपस्थित रहे। जहाजपुर दौरे के दौरान ज़िला कलेक्टर शेखावत अमरवासी स्थित शहीद भैरू राज़किय उच्च प्राथमिक विद्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने विद्यालय में स्टाफ द्वारा भामाशाह के रूप में स्टाफ द्वारा विद्यालय की प्रगति के किए दी जा रही राशि जैसे कार्यों की सराहना की। इसके पश्चात ज़िला कलेक्टर शेखावत ने अमरवासी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया। अमरवासी स्थित पीएचसी में ज़िला कलेक्टर ने लेबर रूम का निरीक्षण कर स्वच्छता की समीक्षा की।

विद्यार्थी व आमजन गंदे पानी में से होकर जाने को मजबूर

चार दिन से परेशान व्यापारियों ने सुभाष चौक पर रास्ता अवरुद्ध करके धरना-प्रदर्शन किया।

चूरू, (कासं.)। पिछले चार दिन से गंदे पानी से परेशान चूरू के व्यापारियों ने सुभाष चौक पर चारों ओर से रास्ता अवरुद्ध करके धरना-प्रदर्शन किया। यहां नगरपरिषद्, भाजपा व कांग्रेस के खिलाफ नारे लगाए गये। मौके पर पहुंची

- **गंदे पानी की निकासी की मांग को लेकर व्यापारियों ने प्रदर्शन किया**
- **व्यापारियों ने बताया कि जब तक इस समस्या का समाधान नहीं होगा, धरना जारी रहेगा**

आयुक्त ने व्यापारियों से समझाइश कर कहा कि आज शाम तक पानी की निकासी करवा दी जायेगी, लेकिन व्यापारियों व वार्डवासियों ने नगर परिषद् के खिलाफ जमकर नारेबाजी की, जिससे आयुक्त अभिलाषा सिंह ने नाराजगी जताई और वहां से ग्राउंड रिपोर्ट लेने के लिए रवाना हो गई।

जानकारी के अनुसार गन्दा पानी इकट्ठा होने से विद्यार्थियों को स्कूल जाने में भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, इससे विद्यार्थी गंदे पानी में से होकर जाने को मजबूर है। सुभाष चौक पर दो सीनियर स्कूल भी है। वहीं बागला स्कूल में परीक्षा होने के कारण जिले भर से आने वाले विद्यार्थियों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जावेद खान ने बताया कि पिछले कई वर्षों से यह समस्या बनी हुई है, पिछले चार दिन से घरों में तीन-तीन फीट तक पानी भरा पड़ा है। नगर परिषद् की मोटरें खराब पड़ी है। चैंबर खुले पड़े हैं, जिससे कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। खम्भों में करंट आ रहा है। बार-बार प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। कई वार्डों के लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। वे ना तो कोई राशन का सामान ला सकते हैं और ना ही कहीं कोई जरूरी काम से जा सकते हैं। मोहल्ले में चारों और पानी ने नदी का रूप ले रखा है। व्यापारी अपनी दुकानें भी नहीं खोल पा रहे हैं, जिससे उनको काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। व्यापारियों ने बताया कि जब तक इस समस्या का समाधान नहीं होगा, तब तक धरना जारी रहेगा।

ऐडन मार्कराम टी20 विश्व कप के फाइनल में पहली बार पहुंची टीम का नेतृत्व करने में रणनीतिक रूप से माहिर थे। मार्कराम की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका का अभियान शानदार रहा जिसमें टीम को एकमात्र हार सिर्फ फाइनल में मिली। - ग्रीम स्मिथ

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान, मार्कराम की कप्तानी की तारीफ की।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हार्दिक पंड्या

टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को बड़ा फायदा हुआ है। दरअसल, टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की तरफ से अहम योगदान निभाने वाले पंड्या ने वानिंदु हसरंगा को पछाड़ दिया है। जिसके बाद आईसीसी टी-20 रैंकिंग में हार्दिक पंड्या दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर बन गए हैं। ये पहली बार है जब हार्दिक पंड्या पहली बार आईसीसी टी-20 ऑलराउंडर रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किए हैं। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत की तरफ से हार्दिक पंड्या ने बल्ले और गेंद दोनों से कमाल किया। साथ ही उन्होंने आखिरी ओवर में 2 विकेट लिए और भारत को ये जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

क्या आप जानते हैं ?... सबसे कम टेस्ट मैचों में 3000 रन बनाने और 350 विकेट लेने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के इमरान खान के नाम है। इमरान ने मात्र 79 टेस्टों में 3282 रन बनाए व 351 विकेट लिये।

तुर्की ने ऑस्ट्रिया को हराया, यूरो कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

बर्लिन, 3 जुलाई। डेमिरल के दो गोल की बदौलत तुर्की ने मंगलवार को ऑस्ट्रिया को 2-1 से हराकर यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरोकप 2024) के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। मेरिह डेमिरल ने तुर्की की ओर से दोनों गोल दागे जिसमें अंतिम क्षण में यानी की 57 सेकेंड में किया गया गोल भी शामिल है। गोलकीपर मर्ट गुनोक ने दूसरे हाफ में इंजरी टाइम में शानदार बचाव करते हुए तुर्की की जीत सुनिश्चित की और टीम ने ऑस्ट्रिया को 2-1 से हरा दिया। मैच की शुरुआत तुर्की की नाटकीय ढंग से हुई जिसमें डेमिरल ने टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में केवल 57 सेकंड में सबसे तेज गोल किया। इसके बाद ऑस्ट्रिया ने तुर्की के कई जवाबी हमले किये, लेकिन तुर्क की रक्षापंक्ति के आगे वे उसमें विफल रहे। तुर्क की ओर मेरीह डेमिरल ने खेल के 57वें सेकेंड और 59वें मिनट में गोल दागा। ऑस्ट्रिया की ओर से माइकल ग्रेगोरिच ने खेल के 66वें मिनट में गोल किया। तुर्की अब शनिवार को क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से भिडेगा।

कोलंबिया और ब्राजील ने 1-1 से ड्रॉ खेला, दोनों कोपा अमेरिका के क्वार्टरफाइनल में

सेंटा क्लारा, 3 जुलाई। डेनियल मुनोज के पहले हाफ के इंजरी टाइम में दागे गोल की मदद से कोलंबिया ने ब्राजील को 1-1 से बराबरी पर रोककर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप डी में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ब्राजील की टीम भी दूसरे स्थान पर रहते अंतिम आठ में जगह बनाने में सफल रही। राफिन्हा ने 12वें मिनट में ब्राजील को बढ़त दिलाई लेकिन मुनोज ने पहले हाफ के इंजरी टीम में गोल करके स्कोर 1-1 कर दिया जिसके बाद दोनों ही टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। इस ड्रॉ से कोलंबिया ने अपने अजेय अभियान को 26 मैच तक पहुंचाया। कोलंबिया की टीम तीन मैच में दो जीत और एक ड्रॉ से सात अंक के साथ शीर्ष पर रही। ब्राजील ने एक जीत और दो ड्रॉ से पांच अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। पराग्वे (शून्य अंक) को 2-1 से हराने के बावजूद कोस्टा रिका (चार अंक) की टीम तीसरे स्थान पर रहते हुए टूर्नामेंट से बाहर हो गई। कोलंबिया शनिवार को क्वार्टर फाइनल में पनामा से भिड़ेगा जबकि ब्राजील का सामना इसी दिन उरुग्वे से होगा।

विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली, 3 जुलाई। लंबे समय से विवादों में घिरीं देश की सुप्रिद्ध पहलवान विनेश फोगाट ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में होने जा रहे ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हालिया वर्षों में भारत से उभरे बेहतरीन पहलवानों में से एक के तौर पर विनेश फोगाट ने मैट पर अपना शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए कुश्ती की विरासत को आगे बढ़ाने का काम किया है।

दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट ने राष्ट्रमंडल खेल में तीन स्वर्ण, विश्व चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक और एशियाई खेल में एक स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं। उन्हें 2019 में विश्व चैंपियनशिप कांस्य के अलावा 2021 में एशियाई चैंपियन का ताज पहनाया गया था।

25 अगस्त 194 को हरियाणा के बलाली गांव में विनेश फोगाट का जन्म हुआ। विनेश का जन्म भारत के सबसे प्रसिद्ध कुश्ती परिवार में हुआ। विनेश के ताऊ जी महावीर सिंह ने फोगाट बहनों को बहुत कम उम्र से ही इस खेल से परिचय करा दिया था। विनेश भी अपनी चचेरी बहनों गीता फोगाट और बबीता कुमारी के नक्शेकदम पर चल पड़ीं।

जब फोगाट बहनों ने कुश्ती करना शुरू किया तो हरियाणा के गांव में लड़कियों को कुश्ती सिखाने के बारे में सोचा भी नहीं जाता था। उन्हें और उनके माता पिता को ताने दिए जाते थे। लेकिन जब विनेश केवल छह साल की थीं, तो उनके ताऊजी महावीर फोगाट ने घर की लड़कियों को पहलवानी सिखाने की ठान ली। ये इतना आसान नहीं थी। महज़ नौ साल की उम्र में विनेश के पिता का अचानक निधन हो गया।

2014 कॉमनवेल्थ गेम्स में विनेश फोगाट ने अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता। उन्होंने स्वर्ण जीता तो ओलंपिक खेलों में कदम रखने के लिए आत्मविश्वास बढ़ा। फिर 2016 रियो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। हालांकि उस दौरान वह पदक जीतने से चूक गईं। लेकिन इसके बाहर उन्होंने 2018 में राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में स्वर्ण हासिल किया।

इंग्लैंड के महान क्रिकेटर सर बॉयकॉट दूसरी बार कैंसर की चपेट में, करायेंगे सर्जरी

लंदन, 3 जुलाई। इंग्लैंड के महान क्रिकेटर सर ज्योफ्री बॉयकॉट को दूसरी बार गले के कैंसर का पता चला है जिसकी वह सर्जरी करायेंगे। 'द

टेलीग्राफ' को 83 वर्षीय खिलाड़ी ने एक बयान में कहा, "पिछले कुछ हफ्तों में मेरा एक एमआरआई स्कैन, सीटी स्कैन, एक पीईटी स्कैन और दो बायोप्सी हुई हैं जिसमें पुष्टि हुई है कि मुझे गले का कैंसर है जिसकी सर्जरी की जरूरत होगी।" इसमें उन्होंने कहा, "बीते अनुभव से मुझे महसूस हुआ है कि दूसरी बार कैंसर से निपटने के लिए मुझे बेहतरीन चिकित्सा की जरूरत होगी और अगर भाग्य साथ देगा और सर्जरी सफल रहती है तो हर कैंसर मरीज जानता है कि उन्हें वापसी की उम्मीद में ही जीना होता है।" इंग्लैंड के इस सलामी बल्लेबाज ने 108 टेस्ट में 8114 रन बनाये हैं, उन्हें पहली बार 2002 में 62 साल की उम्र में कैंसर से पीड़ित पाया गया था। उन्होंने कहा, "मैं यह सर्जरी कराऊंगा और बेहतर होने की उम्मीद करता हूं।

'सर्विस वैरिएशन' की चुनौती से पार पाने के बाद ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद : सात्विक और चिराग

नई दिल्ली, 3 जुलाई। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी 'सर्विस वैरिएशन' चुनौती से पार पाने के बाद आगामी पेरिस ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से 'शारीरिक और मानसिक अनुकूलन' पर फोकस बनाये हुए हैं।

सात्विक (23 वर्ष) और चिराग (26 वर्ष) की जोड़ी को अपने प्रतिद्वंद्वी की सर्विस में बहुत सारी विविधता जैसे 'टंबल', 'स्पिन' और 'वाइड' से परेशानी होती रही है जिसमें विशेष रूप से कोरियाई और इंडोनेशियाई जोड़ियां शामिल हैं जिन्होंने हाल के टूर्नामेंट में इनका इस्तेमाल किया। चिराग ने कहा कि उन्होंने इस नयी चुनौती से पार पा

लिया है और पेरिस ओलंपिक के दौरान इससे निपटने के लिए आत्मविश्वास से भरे हैं।

चिराग ने पीटीआई को दिये 'ईमेल' साक्षात्कार में कहा, "जहां तक सर्विस वैरिएशन का संबंध है तो यह नयी चुनौती है लेकिन इसे पूरी तरह से महत्वपूर्ण मानना भी सही नहीं होगा।" उन्होंने कहा, "ऐसा भी समय था जब हम इसका सामना करने से जूझते रहे थे लेकिन हमने आखिरकार इससे पार पा लिया है। हम जानते हैं कि इससे कैसे निपटना है, हम इसका अभ्यास कर रहे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि हम ओलंपिक में इसका सामना करने में मजबूत साबित होंगे।"

दुनिया की मौजूदा तीसरे नंबर की जोड़ी पिछले ओलंपिक में अपने ग्रुप के तीन में से दो मैच जीतने के बावजूद क्वार्टरफाइनल में पहुंचने से चूक गयी थी। सात्विक ने कहा, "टोक्यो ओलंपिक में खेलने का अनुभव पेरिस ओलंपिक की हमारी तैयारियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस तरह के ऊंचे स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने से हमें महत्वपूर्ण सीख मिली कि दबाव से कैसे निपटा जाये, फोकस कैसे रखा जाये और खेलने की विभिन्न परिस्थितियों के अनुकूल किस तरह हुआ जाये।

भारत-पाक मैच एक मार्च को, बीसीसीआई की सहमति अभी बाकी

नई दिल्ली, 3 जुलाई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने चैम्पियंस ट्राफी के अस्थायी कार्यक्रम में अपनी टीम का चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ मैच अगले साल एक मार्च को रखा है, हालांकि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने अभी तक इस पर सहमति नहीं दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड के एक सीनियर सदस्य ने बुधवार को पीटीआई को यह जानकारी दी।

टूर्नामेंट अगले साल 19 फरवरी से नौ मार्च तक खेला जायेगा जिसमें 10 मार्च 'रिजर्व डे' होगा। पता चला है कि पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने 15 मैच का कार्यक्रम सौंप दिया है जिसमें भारत के मैच सुरक्षा और 'लाजिस्टिकल' कारणों से लाहौर में ही रखे गये हैं। नकवी को टी20 विश्व कप फाइनल देखने के लिए बारबाडोस में आमंत्रित किया गया था। आईसीसी बोर्ड के सदस्य ने कहा, "पीसीबी ने आईसीसी चैम्पियंस ट्राफी के 15 मैच के कार्यक्रम का मसौदा सौंप दिया है जिसमें सात मैच लाहौर में, तीन मैच कराची में और पांच मैच रावलपिंडी में रखे गये हैं।" सूत्र ने कहा, "पहला मैच कराची में रखा गया है जबकि दो सेमीफाइनल कराची और रावलपिंडी में जबकि फाइनल लाहौर में कराया जायेगा। भारत के सभी मैच (टीम के क्वालीफाई करने के स्थिति में सेमीफाइनल सहित) लाहौर में रखे गये हैं।"

भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं। हाल में आईसीसी के टूर्नामेंट प्रमुख क्रिस टेटले ने पीसीबी चेयरमैन नकवी से इस्लामाबाद में मुलाकात की थी। इससे पहले विश्व संस्था की सुरक्षा टीम ने स्थल और अन्य इंतजामों का मुआयना किया था। पिछली बार पाकिस्तान ने 2023 में 'हाइब्रिड मॉडल' के हिसाब से एशिया कप की मेजबानी की थी जिसमें भारत ने अपने मैच श्रीलंका में खेले थे क्योंकि सरकार ने खिलाड़ियों को सीमा के बाहर यात्रा करने की अनुमति नहीं दी थी।

सुब्रतो कप के लिए चयन ट्रॉयल आयोजित

चंडीगढ़, 3 जुलाई। वायु सेना स्टेशन चंडीगढ़ ने बुधवार को सुब्रतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के 63वें संस्करण के लिए जूनियर (अंडर-17) लड़कों के लिए चयन ट्रायल का शुभारंभ किया। इस फुटबॉल टूर्नामेंट में वायुसेना मुख्यालय और छह वायुसेना कमांड की विजेता टीमें भाग ले रही हैं। मैच तीन जुलाई से छह जुलाई तक लीग-कम-नॉकआउट आधार पर खेले जाएंगे।

अर्जेंटीना की ओलंपिक टीम में मेसी को नहीं किया शामिल

नई दिल्ली, 3 जुलाई। दुनिया के बेहतरीन फुटबॉलर लियोनेल मेसी इस महीने के अंत में पेरिस में शुरू होने वाले ओलंपिक में अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम का हिस्सा नहीं होंगे। कोच जेवियर माशेयरानो ने मंगलवार को घोषित टीम में वर्ल्ड कप विजेता टीम के चार सदस्यों को जगह दी जिसमें स्ट्राइक जूलियन

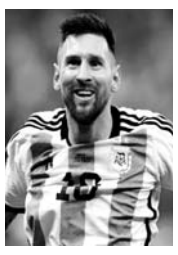

अल्वारेज और डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी शामिल हैं। इस साल चोटों से जूझ रहे 37 वर्षीय मेसी अभी कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। टीम का लक्ष्य 2021 में जीते गए महाद्वीपीय खिताब का बचाव करना है। अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका जीतने के बाद 2022 में वर्ल्ड कप भी जीता था। मेसी ने अपने एकमात्र ओलंपिक अभियान में 2008 में बीजिंग में टीम को गोल्ड मेडल दिलाने में मदद की थी। ओलंपिक पुरुष फुटबॉल टूर्नामेंट अंडर-23 टीम के लिए होता है लेकिन प्रत्येक टीम में तीन ज्यादा उम्र के खिलाड़ियों को खिलाने की अनुमति दी जाती है। वर्ष 2004 और 2008 में खिलाड़ी के तौर पर ओलंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाले माशेरानो कोपा अमेरिका खत्म होने के बाद गोलकीपर गेरोनिमो रूली, ओटामेंडी और अल्वारेज को टीम में शामिल करेंगे। हाल ही में रिवर प्लेट से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए मिडफील्डर क्लॉडियो एचेवेरी भी टीम में शामिल होंगे। अर्जेंटीना 24 जुलाई को मोरक्को के खिलाफ ओलंपिक फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले माच से पूर्व फ्रांस में दो मैत्री मैच खेलेगा। अर्जेंटीना और मोरक्को के अलावा इराक और यूक्रेन को ग्रुप बी में जगह मिली है।

सुमित नागल विंबलडन पुरुष युगल के पहले राउंड में हारकर हुये टूर्नामेंट से बाहर

लंदन, 3 जुलाई। भारत के टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल और सार्बिया डुसान लाजोविच की जोड़ी को बुधवार को पुरुष युगल स्पर्धा के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही उनका टूर्नामेंट में अभियान खत्म हो गया। एक घंटे सात मिनट तक चले मुकाबले में नागल और लाजोविच की जोड़ी को जाउमे मुनार और पेड्रो मार्टिनेज की स्पेनिश जोड़ी ने 6-2, 6-2 से हराया। नागल सोमवार को विंबलडन के पुरुष एकल के पहले दौर में केसमानोविच के खिलाफ चार सेट चले मुकाबले में 2-6, 6-3, 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा।

मैच के दौरान बैडमिंटन खिलाड़ी की मौत

इंडोनेशिया में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट के दौरान आया हार्ट अटैक, पीवी सिंधु ने जताया शोक

इंडोनेशिया, 3 जुलाई। इंडोनेशिया में एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के दौरान कोर्ट पर गिरने से 17 वर्षीय चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी की मौत हो गई। खिलाड़ी का नाम झांग झिजी है जिसकी बैडमटिन कोर्ट में हार्ट अटैक से मौत हो गई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वहीं इस घटना पर भारतीय बैडमटिन स्टार पीवी सिंधु ने भी सोशल मीडिया भी दुखी नजर आई। यह घटना रवबिार देर रात की है। झांग झिजी ने किंडरगार्टन में बैडमिंटन खेलना शुरू किया और पिछले साल उन्हें चीन की नेशनल यूथ टीम में शामिल किया गया। इंडोनेशिया में एक टूर्नामेंट के दौरान कोर्ट पर चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी पहले बेहोश हुआ और फिर उसे हार्ट अटैक आया जिससे उसकी मौत हो गई।

विम्बलडन के दूसरे दिन बड़ा उलटफेर

मौजूदा चैम्पियन वोंद्रोसोवा को जेसिका बूजास मैनीरो ने हराया

लंदन, 3 जुलाई। विम्बलडन के दूसरे दिन ही बड़ा उलटफेर हुआ है। मौजूदा चैंपियन मार्केटा वोंद्रोसोवा विम्बल्डन के पहले ही दौर से बाहर हो गई है। इसके साथ ही वो बीते 30 साल में विम्बलडन के पहले दौर में हारने वाली पहली महिला डिफेंडिंग चैंपियन बन गई हैं। 30 साल पहले 1994 में पहली बार स्टेफी ठााफ को लोरी मैकनील ने इसी तरह विम्बलडन के शुरुआती राउंड में ही बाहर का रास्ता दिखाया था।

चेक रिपब्लिक की 25 साल की मार्केता वोंद्रोसोवा सीधे सेटों सीधे सेटों में विश्व की 83वीं रैंक की खिलाड़ी स्पेन की 21 साल की जेसिका बूजास मैनीरो से हार गईं। मार्केता वोंद्रोसोवा 67 मिनट के अंदर मैनीरो से 6-4, 6-2 से हारी। अपनी 2023 की सफलता से पहले मार्केता वोंद्रोसोवा ने 19 में केवल एक मुख्य-ड्रा मैच जीता था और दो सप्ताह पहले बर्लिन में उन्हें चोट लगी थी। दुनिया की छठे नंबर की वोंद्रोसोवा ने टूर्नामेंट से पहले जोर देकर कहा था कि वह पूरी तरह से फिट हैं, लेकिन उनके पहले सर्विस गेम में तीन डबल-फॉल्ट हुए। इसके बाद वो संभल नहीं पाईं

स्पेन की 21 साल की जेसिका पहली बार किसी ठौंडस्लैम के मुख्य दौर में पहुंची थीं और उन्होंने गत चैंपियन खिलाड़ी को हरा दिया। हारने के बाद वोंद्रोसोवा काफी निराश दिखीं। दूसरी तरफ जेसिका अपनी इस उपलब्धि का जश्न मनाने से खुद को नहीं रोक सकीं और टेनिस कोर्ट पर ही उछल पड़ीं। वोंद्रोसोवा ने मैच में सात डबल फॉल्ट किए, वहीं जेसिका ने गत चैंपियन खिलाड़ी की पांच बार सर्विस तोड़ी और मुकाबले को एकतरफा बना दिया।

ऑस्ट्रेलिया अफगानिस्तान के साथ कोई द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेलेगा : सीए

सिडना, 3 जुलाई। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तालिबान सरकार के महिलाओं के अधिकारों के संबंध में अपने पिछले रुख पर कायम रहते हुए दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज खेलने से इंकार किया। सीए के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा कि इस मामले पर अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के साथ 'नियमित बातचीत' हुई है और उम्मीद है कि दोनों पक्ष 'भविष्य में कभी भी' एक-दूसरे के साथ खेल सकेंगे।

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण देश और सीनियर खिलाड़ियों का सच्चा सम्मान होगा : हरमनप्रीत

नई दिल्ली, 3 जुलाई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह आगामी पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के लिए बेताब हैं जो देश और इस खेल दिग्गज खिलाड़ियों के लिए सच्चा सम्मान होगा। ओलंपिक में आठ बार के चैंपियन भारत ने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत कर 41 वर्षों के लंबे इंतजार को खत्म किया था। हरमनप्रीत की अगुवाईवाली टीम का लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है। हरमनप्रीत ने जिओ सिनेमा के एक कार्यक्रम में कहा, "हम अपने इतिहास और विरासत को आगे बढ़ाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। स्वर्ण पदक जीतना भारत और हमारे सीनियर खिलाड़ियों के लिए सच्चा सम्मान होगा।" टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कप्तान रहे मनप्रीत सिंह ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त किये। मनप्रीत ने कहा, "दाहिनी तरफ जब मैंने तिरंगा देखा तो मुझे लगा कि अगली बार हम अधिक मेहनत करके अपने तिरंगा को बीच में देख सकते हैं और तब हमारा राष्ट्रगान भी बज रहा होगा। यह हमारी यात्रा की शुरुआत है।" अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहां, "आपको हराने के लिए कहीं कोई कड़ी मेहनत कर रहा है। यह सोचकर मैं और कड़ी मेहनत करने लग जाता हूं। जब भी मैं अभ्यास करता हूं तो यह सोचता हूं कि मुझे अपने देश के एक अरब 40 करोड लोगों को निराश नहीं करना है।

पीएम आवास में विश्वकप नायकों के भव्य स्वागत की तैयारी

नयी दिल्ली, 3 जुलाई। टी-20 विश्वकप जीतकर स्वदेश लौट रही भारतीय क्रिकेट टीम का प्रधानमंत्री आवास में भव्य स्वागत के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मुंबई में विजय यात्रा की तैयारी है। चैंपियन टीम को लेकर विशेष चार्टर्ड विमान 'चैंपियंस वर्ल्ड कप 24' कुल सुबह दिल्ली पहुंचेगा। भारतीय टीम हवाई अड्डे से पहले होटल जाएगी। इसके बाद 11 बजे प्रधानमंत्री आवास पहुंचेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व्यक्तिगत रूप से चैंपियंस टीम का स्वागत करेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने सोशल पोस्ट में कहा, टीम इंडिया के सम्मान में होने जा रही विक्ट्री परेड में हमारा साथ दें और गुरुवार शाम पांच बजे मरीन ड्राइव और वानखेड़े में हमारे साथ सेलिब्रेट करें। बीसीसीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मीडिया के साथ बातचीत में टीम की स्वदेश वापसी की भव्य तैयारियों की जानकारी साझा करते हुए कहा, हमने कोई कसर नहीं छोड़ी है। तूफान के कारण चार दिनों तक फंसे रहने के बाद टीम को विशेष विमान से वापस लाया जा रहा है। हम उन पत्रकारों को भी वापस ला रहे हैं, जो इस कार्यक्रम को कवर करने के लिए वहां गये थे।

राजीव शुक्ला ने कहा कि चार जुलाई को सुबह छह बजे विमान दिल्ली पहुंचेगा। सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री के आवास पर एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया जाएगा। जहां खिलाडी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे। इसके बाद मुंबई पहुंचने पर एक खुली बस रोड शो में चैंपियन टीम नरीमन पॉइंट से वानखेड़े स्टेडियम तक परेड करेंगे। उन्होंने कहा कि विजयी टीम का भव्य सम्मान समारोह होगा और उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए के लिए टीम को 125 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, हालांकि इस बार रोड शो अपेक्षाकृत छोटा होगा, जो केवल एक किलोमीटर का होगा, लेकिन यह हमारे लिए बहुत गर्व और खुशी का प्रतीक है कि 12 साल के लंबे अंतराल के बाद आखिरकार विश्व कप घर आ रहा है।

डब्लूयीबीबीएल के अगले सत्र में मैरिजान कप्प मेलबर्न स्टार्स के लिये खेलेगी

मेलबन, 3 जुलाई। दक्षिण अफ्रीका महिला टीम की ऑलराउंडर मैरिजान कप्प महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के नये सत्र में मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलती नजर आयेगी। महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के नये सत्र से पहले मैरिजान ने मेलबर्न स्टार्स के लिए तीन साल का अनुबंध किया है।

अनुबंध को लेकर कप्प ने कहा, मैं जेबी के साथ कुछ वर्षों से काम कर रही हूं और जाहिर है कि मेग के साथ काम करना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है, मुझे उनके काम करने का तरीका पसंद है। मेलबर्न स्टार्स के जनरल मैनेजर ब्लेयर क्राउच ने कहा, मैरिजान दुनिया की सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडरों में से एक हैं, जिनका घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर शानदार रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि बल्ले और गेंद दोनों में उनकी प्रतिभा के साथ-साथ वह डब्ल्यूबीबीएल 10 के लिए हमारी युवा टीम का हिस्सा बन कर टीम में अमूल्य अनुभव जोड़ेंगा।

उल्लेखनीय है कि कप्प इससे पहले सिडनी सिक्सर्स के लिए भी खेल चुकी हैं, जहां वह लगातार दो खिताबों का हिस्सा थीं। वह पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए भी खेल चुकी हैं। उन्हें 2021-22 सत्र में प्लेयर ऑफ द फाइनल चुना गया था।

सिफ्त कौर ने डॉक्टरी की पढ़ाई छोड़कर शूटिंग में बनाया करियर, अब पेरिस में दिखायेंगी दमखम

नई दिल्ली, 3 जुलाई। आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में सिफ्त कौर समरा ने भारत को शूटिंग में ओलंपिक कोटा दिलाने में सफलता हासिल की है। उन्होंने डॉक्टरी छोड़ फिजिकल एजुकेशन में एडमिशन लिया था और अब देश का नाम रोशन कर रही हैं। सिफ्त ने एमबीबीएस पर देश के लिए पदक जीतने को वरीयता दे डाली। 2021 में फरीदकोट के मेडिकल कॉलेज में नीट के जरिए एमबीबीएस में दाखिला लेने वाली सिफ्त के सामने ऐसा समय आया जब उन्हें एमबीबीएस और शूटिंग में से एक को चुनना था। ऐसे में उन्होंने शूटिंग को वरीयता देते हुए एमबीबीएस की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। अब सिफ्त कौर पेरिस में भारत का झंडा गाड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

सिफ्त कौर समरा का जन्म 9 सितंबर 2001 को एक जाट सिख परिवार में पंजाब के फरीदकोट जिले में हुआ था। 23 साल की सिफ्त कौर समरा के पिता पवनदीप सिंह किसान हैं। वह फरीदकोट की जीजीएस मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थीं। शूटिंग के साथ पढ़ाई मुश्किल हो रही थी। कॉलेज भी सिफ्त को सपोर्ट नहीं कर रही थी। इसकी वजह से सिफ्त ने डॉक्टरी की पढ़ाई ही छोड़ दी। अब उनका पूरा फोकस शूटिंग पर ही है। ह बताती हैं कि शूटिंग के चलते 80 प्रतिशत उपस्थिति पूरी नहीं होने के चलते वह एमबीबीएस की परीक्षाएं नहीं दे पाई थीं। उस दौरान भी उनके सामने बड़ा धर्मसंकट था कि परीक्षाएं चुनें या शूटिंग, उन्होंने तब भी शूटिंग को चुना।

विधानसभा में बुधवार को अन्तराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस के अवसर पर सदस्यों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्लास्टिक बैग के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने तथा आमजन को भी इस हेतु जागरूक करने का संकल्प लिया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सदस्यों को यह संकल्प दिलाया और अपील की कि सभी संवेदनशील होकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करें। प्लास्टिक बैग के स्थान पर पर्यावरण अनुकूल विकल्पों जैसे कपड़े के बने थैले अथवा बायोडीग्रेडेबल बैग का इस्तेमाल करें। उन्होनें सभी सदस्यों से प्लास्टिक बैग्स का न्यूनतम प्रयोग, इसके उचित निस्तारण के लिए संवेदनशील होने तथा अपने आस-पास के लोगों को भी प्लास्टिक बैग के कम से कम उपयोग और पर्यावरण पर प्लास्टिक के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने का आव्हान किया।

जयपुर में मानसून की पहली ही बारिश में जनजीवन अस्त-व्यस्त

बुधवार शाम 5 बजे तेज मूसलाधार बारिश शुरु हुई जो दो घंटे तक चली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 3 जुलाई। राजस्थान में मानसून के प्रवेश के बाद बुधवार शाम को जयपुर में करीब 2 घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई। तेज बारिश के कारण देखते ही देखते सड़कों पर भारी जलभराव हो गया। इससे पैदल राहगीरों के साथ-साथ दुपहिया व चौपहिया वाहनों का निकलना मुश्किल हो गया।

मौसम विभाग के कलैक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रुम के अधिकारियों का कहना है कि शाम 5 बजे के बाद अगली सुबह बारिश मापी जाती है, इस कारण कितनी बारिश हुई, इसका आंकड़ा फिलहाल सामने नहीं आया है। हालांकि मौसम विभाग ने रात साढ़े 8 बजे तक जयपुर एयरपोर्ट पर 10.7 मि.मी. बारिश दर्ज की है।

बारिश के कारण सबसे ज्यादा खस्ता हालात जयपुर-सीकर हाईवे स्थित ढेहर के बालाजी क्षेत्र में रहे। यहां बी.आर.टी.एस. कॉरिडोर समेत दोनों तरफ की सड़क जलमग्न हो गयी। देखते ही देखते लोग अपनी कार-बाइक छोड़कर बस स्टॉप और सड़क के दोनों तरफ बनी दुकानों पर चढ़कर खुद को बचाते दिखे। तेज बारिश के कारण जलभराव में सीकर रोड पर कई वाहन डूब गए। ऐसे ही हालात निवारू रोड, मुरलीपुरा, कालवाड़ रोड, खिरणी फाटक, 200 फीट अजमेर चौराहा, टोंक रोड, पानीपेच, व चौमूं पुलिया के आसपास भी रहे। राजापार्क, चांदपोल और एम.आई.रोड पर भी जलभराव के कारण आवागमन अवरुद्ध हो गया। शहर के तमाम प्रमुख मार्गों पर देर रात तक टैफिक जाम रहा।

दरअसल बुधवार सुबह से ही जयपुर शहर में तेज उमस व गर्मी का आलम था। अलसुबह से शहर के आसमां पर काले बादलों ने डेरा डाल रखा था। शाम करीब 5 बजे अचानक मौसम में बदलाव आया और हल्की बारिश शुरू हुई। देखते ही देखते बारिश की बौछारें तेज हुई और शहर में राहत के साथ-साथ आफत भी आ पहुंची। तेज बारिश ने जयपुर शहर के ड्रेनेज और सफाई के दावों की हकीकत सामने लाकर रख दी।

निवारू रोड पर टूटी सड़क पर जैसे ही जलभराव हुआ तो कई दुपहिया और चौपहिया वाहन गड्ढों में फंस गए, जिन्हें बाहर निकालने के लिए क्रेन तक बुलानी पड़ गई। जयपुर रेलवे स्टेशन पर पटरियां भी जलमग्न हो गई।

मालवीय नगर अंडरपास में 2-3 फीट तक पानी भर गया। इसी दौरान यहां गुजर रहा एक सवारी टैम्पो पानी में फंस गया, सवारियों ने ऑटो की छत पर चढ़कर खुद की जान बचाई। मालवीय नगर में ही वर्ल्ड ट्रेड पार्क के पास बारिश के कारण सड़क धंस गई। यहां लगा बिजली का खंभा भी सड़क की दिशा में झुक गया।

- **भारी बारिश के कारण जयपुर की मुख्य सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया।**
- **देर रात तक सड़कों पर जलभराव के कारण लोग फंसे रहे, गाडियाँ भी डूबी।**
- **जयपुर-सीकर रोड़, चौमूं पुलिया, नारायण सिंह सर्किल, त्रिमूर्ति सर्किल व पानीपेच से एम.आई. रोड़ तक भारी ट्रैफिक जाम में देर रात लोग परेशान देखे गए।**
- **मौसम विभाग ने जयपुर एयरपोर्ट पर 10.7 मि.मी. बारिश आंकी, कंट्रोल रूम कलैक्ट्रेट ने गुरुवार सुबह बारिश का आंकड़ा देने की बात कही।**

राज्य विधानसभा का दूसरा सत्र शुरु

जयपुर, 3 जुलाई (वि.सं.)। राजस्थान विधानसभा के द्वितीय सत्र के पहले दिन बुधवार को विधानसभा में गुजरात, त्रिपुरा एवं मिज़ोरम की पूर्व राज्यपाल स्व. कमला बेनीवाल, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. मनोहर जोशी, विधानसभा के पूर्व सरकारी मुख्य सचेतक स्व. महावीर प्रसाद जैन सहित सदन के दिवंगत हुए पूर्व सदस्यों, विशिष्टजनों को श्रद्धांजलि दी गई।

- **पहले दिन पूर्व राज्यपाल स्व. कमला बेनीवाल तथा अन्य दिवंगत हस्तियों और हाथरस के हादसे में मारे गए लोगों को श्रृद्धांजलि दी गई।**

हाथरस हादसे में मृत लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

सदन में इस दौरान सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को शांति और उनके परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

बी.आर.एस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यापक अनुभव है और उन्हें विश्वास है कि उनके कांग्रेस में आने से पार्टी को उनके अनुभव का फायदा होगा। राव तेलंगाना के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं। वह तीसरी बार वर्ष 2020 में बी.आर.एस. के राज्यसभा सदस्य बने थे।

सब इंस्पैक्टर भर्ती परीक्षा फर्जीवाड़ा, तीनों गिरफ्तार आरोपी 4 दिन की रिमांड पर

सब इंस्पैक्टर भर्ती परीक्षा फर्जीवाड़े की जांच कर रहे स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया

जयपुर, 3 जुलाई। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 समेत छह से ज्यादा प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में तीन आरोपियों ओमप्रकाश ढाका, सुनील बेनीवाल और शम्मी बिश्नोई जोधपुर पुलिस की साइक्लोन टीम मदद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ढाका और बेनवाल हैदराबाद में फ्लैट में रह कर फरारी काट रहे थे। वहीं शम्मी बिश्नोई वृंदावन स्थित बरसाना में रह रही थी।

- **महिला टीचर शम्मी बरसाना और ओमप्रकाश ढाका व सुनील बेनीवाल हैदराबाद में फरारी काट रहे थे।**
- **पुलिस टीम ने कई दिनों तक रेकी करने के बाद गैस की सप्लाई देने के बहाने फ्लैट में घुस कर ढाका और बेनीवाल को दबोचा।**
- **शम्मी दो माह से बरसाना में थी, वह यहां गायों की शोभायात्रा में पहली बार दिखी, जिसके बाद कई मंदिरों में उसे देखा गया।**

एसओजी ने बुधवार को तीनों आरोपियों कोर्ट में पेश किया, जहां पर उन्हें सात जुलाई तक 4 दिन के रिमांड पर भेज दिया गया। मंगलवार को जोधपुर की साइक्लोन टीम ढाका और बेनीवाल को हैदराबाद से पकड़ जयपुर लाई थी। वहीं सरकारी टीचर शम्मी को जोधपुर से डिटेन कर लिया था। तीनों को मंगलवार रात में एसओजी को सौंप दिया था। डीजीपी यूआर साहू ने जोधपुर की साइक्लोन टीम को बधाई दी है।

जयपुर एसओजी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में जोधपुर आईजी विकास कुमार ने बताया कि टीम पिछले दो माह से वांटेड बदमाशों के पीछे थी। ढाका और बेनीवाल को पकड़ने के लिए ऑपरेशन डीप ब्लू चलाया गया। इकसे तहत पुलिस टीम ने कई दिनों तक इन की रेकी की। फिर गैस की सप्लाई देने के बहाने प्लैट में घुसे और दोनों को पकड़ा। वहीं शम्मी को पकड़ने के लिए ऑपरेशन राजवृक्ष चलाया गया। शम्मी दो माह से बरसाना में थी। वह बरसाना में गायों की गोरक्षा शोभायात्रा में पहली बार मिली, जिसके बाद कई मंदिरों में उसे देखा गया। इसी दौरान टीम ने भक्त का भेष बदलकर उसे पकड़ा। ओमप्रकाश ढाका पर 75 हजार रुपए, शम्मी बिश्नोई पर 70 हजार रुपए और सुनील बेनीवाल पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

तीनों पेपर लीक के मास्टरमाइंड हैं। इनकी तलाश राजस्थान पुलिस को काफी समय से थी। ओपी ढाका मुख्य आरोपी है। वह पेपर लीक माफिया जगदीश विश्नोई की गैंग को चलाने वाला हैंडलर है। वहीं शम्मी विश्नोई ने कई परीक्षाओं में डमी कैंडिडेट बैठाने का काम किया है। खुद भी कई परीक्षाओं में डमी कैंडिडेट बनकर बैठी है। वो खुद बालोतरा थाने की वांटेड भी है। सुनील भी डमी कैंडिडेट बनकर परीक्षाओं में बैठा है। ये डमी कैंडिडेट भी उपलब्ध करवाता था।

एडीजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी ने 38 एफआईआर दर्ज की है। इनमें 28 मामले डमी कैंडिडेट और बाकी फर्जी डिग्री और पेपरलीक के हैं। ये गिरोह इतना बड़ा है कि जो कैंडिडेट परीक्षा में सिलेक्ट हो जाता था, उनको फर्जी डिग्री तक दिला देते थे। पीटीआई भर्ती-2022 परीक्षा में भी 88 कैंडिडेट ऐसे थे, जिन्हें फर्जी डिग्री दिलवाई।

उन्होंने बताया कि इस साल राजस्थान में 100 एग्जाम बिना किसी गड़बड़ी के हुए हैं। पिछले 6 महीने में परीक्षा गड़बड़ी में अंकुश लगा है। उन्होंने बताया कि ओपी ढाका व जगदीश विश्नोई पेपर आउट करने में मुख्य आरोपी है।

ओमप्रकाश ढाका की मां सांचौर इलाके में प्रधान है। वह पिछले काफी दिनों से सरेंडर करना चाहता था। उसने अलग-अलग चैनलों के माध्यम से शर्तों के साथ सरेंडर की बात कही थी, लेकिन हमने मना कर दिया कि किसी तरह की रियायत नहीं देंगे। सुरेश ढाका ने भी शर्तों पर सरेंडर करने के लिए संपर्क किया। वह इंडिया से बाहर नहीं है और जल्द ही पकड़ में आ जाएगा।

फास्टैग में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपनी कार का फास्टैग निजी बैंक के जरिए लिया था और उसके फास्टैग अकाउंट में 664 रुपए बैलेंस थे। सीकर हाइवे पर अखैपुरा टोल पर एक तरफ की यात्रा करने पर 60 रुपए टोल वसूली की जाती है और 24 घंटे में ही वापस आने पर 30 रुपए यानि कुल 90 रुपए वसूले जाते हैं। परिवाद में कहा गया कि वह 24 नवंबर 2020 की दोपहर 12.50 बजे टोल बूथ पर गया तो उसका फास्टैग रीड नहीं हुआ। इस पर टोल कर्मचारियों ने उसे कहा कि उसका फास्टैग ब्लैक लिस्ट किया हुआ है और उसे दुगनी राशि देनी होगी। जिस पर उसे मजबूरी में 120 रुपए देने पडे। वहीं वापसी में शाम 4.40 बजे जब पहुंचा तो टोल कर्मचारियों ने उससे 60 रुपए और वसूल लिए। उसने फास्टैग शिकायत नंबर पर शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसे परिवादी ने उपभोक्ता आयोग में चुनौती देते हुए हर्जा-खर्चा दिलवाने का आग्रह किया। जिस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने टोल प्लाजा पर हर्जाना लगाते हुए अधिक वसूली राशि लौटाने को कहा है।

लालकृष्ण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विशेषज्ञों ने जांच की थी। हालांकि अगले दिन 27 जून को उन्हें एम्स से डिस्चार्ज कर दिया गया था। एम्स अस्पताल के अधिकारियों ने बताया, आडवानी को वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लालकृष्ण आडवाणी की उम्र 96 वर्ष है।

इसी वर्ष मार्च महीने में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' प्रदान किया था। कराची में 1927 में जन्मे आडवाणी का परिवार विभाजन के बाद 1947 में भारत आ गया था। आडवानी (96) जून 2002 से मई 2004 तक उप-प्रधानमंत्री और अक्टूबर 1999 से मई 2004 तक केंद्रीय गृहमंत्री रहे। वह कई बार 1986 से 1990, 1993 से 1998 और 2004 से 2005 तक भाजपा अध्यक्ष रहे।

जोधपुर में ट्रिपल मर्डर से सनसनी फैली

बुजुर्ग महिला को कुल्हाड़ी से काट कर और 2 बच्चियों की टांके में डुबोकर हत्या की गई

जोधपुर, 3 जुलाई (कासं)। जोधपुर में ट्रिपल मर्डर का मामला सामने आया है। एक बुजुर्ग महिला की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या की गई है, जबकि 2 मासूम बच्चियों के शव घर के टांके में मिले हैं। एक महिला घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बनाड़ थाना क्षेत्र के नांदड़ी खुर्द गांव की है।

पुलिस ने बताया कि आज 5 बजे के करीब नांदड़ी खुर्द में डबल मर्डर की सूचना मिली थी। सूचना पर थाना प्रभारी और पुलिस के उच्च अधिकारी घटना स्थल पहुंचे तो पता चला कि यहां तीन शव हैं। भंवरी देवी (68) और दो बच्चियों भावना (5) और लक्षिता (3.5) के शव मिले हैं, जबकि संतोष (27) घायल है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग और घायल महिला पर कुल्हाड़ी से वार किया गया है, जबकि बच्चों की हत्या को पानी में डुबो कर की गई है। आशंका है कि हत्याकांड में परिवार का ही कोई व्यक्ति शामिल है।

भंवरी देवी के पुत्र पुखराज ने एफआईआर दर्ज करवाई है। उसने बताया कि घटना के समय घर में मां-पत्नी और दोनों बेटियां ही थी। पुखराज ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। परिजन शव उठाने से इंकार कर रहे हैं और आरोपी को पकड़ने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस परिजनों को समझा रही है।

पुलिस के अनुसार नांदड़ी खुर्द निवासी मांगीलाल कुड़िया की बेटी संतोष पत्नी किशनाराम 3-4 दिनों से मायके आई हुई थी। बुधवार दोपहर संतोष, उसकी मां भंवरी देवी और संतोष की दो बेटियां भावना और लक्षिता घर पर थीं। इस दौरान किसी ने घर में घुसकर कुल्हाड़ी से सबसे पहले भंवरी देवी के सिर पर वार किया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। संतोष के भी सिर पर वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद हमलावर ने दोनों मासूम बेटियों को घर में बने पानी के टांके में डुबोकर मार दिया।

पुलिस के अनुसार मांगीलाल के 2 बेटे हैं, पुखराज और अशोक। दोनों के मकान आस-पास ही हैं। हत्याकांड पुखराज के घर में ही हुआ, लेकिन, अशोक के घर से किसी ने किसी को आते-जाते नहीं देखा। परिजनों ने अंदेशा जताया कि लूट के इरादे से किसी ने घर में घुसकर हत्या की है, लेकिन पुलिस को मौके से ऐसे कोई सबूत नहीं मिले, जिससे लूट की घटना का अंदाजा लगाया जा सके। बहरहाल समाचार लिखे जाने तक पुलिस मौके पर मामले की छानबीन में जुटी हुई थी।

- **एक महिला गंभीर रूप से घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।**
- **घटना नांदेडी खुर्द की है जहाँ किसी अज्ञात हत्यारे ने बुजुर्ग भंवरी देवी और दो बच्चियों भावना (5 वर्ष), लक्षिता (साढ़े तीन साल) की हत्या कर दी। भंवरी देवी की बेटी और दोनों बच्चियों की माँ संतोष देवी (27 साल) कुल्हाड़ी के वार से गंभीर रूप से घायल है।**
- **पुलिस को संदेह है कि घटना में किसी परिजन का हाथ है क्योंकि लूटपाट का कोई प्रमाण नहीं मिला है।**

राहुल गाँधी महाराष्ट्र में पुणे से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिणाम इण्डिया गठबन्धन के पक्ष में रहे हैं। इसलिए एन.सी.पी.(एस.पी.) खेमे को उम्मीद है कि पंढ़रपुर तीर्थयात्रा में राहुल की उपस्थिति से एम.वी.ए. को चुनावी फायदा होगा। एम.वी.ए. के नवनिर्वाचित सांसदों का एक प्रतिनिधिमण्डल शरद पवार के साथ मंगलवार को राहुल गांधी से मिला था और उन्होंने राहुल गांधी को तीर्थयात्रा में शामिल होने का आमंत्रण दिया था। कांग्रेस सांसद प्रनीति शिंदे और एन.सी.पी. (एस.पी.) सांसद धैर्यशील मोहिते-पाटिल भी प्रतिनिधिमण्डल में शामिल थे। तीर्थयात्रा के दौरान राहुल का कार्यक्रम संत ध्यानेश्वर महाराज और संत तुकाराम पाल्खी से आशीर्वाद लेने का है।

लोकसभा चुनावों के विपरीत, इण्डिया गठबन्धन की सहयोगी पार्टियों को इस बार कुछ जटिल मुद्दे हल करने हैं। उदाहरण के लिए कांग्रेस और एन.सी.पी. दोनों ही यू.बी.टी. शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत के इस सुझाव पर सहमत नहीं हैं कि उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में प्रोजेक्ट किया जाए। पवार ने हाल ही कहा था कि "हम किसी नेता विशेष को प्रोजेक्ट किए बिना एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे।"

प्रश्न कुछ अन्य छोटी पार्टियों को समायोजित करने का भी है जैसे कि समाजवादी पार्टी, कृषक एवं मजदूर पार्टी, पूर्व नेता राजू शेट्टी के नेतृत्व वाले स्वाभिमानी क्षेत्रकारी संगठन तथा वाम दल प्रकाश अम्बेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी के भी एम.वी.ए . से जुड़ने की संभावना है।

बताया जाता है कि एम.वी.ए. की सहयोगी पार्टियों की इस बात पर शुरुआती सहमति है कि गठबन्धन की प्रत्येक प्रमुख पार्टियां महाराष्ट्र विधानसभा की कुल 288 सीटों में से प्रत्येक 96 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी जबकि छोटी पार्टियों के लिए बड़ी पार्टियां सीटों का क्रमशः समायोजन करेंगी। उदाहरण के लिए उम्मीद है कि कांग्रेस समाजवादी पार्टी के लिए सीटें छोड़ेंगी जबकि एन.सी.पी.(एस.पी.) कृषक एवं मजदूर पार्टी को समायोजित करेगी।

इण्डिया गठबंधन के वॉकआउट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से भी आगे बढ़ गई और दोनों में गठबंधन सा हो गया था लेकिन हाल ही में सम्पन्न चुनावों में बीजू जनता दल लोकसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई और विधानसभा चुनावों में भी भाजपा ने नवीन पटनायक की 24 साल पुरानी सरकार का अंत कर सत्ता हथिया ली।

जिन मुद्दों और कानूनों पर भाजपा सरकार को बीजू जनता दल का समर्थन मिला उनके प्रमुख है जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने तथा उसे दो केन्द्र शासित प्रदेशों में बाँटने की केन्द्र की मुहिम, आंतक-विरोधी कानून यू.ए.पी.ए. तथा जिसन राजधानी के अफसरों का पूरा नियंत्रण दिल्ली के उपराज्यपाल के हाथों में दे दिया।

उस पूरी अवधि में, बी.जे.डी. का मानना रहा था कि वह भाजपा एवं कांग्रेस स बराबर दूरी बनाये रखेगी तथा केन्द्र का मुद्दों आधारित समर्थन देगी।

लेकिन, भाजपा के हाथों पार्टी की जबरदस्त पराजय के कुछ सप्ताह बाद, पटनायक ने बी.जे.डी. के 9 राज्यसभा सांसदों से कहा है कि उन्हें "मुखर एवं मजबूत" विपक्ष के रूप में सामने आना है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राज्यसभा के बी.जे.डी. नेता सस्मित पात्रा ने कहा कि अगर केन्द्र ओडिशा के हितों की उपेक्षा करेगा तो पार्टी सांसद विरोध करने के लिये कटिबद्ध है। उन्होंने कहा, "इस बार बी.जे.डी. सांसद केवल मुद्दों पर बोलने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि अगर केन्द्र की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ओडिशा के हितों की अनदेखी करेगी तो वे (बी.जे.डी. सांसद सरकार का विरोध करने के लिए संकल्पित हैं।" उन्होंने कहा कि पटनायक ने बी.जे.डी. सांसदों को स्पष्ट निर्देश दे दिये हैं कि उन्हें संसद में राज्य की जनता के हितों के लिए लड़ना है।

पात्रा ने मीडिया को बताया, "अब भाजपा को समर्थन नहीं, केवल विरोध। बी.जे.डी. अध्यक्ष ने हमसे कह दिया है कि अगर एन.डी.ए. सरकार ओडिशा की वाजिब माँगों की उपेक्षा करना जारी रखती है तो हमें मुखर एवं मजबूत विपक्ष के रूप में काम करना है।"

धनखड़ ने वॉकआउट की निन्दा की तथा कहा कि यह संविधान का अपमान है।

मोदी ने भी वॉकआउट की निन्दा की तथा कहा कि वे अंक बढ़ाने की कोशिश नहीं कर रहे, बल्कि सरकार के काम-काज एवं उपलब्धियों का हिसाब देना उनका कर्तव्य है।

संसद की संयुक्त बैठक को किये गये राष्ट्रपति के संबोधन पर सदन द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव अंगीकार कर लिये जाने के बाद, राज्यसभा अनिश्चितकाल तक के लिये स्थगित कर दी गई।

प्रधानमंत्री द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दिये जाने तथा सदन द्वारा उसे अंगीकृत कर लिये जाने के बाद, 27 जून को शुरु हुये राज्यसभा के 264वें सत्र का समापन हो गया। लोकसभा मंगलवार को ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी।

विधानसभा परिसर में ही टिटहरी ने तीन अण्डे दिए है। लोकमान्यताओं के अनुसार यह शुभ संकेत है। ऐसा माना जाता है यदि टिटहरी एक अंडा दे तो सूखा पड़ता है, दो अंडे दे तो ठीक ठाक बारिश होती है, तीन अंडे दे तो ये अच्छी बारिश का संकेत है।

राज्यसभा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किये। मोदी ने इसका प्रतिकार करते हुये, राहुल को निशाना बनाया, उनका मजाक उड़ाया तथा अपने ढ़ाई घंटे के भाषण में डेढ़ घंटे तक कांग्रेस पार्टी पर जवाहर लाल नेहरू से लेकर इन्दिरा गांधी तथा राहुल गांधी पर बोलते रहे।

मोदी पर कांग्रेस का भूत आखिर इतना क्यों छाया हुआ है? देश में हर तरफ यह सवाल पूछा जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि लोकसभा ईको सिस्टम ने राहुल की तथा लोकसभा में उस समय विरोध कर रहे अन्य नेताओं की फुटेज प्राप्त कर ली है, जब मोदी बोल रहे थे।

यह फुटेज, जो संसद टी.वी. पर नहीं दिखाई गई थी, गोदी मीडिया के प्रमुख लोगों को उपलब्ध करा दी गई है।

राहुल गांधी आगे की सीट पर बैठे हुए, अपने सांसदों को विरोध करने के लिये कह रहे थे। इसमें गुप्त रखने जैसी कोई बात नहीं थी। अगर संसद टी.वी. ने केवल मोदी पर फोकस करने के बजाय, राहुल तथा अन्य विपक्षी नेताओं की फुटेज दिखा दी होती तो इस फुटेज को लीक किये जाने की कोई जरूरत ही नहीं होती। इसका उद्देश्य केवल दबाव एवं तनाव पैदा करना है तथा आगामी दिनों में स्थिति के और बदतर होने की ही सम्भावना है।

हाथरस में मची भगदड़ का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँचा

याचिका में इस मामले की जांच रिटायर्ड जज के निर्देशन में कराने की मांग की गई है

नई दिल्ली, 3 जुलाई। उत्तर प्रदेश के हाथरस में सत्संग के बाद मची भगदड़ में कम से कम 121 लोगों की मौत का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। देश की सबसे बड़ी अदालत में एक जनहित याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर जनहित याचिका में जांच शुरू करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सर्वे कराने और दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए समिति बनाने की मांग की गई है। उन्होंने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में इस विशेषज्ञ समिति की नियुक्ति की जाए।

आपको बता दें कि हाथरस जिले के सिकंदराराऊ इलाके में सत्संग के दौरान हुई भगदड़ के मामले में पुलिस ने 'मुख्य सेवादार' और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंगलवार को हुई भगदड़ की इस घटना में 121 लोगों की मौत हो गई थी।

अधिकारी ने बताया कि पोरा पुलिस चौकी के प्रभारी उप निरीक्षक बृजेश पांडे की तहरीर पर मंगलवार देर रात सिकंदराराऊ थाने में मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर और अन्य सेवादारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या करने का प्रयास), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 223 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश की अवज्ञा), 238 (साक्ष्यों को मिटाना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

- **याचिका में तहरीर में कहा गया है कि "आयोजकों ने पिछले कार्यक्रमों में पहुंची लाखों लोगों की भीड़ की स्थिति को छिपाते हुए इस बार 80 हजार अनुयायियों के इकट्ठा होने की बात प्रशासन को बताई थी।**

तहरीर में कहा गया, "आयोजकों ने पिछले कार्यक्रमों में पहुंची लाखों लोगों की भीड़ की स्थिति को छिपाते हुए इस बार 80 हजार अनुयायियों के इकट्ठा होने की बात प्रशासन को बताई थी।

इसके अनुसार ही सुरक्षा की व्यवस्था की थी लेकिन सत्संग में ढाई लाख से ज्यादा लोग पहुंचे थे जिससे अव्यवस्था पैदा हो गई।"

आरोप लगाया गया, "सत्संग के मुख्य प्रवचनकर्ता सूरजपाल उर्फ 'भोले बाबा' के प्रवचन के बाद वह अपनी गाड़ी में सवार होकर आयोजन स्थल से निकल रहे थे तभी अनुयायियों ने उनकी गाड़ी के मार्ग से धूल समेटना शुरू कर दिया। इस दौरान लाखों की भीड़ के दबाव के कारण कुछ लोग कुचल गए।"

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908